



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 5, 1977/कार्तिक 14, 1899

No. 45]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 5, 1977/KARTIKA 14, 1899

इस भाग में सिम्बल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सक

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड(ii)

PART II--Section 3--Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India

(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities

(Other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1977

क्रा० आ० 3385.—एकाधिकार एवं निर्वन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा संसर्ग इण्डिया फॉइल्स लिमिटेड के पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 6/70) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 2/25/76-एम० 2]

सी० खुशालदास, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3385.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the Registration of M/s. India Foils Limited, under the said Act (Certificate of Registration No. 6/70).

[F. No. 2/25/76-M.II]

C. KHUSHALDAS, Dy. Secy.

(3855)

100 GI/77—1

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1977

(आय-कर)

क्रा० आ० 3386.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "अरुलमिगु अझागिया नम्बी रायार मन्दिर, थिरुकुरंगुडी" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए तामिलनाडु राज्य में सर्वत्र विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 1861/क्रा० सं० 176/48/77 आई० टी० (ए I)]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue & Banking)
(Revenue Wing)

New Delhi, the 7th July, 1977

(INCOME-TAX)

S.O. 3386.—In exercise of the powers conferred by sub-section 2(b) of Section 80 G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Azhagias Nambi Rayar Temple at Thirukkurungudi, Man-guneri Taluk, Tirunelveli District Tamil Nadu" to be a of renown throughout the State of Tamil Nadu for the purposes of the said Section.

[No. 1861/F No. 176/48/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1977

क्रा० आ० 3387.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "श्री उत्तरादि मठ संस्थानम्" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1962-63 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1907/क्रा० सं० 197/18/77-आ०क० (ए I)]

New Delhi, the 29th July, 1977

S.O. 3387.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Uttaradi Mutt Samsthanam" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1962-63.

[No. 1907/F. No. 197/18/77-IT(AI)]

क्रा० आ० 3388.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री जनार्दन मंदिर येरमल उडपी तालुक" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए कर्नाटक राज्य में सर्वज्ञ विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 1908/क्रा० सं० 176/67/77 आई० टी० II (ए I)]

S.O. 3388.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Janardhana Temple, Yermal, Udipi Taluk" to be a place of public worship of renown throughout the State of Karnataka for the purposes of the said section.

[No. 1908/F. No. 176/67/77-II (AI)]

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1977

क्रा० आ० 3389.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री शान्ता दुर्गा लक्ष्मी नरसिंह सांख्यालय संस्थान, संकोल मार्ग, गाम्नी, गोवा को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए गोवा, वसण और दीव संघ राज्यक्षेत्र में सर्वज्ञ विख्यात लोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 1918/क्रा० सं० 176/76/77 आई० टी० (ए I)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

New Delhi, the 4th August, 1977

S.O. 3389.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shree Shantadurga Lakshmi Narsinh Sankhalyo Sansthan, Sancoale, Margao, Goa" to be a place of public worship of renown throughout the Union Territory of Goa, Daman & Diu for the purposes of the said Section.

[No. 1918/F. No. 176/75/77-II (AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1977

क्रा० आ० 3390.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 1597 (क्रा० सं० 203/187/76—आई० टी० ए० II) तारीख 24 दिसम्बर, 1976 के अनुसरण में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि भारतीय बिजनेस अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, विहित प्राधिकारी, ने आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजन

के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रमों को इस शर्त के अधीन रहते हुए 1-4-1977 से 31-3-1982 तक के लिए अनुमोदित किया है कि वैज्ञानिक अनुसंधान, जनसंख्या की गतिशीलता, प्रजनन दर, प्रेक्षित अक्षर पर सामाजिक बिक्रमिय प्रेरणा और छोटे परिवार के लिए दम्पतियों द्वारा अपनाए गए साधनों के प्रेरणा स्रोतों पर प्रभाव अनुसंधान के विशिष्ट पहलुओं के अध्ययन के लिए होगा और सन्निर्माण की यागत, उपस्कर, कर्तव्य और प्रयोगशाला-साधनों, जैसे प्रतिदीप्त सूक्ष्मदर्शी और उच्च गति द्रुत अपकेंद्रित के रूप पर हुए व्यय को छोड़ कर, व्यय पूर्णतः इसी कार्यक्रम पर किया जाएगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यक्रम—प्रजनन, जनसंख्या गतिविज्ञान के कतिपय पहलुओं, परिवार नियोजन अपनाते में पुनरुत्पादक जीव विज्ञान और सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं पर अनुसंधान।

आयोजक—(1) खोसला प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड

(2) खोसला मेटल पाउडर्स लिमिटेड

(3) खोसला इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड।

आयोजन स्थान—43, श्री रोड, पुणे-411003 के 0 ई० एम० अस्पताल अनुसंधान केन्द्र पुणे। के 0 ई० एम० अस्पताल अनुसंधान केन्द्र, पूना को जहाँ उक्त कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है विल मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना सं० 332 (क्रा० सं० 203973 आई टी ए II) तारीख 21-4-73 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35(I)(II) के अधीन अनुमोदित किया जा चुका है।

यह अधिसूचना 1-4-1977 से 31-3-1982 तक प्रवृत्त रहेगी।

[सं० 1862/क्रा० सं० 203/187/76 आ० कर० अ० II]

New Delhi, the 26th July, 1977

S. O. 3390.—In continuation of this Department notification's No. 1597 (F.No. 203/187/76-ITA.II) dated the 24th December, 1976, and in supersession of this Department's notification No. 1862 dated 8th July, 1977, it is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved by the prescribed authority, the Indian Council of Medical Research, New Delhi, for the purpose of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 with effect from 1st April, 1977 to 31-3-1982.

Scientific Research Programme:

Research on certain aspects of fertility, population dynamics, reproductive biology and socio-cultural aspects of acceptance of Family Planning.

Sponsored by :

(i) Khosla Plastics Pvt. Ltd.,
(ii) Khosla Metal Powers Ltd.,
(iii) Khosla Engineering Pvt. Ltd., 43, Aundh Road, Poona-411003.

Sponsored at :

K.E.M. Hospital Research Centre, Pune.

Total cost of project :

Rs. 31.22 lakhs.

K.E.M. Hospital Research Centre, Pune where the above programme has been sponsored has been approved under section 35(1) (ii) of the Income-tax Act, 1961 by Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) notification No. 332 (F.No.203/9/73-ITA.II) dated 21st April, 1973.

This notification is effective from 1st April, 1977 to 31st March, 1982.

[No. 1894/F.No. 203/85/77-ITA.II]

सूचि-पत्र

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1977

क्रा० आ० 3391.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय सरकार, अधिसूचना सं० 1739 (क्रा० सं० 203/11/77-आई टी ए II) तारीख 30 अप्रैल, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“1 अप्रैल, 1976” के स्थान पर

“1 अप्रैल, 1971” पढ़ें।

[सं० 1910/क्रा० सं० 203/11/77-आई० टी० ए० II]

जे० पी० शर्मा, उप सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th July, 1977

S.O. 3391.—It is hereby notified for general information that the Central Government hereby amends the notification No. 1739 (F. No. 203/11/77-ITA.II) dated 30th April, 1977 as under :—

FOR the words 1st April, 1976

READ 1st April, 1971.

[No. 1910/F. No. 203/11/77-ITA.II]

J. P. SHARMA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 13 अक्तूबर, 1977

स्टाम्प

क्रा० आ० 3392.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रेषण शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है, जो राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा नौ करोड़, सात लाख, पचास हजार रुपये मूल्य के वचन पत्रों के रूप में जारी किए जाने वाले बन्ध पत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रसार्य हैं।

[सं० 31/77-स्टाम्प क्रा० सं० 33/71/77-विक्री कर]

एस० डी० रामस्वामी, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 13th October, 1977

STAMPS

S.O. 3392.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of nine crores, seven lakhs and fifty thousand of rupee, to be issued by the National Cooperative Development Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 31/77-Stamp-F. No. 33/71/77-ST]

S. D. RAMASWAMY, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 अक्तूबर, 1977

क्रा० आ० 3393.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श में, एतद्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1977 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एक० 9-4/49/73-बी० आ०-1-6 के अंतर्गत उक्त धारा 3 की उप धारा (ग), (घ), (ङ) और (च) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का

प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अक्तूबर, 1977 के 24वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्तूबर, 1980 के 23वें दिन का समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए केन्द्र बैंक के निदेशकों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :—

- श्री जे० बी० राव, धारा 3 की उपधारा (ग) के अनुसरण उप प्रबन्धक, में ऐसे कर्मचारियों के हितों का केन्द्र बैंक के ग्रेड II अधिकारी प्रतिनिधित्व करने के लिए जो कामगार नहीं हैं।
- श्री एस० डी० गार्गोनकर, धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण कारवार, तार्य कनारा जिला, में उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के कर्नाटक राज्य हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
- श्री सी० एस० विश्वम्, धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण अवैतनिक मुख्य कलाकार, में शिल्पकारों के हितों का प्रति-मास्टर आप्टुसमें, केरल निधित्व करने के लिए। हस्ताशिल्प विकास निगम, शिवमंगलम, महिला कालेज लेन, वल्लुतकौड, त्रिवेन्द्रम-14, केरल राज्य
- ले० जनरल के० पी० कंडेथ (सेवा- धारा 3 की उपधारा (च) के अनु-निवृत्त) इंडियन एक्सप्रेस सभूत समाचार पत्रों के रक्षा-सरण में।-संवावदाता, बी-209, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
- श्री जे० पी० जाबली, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में। व्यापारी तथा छोटे पैमाने के उद्योगपति, कलब रोड, हुबली-580020 (कर्नाटक राज्य)
- श्री एन० सी० कृष्णन्, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में। चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, मेसर्स एम० विश्वनाथन, 1-सी/वाई कालेज रोड, नुंगबकम, मद्रास-600006 (तमिलनाडु)
- श्री एस० नरेश मुहम्मद, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में। अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक, पायनियर लेदर फिनिशर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 92/140, पुरवा हीरामन, कानपुर (उत्तर प्रदेश)
- श्री एम० बी० मिश्र, धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में। प्रबन्ध निदेशक, कोटमेक प्राइवेट लिमिटेड, “मिश्र हाउस”, कारवार राड, हुबली-580024 (कर्नाटक राज्य)

[सं० एक० 9/26/77-बी० आ० I]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 17th October, 1977

S.O. 3393.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the

Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Canara Bank for a period of three years commencing on the 24th day of October, 1977, and ending with the 23rd day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BO.I-6, dated the 7th February, 1974 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3 :

1. Shri J.V. Rao, Sub-Manager, Grade II Officer in the Canara Bank. Representing the employees of the said Bank who are not workmen—in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.
2. Shri S.D. Gaonkar, Karwar, North Kanara District, (Karnataka State) Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
3. Shri C.S. Viswam, Hony. Chief Artist, Master Craftsman, Handicrafts Development Corporation of Kerala, Sivamangalam, Women's College Lane, Vazhuthacaud, Trivandrum-14. (Kerala State) Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Lt. Gen. K.P. Candeth (Retd.), Defence Correspondent to Indian Express Group of Papers, B-209, Greater Kailash, New Delhi-110048 In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri J.P. Javali, Businessman and Small Scale Industrialist, Club Road, Hubli-580020 (Karnataka State) In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Shri N.C. Krishnan, Chartered Accountant, M/s. S. Viswanathan, 1-C/Y, College Road, Nungambakkam, Madras-600006 (Tamil Nadu) In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri S. Nazar Mohamed, Chairman and Director, Pioneer Leather Finishers (P) Ltd., 92/140, Purwa Hiranman, Kanpur, (Uttar Pradesh) In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri M.V. Sirur, Managing Director, Cotmac Private Ltd., 'Sirur House' Karwar Road, Hubli-580024 (Karnataka State) In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

कां० 3394.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1974 के भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4/49/73-बी० प्रो० 1-7, 5-6-1974 की अधिसूचना सं० एफ 9-4/49/78-बी प्रो 1 के अन्तर्गत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (घ), (ङ) और (च) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अक्टूबर, 1977 के 17वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्टूबर, 1980 के 16वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया के निदेशकों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :

1. श्री मधुसूदन बनर्जी, एजेंट, कानेज स्ट्रीट ब्रांच, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, कलकत्ता धारा 3 की उपधारा (ग) के अनुसरण में ऐसे कर्मचारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए जो कामगार नहीं हैं।
2. श्रीमती विगजानेग गंगने, अध्यक्ष, मणिपुर राज्य समाज कल्याण मलाहकार बोर्ड, प्रोल्ह लम्बुलेन, इम्फाल, मणिपुर धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
3. श्री एस० के० भास्कर, डी० सी० आइवरी वर्क्स, 154, नेताजी सुभाष रोड, डाकघराना बागरा, मुशिदाबाद, पश्चिम बंगाल धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में शिल्पिकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
4. श्री पी० एम० नारियन बाला, चार्टर्ड प्रकाउण्टेंट, सेससे एस० आर० बाटसीबाय एण्ड कम्पनी चार्टर्ड प्रकाउण्टेंट, 36, गणेशचन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता-700013. धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
5. श्री भरविन्द राय, 8, अली-पुर प्लेस, कलकत्ता-700027 धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6. श्री एन० सी० सेनगुप्ता, "दीनारी" एच-1592, बिच्च-रंजनपार्क, नई दिल्ली-110019. धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[सं० एफ० 9/27/77-बी० प्रो० I]

S.O. 3394.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the United Bank of India for a period of three years commencing on the 17th day of October, 1977, and ending with the 16th day of October, 1980 in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No.F.9-4/49/73-BO.I-7, dated the 7th February, 1974 and No.F.9-4/49/73-BO.I dated 5th June, 1974 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:

1. Shri Madhusudan Banerjee, Agent, College Street Branch, United Bank of India, Calcutta. Representing the Employees of the said Bank who are not workmen—in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.

2. Smt. Lhinganeng Gangle, Representing the interests of depositors of the said Social Welfare Advisory Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3. Chairman, Manipur State Board, Old Lambulane, Imphal (Manipur).
3. Shri S.K. Bhaskar, Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (c) of clause 3. D.C. Ivory Works, 154, Netaji Subhash Road, P.O. Khagra, Murshidabad, West Bengal.
4. Shri P.M. Narielvala, In pursuance of sub-clause (f) of clause 3. Chartered Accountant, M/s. S.R. Batliboi & Company, Chartered Accountants, 36, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013.
5. Shri Arbinda Ray, In pursuance of sub-clause (f) of clause 3. 8, Alipur Place, Calcutta-700027.
6. Shri N.C. Sen Gupta, In pursuance of sub-clause (f) of clause 3. "Deepali", H-1592, Chittaranjan Park, New Delhi-110019.
6. श्री आर० जे० खेल्मिया, धारा 3 की उपधारा (घ) के निदेशक, राष्ट्रीय सरकारी वित्त और नीति संस्था 12 राजेन्द्र प्लेस, फ्लैट-404, नई दिल्ली-110008.
7. डा० नीलकण्ठ ए० कल्याणी धारा 3 की उपधारा (घ) के प्रबन्ध निदेशक, भारत प्रोबर्ट कम्पनी, पुणे (महाराष्ट्र)
8. श्री एन० श्रीनिवासन, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, मेसर्स फ्रेजर एण्ड रोस चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, 12 मेकलीन स्ट्रीट, पोस्ट बाक्स नं० 1352, मद्रास-600001 (तमिलनाडु)
9. श्री एन० बी० जवेरी, धारा 3 की उपधारा (च) के परामर्शी इंजीनियर और इंडस्ट्रियलिस्ट, भावेस्वर कुटीर, राजावाड़ी रोड नं० 4 घाट कोपार, बम्बई-400077 (महाराष्ट्र)

[No. F. 9/27/77-BO. I]

[सं० एक० 9/32/77-बी०ओ० I]

का०आ० 3395.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्वारा दिनांक 15 फरवरी, 1974 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एक० 9-4/49/73-बी०ओ०आई० 0-12 के अन्तर्गत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (घ), (ङ) और (च) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अक्तूबर, 1977 के 17वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्तूबर, 1980 के 16वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए इंडियन बैंक के निदेशकों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :

1. श्री एस० सुब्रामणियन, अधि-धारा 3 की उपधारा (ग) के कारी एडवर्ड इलियट्स रोड, अनुसरण में ऐसे कर्मचारियों के इंडियन बैंक की (मद्रास) हितों का प्रतिनिधित्व करने के शाखा लिए जो कामगार नहीं है।
2. श्री जी० नाटचन्ना, सोमपेट धारा 3 की उपधारा (घ) के 532284 जिला श्रीकाकुलम, अनुसरण में उक्त बैंक के जन-आन्ध्र प्रदेश गर्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
3. श्री जे० दयानन्द, कृषक, धारा 3 के धारा (ङ) के अनु-5 सेंट मार्टिन स्ट्रीट, पोंडी-सरण में कृषकों के हितों का चेरी-605001 प्रतिनिधित्व करने के लिए।
4. एस० पी० नाचिमथु, अध्यक्ष, धारा 3 की उपधारा (ङ) के चेन्नैमलाई कीवर कोयाम-अनुसरण में शिल्पिकारों के हितों रेटिव सोमाहदी 16 आज़ाद का प्रतिनिधित्व करने के लिए। स्ट्रीट, पोस्ट बाक्स नं० 33, इरोड-638001 (तमिलनाडु)
5. श्री एल० भक्तवत्सल, सदस्य, धारा 3 की उपधारा (च) के तमिलनाडु में कृषि मिचार्डी अनुसरण में। तथा सहकारिता टास्क फोर्स, राज्य योजना आयोग, "भक्त निवास" डाकखाना मिंगनल्लूर कोयम्बतूर-5 (तमिलनाडु)
5. श्री S. Subramanian, Offi-Representing the employees cer, Edward Elliotts Road of the said Bank who are (Madras) Branch of the not workmen in pursuance of sub-clause (c) of clause 3. Indian Bank.
2. Shri G. Latchanna, Some-Representing the interests of peta-532284, Srikakulam depositors of the said Bank Distt. Andhra Pradesh. in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
3. Shri J. Dayanand, Farmer, Representing the interests of 5, Saint Martin Street, farmers in pursuance of Pondicherry-605001. sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri M. P. Nachimuthu, Representing the interests President, Chennimalai of artisans in pursuance of Weavers Cooperative Society sub-clause (e) of clause 3. 16, Azad Street, Post Box No. 33, Erode-638001 (Tamil Nadu)
5. Shri L. Bakthavathsala, In pursuance of sub-clause Member, Task Force for (f) of clause 3. Agriculture Irrigation and Cooperation in Tamil Nadu, State Planning Commis-sion, Baktha Nivas, Singa-nallur P. O. Coimbatore-5, (Tamil Nadu).

S.O.3395.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Schemes 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Indian Bank for a period of three years commencing on the 17th day of October, 1977, and ending with the 16th day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BOI. 12, dated the 15th February, 1974, to represent the interest of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:

6. Shri R.J. Chelliah, Director In pursuance of sub-clause National Institute of Pub- (f) of clause 3. lic Finance and Policy, 12, Rajendra Place, Flat-404, New Delhi-110008.
7. Dr. Neelkanth A. Kalyani, In pursuance of sub-clause Managing Director, Bharat (f) of clause 3. Forge Co. Ltd., Poona.
8. Shri N. Srinivasan, Char- In pursuance of sub-clause tered Accountant, M/s. Fra- (f) of clause 3. ser and Ross, Chartered Accountants, 12, Mclean Street, Post Box No. 1352, Madras-600001. (Tamil Nadu).
9. Shri S. B. Zaveri, Consult- In pursuance of sub-clause ing Engineer and Indust- (f) of clause 3. rialist, Bhawashwar Kutir, Rajawadi Road No. 4, Ghatkopar, Bombay-400077. (Maharashtra).

[No. F. 9/32/77-BOI

कां० प्रा० 3396.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1974 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ० 9-4 49/73-बी० प्रो०-I-1-13 के अंतर्गत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (घ), (ङ) और (ज) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अक्टूबर, 1977 के 17वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्टूबर, 1980 के 16वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए बैंक आक्र महाराष्ट्र के निदेशकों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :

1. श्री एम० डी० रहाणकर, धारा 3 की उपधारा (ग) के एजेंट, बैंक आक्र महाराष्ट्र, अनुसरण में ऐसे कर्मचारियों के नवी पेठ शाखा, पुणे हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए जो कामगार नहीं हैं। (महाराष्ट्र)
2. श्री कालूराम दोडाडे, धारा 3 की उपधारा (घ) के कोन्धन, डाकखाना मीनोर, अनुसरण में उक्त बैंक के जमा-तेहसील पालघर, जिला ठाणे, कर्तव्यों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए। (महाराष्ट्र)
3. श्री भेरूलाल पाटीदार, धारा 3 की उपधारा (ङ) के गांव तथा डाकखाना गवली अनुसरण में कृषकों के हितों का पलासिया तेहसील महु, जिला प्रतिनिधित्व करने के लिए। इंदौर (म० प्र०)
4. श्री मुहम्मद कनीमुल्ला धारा 3 की उपधारा (ङ) के शरीफ, प्रोप्राइटर केन फाफ्ट्स अनुसरण में गिन्यकारों के हितों का 47, रिचर्ड्स स्क्वायर, प्रतिनिधित्व करने के लिए। बंगलौर (कर्नाटक)
5. श्री योगेन्द्र सी० अमीन, धारा 3 की उपधारा (ज) के चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, अनुसरण में। मेसर्स दयाल एण्ड शाह, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, 49-55, अपोलो स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400001

6. डा० ए० बी० जांघो, धारा 3 की उपधारा (ज) के उपकुलपति, महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, डाकखाना राहुरी-413722, जिला अहमदनगर (महाराष्ट्र)
7. श्री सी० एम० रामचन्द्रन, धारा 3 की उपधारा (च) के उपकुलपति, शंकर संस्कृत अनुसरण में। श्रीर शास्त्रीय कला अकादमी (रजिस्टर्ड दिल्ली), "दयार्ध" 28/3, चामियर्स रोड, मद्रास-600028 (तमिलनाडु)

[सं० ए० 9/33/77-बी० प्रो० I]

S.O. 3396.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Bank of Maharashtra for a period of three years commencing on the 17th day of October, 1977, and ending with 16th day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BO.I-13, dated the 7th February, 1974, to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:

1. Shri S. D. Rahalkar, Agent, Representing the employees Bank of Maharashtra, Navi of the said Bank who are Peth Branch, Poona, not workmen in pursuance (Maharashtra) of sub-clause (c) of clause 3.
2. Shri Kaluram Dodhade, Representing the interests of Kondhan, Post Manor, depositors of the said Tal. Palghar, Distt. Thane, Bank in pursuance of sub-clause (d) of clause 3. (Maharashtra).
3. Shri Bherulal Patidar, Representing the interests of Village & Post Gawali farmers in pursuance Palasia, Tehsil, Mhow. of sub-clause (e) of clause 3. Distt. Indore (M.P.)
4. Shri Mohamed Kalimulla Representing the Interests Shariff, Proprietor, Cane of artisans in pursuance Crafts 47, Richards' Square, of sub-clause (c) of clause 3. Bangalore (Karnataka).
5. Shri Yogendra C. Amin, In pursuance of sub-clause Chartered Accountant, M/s (f) of clause 3. Dalal & Shah, Chartered Accountants, 49-55, Apollo Street, Fort, Bombay-400001 (Maharashtra).
6. Dr. A. B. Joshi, Vice- In pursuance of sub-clause Chancellor, Mahatma (f) of clause 3. Phule Krishi Vidyapeeth, P.O. Rahuri-413722, Distt. Ahmednagar (Maharashtra).
7. Shri C. S. Ramachandran, In pursuance of sub-clause Vice-President, Sankara (f) of clause 3. Academy of Sanskrit and Classical Arts (Regd. Delhi) "Dayardhra", 28/3, Chamiyers Road, Madras-600028 (Tamil Nadu.)

[No. F. 9/33/77-BO I]

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1977

New Delhi, the 22nd October, 1977.

का० आ० 3397.—राष्ट्रीय बैंक (प्रबंध और प्रकाश उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एतद्वारा दिनांक 7 फरवरी, 1974 की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना संख्या एफ 9-4/49/73-बी० प्रो०-1-2 के अंतर्गत उक्त धारा 3 की उपधारा (ग), (घ), (ङ) और (च) में उल्लिखित व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त निदेशकों के स्थान पर अक्टूबर, 1977 के 24वें दिन से प्रारम्भ होकर अक्टूबर, 1980 के 23वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया के निदेशकों के रूप में निम्नलिखित व्यक्तियों को नियुक्त करती है :—

1. श्री सी० एम० दिघे, धारा 3 की उपधारा (ग) के कार्यकारी अधिकारी, शाखा अनुसरण में गैरे कर्मचारियों के विभाग, उत्तरी अनुभाग, हितों का प्रतिनिधित्व करने के बैंक आफ इंडिया, बम्बई लिए जो कामगार नहीं है।
2. श्री जे० आर० शाह, धारा 3 की उपधारा (घ) के कर-परामर्शी, अनुसरण में उक्त बैंक के जमा-25, मार्ग महल, 65, कर्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व बालकेश्वर रोड, बम्बई- करने के लिए।
400006
3. श्री जे० एम० पाटिल, धारा 3 की उपधारा (ङ) के छपक, डाकखाना बलाड, अनुसरण में छपकों के हितों का नालुका अपाचोपम, प्रतिनिधित्व करने के लिए।
जिला—जलगांव (महाराष्ट्र)
4. श्री अमृत हसन, धारा 3 की उपधारा (ङ) के पोतल की कलाकृतियों के अनुसरण में शिल्पकारों के हितों निर्माता तथा निर्यातक, का प्रतिनिधित्व करने के लिए।
मुहम्मद अली रोड,
बाराबरी, पोस्ट बाक्स-85,
मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)
5. श्री बाई० एच० मालेगम, धारा 3 की उपधारा (च) के चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, गुलिस्ता, अनुसरण में।
37, कफ परेड, बम्बई-
400005
6. प्रोफेसर पी० एच० प्रसाद, धारा 3 की उपधारा (च) के प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, अनुसरण में।
ए०एन०एस० इन्स्टीट्यूट
आफ़ सोशल साइंसेज,
पटना-800001
7. श्री एन० के० सोमाणी, धारा 3 की उपधारा (च) के वरिष्ठ कार्यकारी तथा अनुसरण में।
निदेशक,
श्रीनिवास समूह उद्योग और
सोमाणी समूह, कपूर महल,
नेताजी गुमास रोड,
बम्बई-400020
8. श्री एन० एम० वाडिया, धारा 3 की उपधारा (च) के एडवोकेट छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) अनुसरण में।

[सं० एफ० 9/22/77-बी० प्रो० I]

बलदेव सिंह, संयुक्त सचिव

S. O. 3397.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Bank of India for a period of three years commencing on the 24th day of October, 1977, and ending with the 23rd day of October, 1980, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Banking) No. F. 9-4/49/73-BO I-2, dated the 7th February, 1974, to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (c), (d), (e) and (f) of the said clause 3:—

1. Shri C. S. Dighe, Officer-in-Charge, Branches Deptt. North Section Bank of India, Bombay. Representing the employees of the said Bank who are not workmen--in pursuance of sub-clause (c) of clause 3.
2. Shri J. R. Shah, Tax Consultant, 25, Sagar Mahal, 65, Walkeshwar Road, Bombay-400006. Representing the interests of depositors of the said Bank--in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
3. Shri J. S. Patil, Agriculturist Post: Balad Taluka: Apachofa, Distt. Jalgaon, Maharashtra. Representing the interests of farmers--in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri Abul Hasan, Manufacturer and exporter of Brass Artwares, Mohammed Ali Road, Bara Dari, P. O. Box 85, Moradabad (U. P.). Representing the interests of artisans--in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
5. Shri Y. H. Malegam, Chartered Accountant, Goolistan 37, Cuffe Parade, Bombay-400005. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Prof. P. H. Prasad, Professor of Economics, A. N. S. Institute of Social Studies, Patna-800001. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri N. K. Somani, Senior Executive and Director, Shreeniwas Group of Industries and the Somani Group Kapur Mahal, Netaji Subhash Road, Bombay-400020. In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri N. M. Wadiwa, Advocate, Chhindwara, (M.P.). In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F. 9/22/77-BOI.]

BALDEV SINGH, Joint Secy.

मादेश

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3398.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने के बाद कामरूप डिस्ट्रिक्ट—सेन्ट्रल—कोमोपरेटिव बैंक लिमिटेड—गोहाटी—(ग्रामाम) जिरों इसके पश्चात्

सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उग दिन को मिलाकर अधिस्थगन जारी आदेश करती है, जिसके अनुसार अधिस्थगन आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शर्त यह है कि इन प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से असम सहकारी समिति अधिनियम, 1949 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उनके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित पूर्वातिथि के बिना कोई श्रेण अथवा अधिम नहीं देगा, किसी प्रकार का वायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने वायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहराव नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगियां अथवा खर्च करेगा :—

- (1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाने में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	देय रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो :

बशर्त कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

- (2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, पे-ऑर्डर अथवा चेकों की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये जाने हैं जिस तारीख को स्थगन आदेश लागू होता है।

- (3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त टुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख से बाद वसूल की गयी टुण्डियों की राशियां।

- (4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध वायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ली गयी डिग्री या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को वसूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो।

बशर्त कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिग्री के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम, 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

- (5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशासन चलाने के लिए कर नाप्रतिवार्य हो।

बशर्त कि जहां किसी एक कैलेंडर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छः कैलेंडर माहों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता

हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500 रुपये से बढ़ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

- (6) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निदेश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियां अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बदले असम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किन्हीं सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए श्रेणों अथवा अधिमों जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने शेष थे, की वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों—

- (ख) सहकारी बैंक की पूर्वोक्त अदायगियां करने के लिए असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाते खोलने की अनुमति दी जाएगी।

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के लिए जाने से पहले असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा बैंक से किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अपने आपको अवगत करना होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है ;

- (ग) सहकारी बैंक, उन टुण्डियों को, जो वसूल न की गयी हों उनका प्राप्ति करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन टुण्डियों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो तो अथवा बैंकी टुण्डियों में उसका कोई हित न हो।

- (घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक के पास किसी श्रेण, नकद, कर्ज अथवा ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टि-बन्धक अथवा बन्ध रखी गयी हों अथवा अन्यथा प्रभारित की गयी हों, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकेगा;

- (i) किसी ऐसे मामले में जहां यथास्थिति श्रेणकर्ता या श्रेणकर्तृओं, से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्ति की गयी है, और

- (ii) किसी अन्य मामले में, उतने तक की रकम जिनकी आवश्यक अथवा संभव हो, निर्दिष्ट अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थे, इनमें जो भी ऊंचे हों उक्त मात्र और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किये बिना।

ORDERS

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3398.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Kamrup District Central Co-operative Bank Ltd., Gauhati, (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder:—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following:—

Deposit amount	Amount Payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank ;

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Govern-

ment of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank ;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

क्र० प्र० 3399.—बैंककारी वित्तियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आदेशन पत्र पर विचार करने के साथ डिब्रूगढ़ सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड डिब्रूगढ़, जिला डिब्रूगढ़ (आसाम) (जिसे इसके पश्चात् सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्द्वारा 24 अक्तूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस दिन को मिलाकर अधिव्यगन आदेश जारी करती है, जिसके अनुसार अधिव्यगन आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरु किया जाना अथवा शुरू की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शर्त यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से असम सहकारी समिति अधिनियम, 1919 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह निर्देश देती है कि उसे स्वीकृत अधिव्यगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक को निश्चित पूर्वानुमति के बिना कोई श्रृण अथवा अधिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और वेतनशायियों के संबंध में अथवा अथवा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहारा नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगियां अथवा खर्च करेगा:—

(1) प्रत्येक ध्वन बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :

जमा रकम	देय रकम
50 रुपये तक	पूरा ।
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो।

बशर्ते कि अदा की गयी रकम वी कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाने में सभी) के नाम से खाने में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी ध्यान है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम यदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

- (2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, पे-आर्डर अथवा चेको की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये होते हैं जिस तारीख को स्थान आवेग लागू होता है।
- (3) 24 अक्टूबर 1977 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त हुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख से बाद बसूल की गयी हुण्डियों की राशियाँ;
- (4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध वायदा किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ली गयी डिग्री या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को बसूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो।

बशर्ते कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिग्री के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम, 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

- (5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहाँ तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार में बैंक या दैनिक प्रशासन चलाते के लिए करना अनिवार्य हो।

बशर्ते कि जहाँ किसी एक केलेण्डर माम में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आवेग से पहले के छः केलेण्डर सहोनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ जाता हो, अथवा जहाँ उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500 रुपये से बढ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

3. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निदेश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृति अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

- (क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बदले असम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किसी सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए ऋणों अथवा अधिमों की अधिस्थगन आवेग के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने शेष थे, की वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों;
- (ख) सहकारी बैंक को पूर्वोक्त अदायगियां करने के लिए असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाले चलाने की अनुमति दी जाएगी।

परन्तु इस आवेग का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के लिए जाने से पहले असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा उसे किसी अन्य बैंक को

इस संबंध में अपने आपको आशस्त करना होगा कि इस आवेग द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

- (ग) सहकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो बसूल न की गयी हों, उनका प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा देगा यदि सहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो तो अथवा वैसी हुण्डियों में उसका कोई हिस्सा न हो।

- (घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक) के पास किसी ऋण, नकद कर्ज अथवा, ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, ट्रस्ट-बन्धक अथवा, बन्ध रखी गयी हो अथवा अन्यथा प्रभारित की गयी हो, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकेगा;

(i) किसी ऐसे मामले में जहाँ यथास्थिति ऋणकर्ता या ऋणकर्ताओं, से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और

(ii) किसी अन्य मामले में, उतने तक की रकम जितनी आवश्यक अथवा संभव हो, निदिष्ट अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आवेग के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी ऊँचे हों, उक्त माल और प्रतिभूतियों पर माजित के अनुपातों को कम किये बिना।

[सं० एक 8-17/77-ए०सी०]

S.O. 3399.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Dibrugarh Central Cooperative Bank Ltd., Dibrugarh, Dibrugarh Dist. (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder:—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following:—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher.

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher;

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order or moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it:

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank:

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid:

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AG]

कांसां 3400—सहकारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (ख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व

बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने के बाद तेजपुर मेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, तेजपुर, जिला दारंग (असम) (जिसे उभके पञ्चात् सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का तारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस दिन को मिलाकर अधिव्ययन आदेश जारी करती है, जिसके अनुसार अधिव्ययन आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु शर्त यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी प्रकार से असम सहकारी समिति अधिनियम, 1949 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निर्देश देती है कि उसे स्वीकृत अधिव्ययन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित पूर्वानुमति के बिना कोई श्रेण अथवा अधिम नहीं देगा किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करता स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का गमसोता अथवा धरान नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगियां अथवा खर्च करेगा:—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा जाल खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक:

जमा रकम	शेष रकम
50 रुपए तक	पूरा
50 रुपए से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपए जो भी अधिक हो:

बशर्ते कि अदा की गई रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किंगो अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम में खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किता व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

(2) ऐसे किसी बैंक द्वारा, पे-ऑर्डर अथवा चेकों की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये जाते हैं जिस तारीख को स्थगन आदेश लागू होता है।

(3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त वृण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख के बाद वसूल की गयी वृण्डियों की राशियों;

(4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ली गयी डिग्री या बैंक को मिलने वाली किसी रकम का वसूल करने के लिए संबंध में करना आवश्यक हो।

बशर्ते कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिग्री के संबंध में किए किए जाने वाले व्यय की रकम 250 रु० से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

(5) किसी अन्य मंत्र पर कोई व्यय, उन्हां तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशासन चलाते के लिए करना अनिवार्य हो।

बशर्ते कि जहां किसी एक कैलेंडर मास में किसी मद पर दिया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छः कैलेंडर महीनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500/- रुपये से बढ़ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

(3) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निदेश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अवयवियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बदले प्रथम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा प्रथम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इससे किन्हीं सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए ऋणों अथवा अधिमों जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने योग्य थे, की वापसी अवयवों के लिए आवश्यक हों;

(ख) सहकारी बैंक की पूर्वोक्त अवयवियां करने के लिए प्रथम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाते चलाने की अनुमति दी जाएगी;

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले प्रथम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा वैसे किसी अन्य बैंक की इस संबंध में अपने आपको अवस्त करना होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) सहकारी बैंक उन दृष्टियों को, जो बसूल न की गयी हों, उनको प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन दृष्टियों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो तो अथवा वैसे दृष्टियों में उसका कोई हित न हो।

(घ) सहकारी बैंक ऐसे मामल पृथक् प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक) के पास किसी ऋण, नकद कर्ज अथवा ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टि-बन्धक अथवा बन्ध रखी गई हों अथवा अन्यथा प्रभावित की गयी हों, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकेगा;

(i) किसी ऐसे मामले में जहां यथास्थिती ऋणकर्ता या ऋणकर्ताओं, से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और

(ii) किसी अन्य मामले में, उतने तक की रकम जितनी आवश्यक अथवा संभव हो, निश्चित अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी उंचे हों, उक्त माल और प्रतिभूतियों पर माजिन के अनुपातों को कम किए बिना।

S.O. 3400.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Tezpur Central Cooperative Bank Ltd., Tezpur Darang Distt. (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher :

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50 whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way ;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order or moratorium comes into force;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date ;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500 the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or ad-

vances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

- (b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid:

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

- (c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;
- (d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—
- (i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and
- (ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below stipulated proportions of the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

क्रा० आ० 3401.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आबेदनपत्र पर विचार करने के बाद भीगांव सेन्ट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, भीगांव, जिला भीगांव (असम) (जिसे इसके पश्चात् सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस दिन को मिलाकर अधिस्थगन आदेश जारी करती है, जिसके अनुसार अधिस्थगन आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरू किया जाना अथवा शुरू की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से असम सहकारी समिति अधिनियम, 1949 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निवेदन देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित पूर्वानुमति के बिना कोई ऋण अथवा अग्रिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा उद्धार नहीं

करेगा किन्तु यह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगीया अथवा खर्च करेगा :—

- (1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	देय रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये, जो भी अधिक हो :

बगलें कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उसमें ज्यादा न हो।

यह भी ध्यान है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

- (2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, चे-आर्डर अथवा चेकों की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिए जाने हैं जिस तारीख का स्थगन आदेश लागू होता है।
- (3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उससे पूर्व भूगतान के लिए प्राप्त ऋणियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख से बाद वसूल की गयी ऋणियों की राशियों ;
- (4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ली गयी डिग्री या बैंक को मिलने वाली किसी रकम की वसूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो :

बगलें कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिग्री के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी ; और

- (5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशासन चलाने के लिए करना अनिवार्य हो :

बगलें कि जहां किसी एक कैलेण्डर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छः कैलेण्डर महीनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500 रुपये से बढ़ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

- (6) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निवेदन देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृति अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के बदले अग्रम गारंटर, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट

द्वैक अथवा इसके किन्हीं सहायक बैंको या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए ऋणों अथवा अग्रिमों जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने जेब थे, की वापसी अदायगी के लिए आवश्यक हों;

- (ख) सहकारी बैंक की पूर्वोक्त अदायगियां करने के लिए असम को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाने चलाने की अनुमति दी जाएगी :

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा वैसे किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अपने आपको अशक्ल करना होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है ;

- (ग) सहकारी बैंक, उन ऋणियों को, जो वसूल न की गयी हों, उनको प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन ऋणियों पर कोई अधिकार अथवा हक हो तो अथवा वैसे ऋणियों में उसका कोई हित न हो।

- (घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों की जो इस बैंक के पास किसी ऋण, तकद कर्ज अथवा ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टिबन्धक अथवा बन्ध रखी गयी हो अथवा अन्यथा प्रभावित की गयी हो, निम्न-लिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकेगा :—

- (i) किसी ऐसे मामले में जहाँ यथास्थिति ऋणकर्ता या ऋणकर्ताओं, से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और
- (ii) किसी अन्य मामले में, उतने तक की रकम जितनी आवश्यक अथवा संभव हो, निश्चित अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इतने जहाँ भी ऊंचे हों, उक्त माल और प्रतिभूतियां पर माजित के अनुपातों को कम किये बिना।

[स० एफ० 8-17/77-ए०सी०]

S.O. 3401.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Nowgong Central Co-operative Bank Ltd. Nowgong (Assam), (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise

or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

- (i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	
10 per cent of the depositor	
Rs. 50, whichever is higher :	

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way ;

- (ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;
 - (iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date ;
 - (iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it ;
- Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250 the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and
- (v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank ;

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank :—

- (a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;
- (b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid ;

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

- (c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills;
- (d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent —
- (i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally; and
- (ii) In any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

क्र०प्रा० 3402 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यक्ष) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उसका धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आदेशन पत्र पर विचार करने के बाद; ग्वालपारा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड बुकरी, जिला स्थानपाड़ा, (असम) — (जिसे इसके पश्चात् सहकारी बैंक कहा गया है), के संबंध में एतद्वारा 24 अक्टूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस दिन का मितान्तर अधिस्थगन आदेश जारी करना है, जिसके अनुसार अधिस्थगन आदेश की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरु किया जाता अथवा शुरू की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु यह है कि उन प्रकार के स्थायित्व का किसी भी प्रकार से अग्रिम सहकारी समिति अधिनियम, 1949 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की निम्नलिखित पूर्वानुमति के बिना कोई ऋण अथवा अग्रिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की अदायगी नहीं करेगा अथवा अदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा स्हण्डव नहीं करेगा किन्तु यह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति अदायगियां अथवा खर्च करेगा :—

- (1) प्रत्येक वचन बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	वैय रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो :

बगैर कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये इतने जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

- (2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, पे-ऑर्डर अथवा चेकों की राशि या सहकारी बैंक में उस तारीख को जारी कर दिये जाने वाले तारीख को स्थगन लागू होता है।
- (3) 24 अक्टूबर, 1977 को अथवा उसके पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त हुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख के बाद वसूल की गयी हुण्डियों की राशियां।
- (4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किए गए मुकदमे, अर्पण, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध की गयी चिगरी या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को वसूल करने के लिए करना आवश्यक हो।

बगैर कि प्रत्येक मुकदमे, अर्पण अथवा चिगरी के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की निम्नलिखित अनुमति ली जाएगी, और

- (5) किसी अन्य सब पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सरकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशासन चलाने के लिए करना अनिवार्य हो :

बगैर कि जहां किसी एक केन्द्रीय माम में किसी मद पर किए गए कुछ खर्च अधिस्थगन आदेश से पहले के छ केन्द्रीय मंत्रीनों में उस मद पर किए गए औपचार्यिक व्यय से बच जाया हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार दिया जा याता 500 रुपये से बड़ा हो तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की निम्नलिखित रूप में अनुमति ली जाएगी।

3. केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निर्देश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और अदायगियों कर सकेगा, अर्पण सरकारी प्रतिनृतियों अथवा अन्य प्रतिनृतियों के वचने असम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोऑपरेटिव एक्स बैंक लि०, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किसी सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए ऋणों अथवा अग्रिमों जो अधिस्थगन आदेश के प्रभावी होने की तारीख को चुकाए जाने के पत्र थे, का बापगी अदायगी के लिए आवश्यक हो,

(ख) सहकारी बैंक का पूर्वोक्त अदायगियां करने के लिये असम कोऑपरेटिव एक्स बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अग्र खाते चलाने की अनुमति दी जाएगी।

परन्तु इस आदेश का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम कोऑपरेटिव एक्स बैंक लि० अथवा बैंके किसी अन्य बैंक को इस संबंध में अपने आपको अवस्थ करनी होगा कि इस आदेश द्वारा लगाई गई गतों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) सहकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो वसूल न की गयी हों, उनका प्राप्त करने के हकदार व्यक्ति के अनुरोध

पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन दृष्टियों पर काई अधिष्ठात प्रवेश उक्त नवी त असा बैंक दृष्टियों में उसका कोई दिन न हो।

(ख) सहकारी बैंक ऐसे मान अथवा प्रतिभूतियों को जो दप (बैंक) के पास किसी ऋण, नकद कर्त अथवा ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टि-बन्धक अथवा बन्ध रखी गयी हों अथवा अन्वया प्रभारित की गयी हों, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकेगा—

(1) किसी ऐसे मामले में जहां यथाशक्ति ऋणकर्ता या ऋणकर्ताओं, से मिलने वाली सारी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गयी है, और

(2) किसी अन्य मामले में, उतने तक की रकम जितनी आवश्यकता अथवा संभव हो, निश्चित अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थान आदेश के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी ऊंचे हो, उक्त मान और प्रतिभूतियों पर मार्जिन के अनुपातों को कम किए बिना।

[सं० एफ० 8-17/77-ए०सी०]

S.O. 3402.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 45, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Goalpara District Central Cooperative Bank Ltd., Goalpara (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative Bank during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Amount payable	Deposit amount
Upto Rs. 50	In full
Above Rs. 50	10 per cent of the deposit or Rs. 50 whichever is higher :

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way;

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other Bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid ;

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank;

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right, or title to, or interest in, such bills;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent—

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally ; and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, on the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

का० आ० 3403 :—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के खण्ड (यख) के साथ पठित धारा 45 की उपधारा 2 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 45 की उपधारा (1) के अंतर्गत भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिये गये आवेदन पत्र पर विचार करने के बाद कलार सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सिलचर, जिला कछार, (असम)—(जिसे इसके पश्चात् सहकारी बैंक कहा गया है) के संबंध में एतद्वारा 24 अक्तूबर, 1977 को बैंक का कारोबार बन्द होने से लेकर, 30 नवम्बर, 1977 तक और उस दिन को मिलाकर अधिस्थगन आवेदन जारी करती है, जिसके अनुसार अधिस्थगन आवेदन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक के विरुद्ध सभी कार्यवाहियों का शुरु किया जाना अथवा शुरु की गई कार्यवाहियों को जारी रखना स्थगित किया जाता है किन्तु यह है कि इस प्रकार के स्थगन का किसी भी प्रकार से असम सहकारी समिति अधिनियम, 1949 के अंतर्गत असम सरकार द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले उसके अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े।

2 केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निवेश देती है कि उसे स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित पुरानिभूति के बिना कोई ऋण अथवा अधिम नहीं देगा, किसी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा, कोई निवेश नहीं करेगा अथवा अपने दायित्वों और देनदारियों के संबंध में अथवा अन्यथा किसी प्रकार की प्रदायगी नहीं करेगा अथवा प्रदायगी करना स्वीकार नहीं करेगा अथवा किसी प्रकार का समझौता अथवा ठहराव नहीं करेगा किन्तु वह निम्नलिखित तरीके से और निम्नलिखित सीमा तक यथास्थिति प्रदायगियां अथवा खर्च करेगा :—

(1) प्रत्येक बचत बैंक अथवा चालू खाते अथवा किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले किसी अन्य जमा खाते में शेष रकम में से निम्नलिखित राशि तक :—

जमा रकम	खर्च रकम
50 रुपये तक	पूरा
50 रुपये से अधिक	जमा का 10 प्रतिशत अथवा 50 रुपये जो भी अधिक हो :

बशर्ते कि अदा की गयी रकम की कुल सीमा किसी एक व्यक्ति (किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त खाते में नहीं) के नाम से खाते में जमा कुल राशि के 10 प्रतिशत से अधिक अथवा 50 रुपये, इनमें जो भी अधिक हो, उससे ज्यादा न हो।

यह भी शर्त है कि ऐसे किसी व्यक्ति को कोई रकम अदा नहीं की जाएगी जो किसी प्रकार से सहकारी बैंक का कर्जदार हो।

(2) ऐसे किसी बैंक ड्राफ्ट, चे-आर्डर अथवा चेको की राशि जो सहकारी बैंक ने उस तारीख को जारी कर दिये जाने हैं जिस तारीख को स्थगन आवेदन लागू होता है।

(3) 24 अक्तूबर, 1977 को अथवा उससे पूर्व भुगतान के लिए प्राप्त हुण्डियों और उस तारीख से पहले, उस तारीख को या उस तारीख से बाद वसूल की गयी हुण्डियों की राशियों।

(4) ऐसा कोई व्यय जो किसी सहकारी बैंक के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध दायर किए गए मुकदमे, अपील, अथवा सहकारी बैंक द्वारा या उसके विरुद्ध ली गयी डिग्री या बैंक को मिलने वाली किसी रकम को वसूल करने के संबंध में करना आवश्यक हो :

बशर्ते कि प्रत्येक मुकदमे, अपील अथवा डिग्री के संबंध में किए जाने वाले व्यय की रकम 250 रुपये से अधिक हो तो खर्च करने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुमति ली जाएगी; और

100 GI/77—3

(5) किसी अन्य मद पर कोई व्यय, जहां तक कि वह व्यय सहकारी बैंक के विचार में बैंक का दैनिक प्रशासन चलाने के लिए करना अनिवार्य हो।

बशर्ते कि जहां किसी एक कैलेण्डर मास में किसी मद पर किया गया कुल खर्च अधिस्थगन आवेदन से पहले के छः कैलेण्डर महीनों में उस मद पर किए गए औसत मासिक व्यय से बढ़ जाता हो, अथवा जहां उस मद के संबंध में कोई व्यय नहीं किया गया हो और उस प्रकार किया जाने वाला व्यय 500 रुपये से बढ़ जाए तो उस प्रकार का व्यय करने से पूर्व भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित रूप से अनुमति ली जाएगी।

(3.) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह भी निवेश देती है कि सहकारी बैंक की स्वीकृत अधिस्थगन की अवधि के दौरान—

(क) सहकारी बैंक निम्नलिखित और प्रदायगियां कर सकेगा, अर्थात् सरकारी प्रतिभूतियों अथवा अन्य प्रतिभूतियों के पहले असम सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक अथवा असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक अथवा इसके किन्हीं सहायक बैंकों या किसी अन्य बैंक द्वारा सहकारी बैंक को दिए गए ऋणों अथवा अधिमों जो अधिस्थगन आवेदन के प्रभावी होने की तारीख की तुलना में शेष थे, की वापसी प्रदायगी के लिए आवश्यक हों ;

(ख) सहकारी बैंक को पूर्वोक्त प्रदायगियां करने के लिए असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा किसी अन्य बैंक के साथ अपने खाते चलाने की अनुमति दी जाएगी :

परन्तु इस आवेदन का ऐसा कोई आशय नहीं होगा कि सहकारी बैंक को किसी रकम के दिए जाने से पहले असम कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक लि० अथवा वैसे अन्य किसी बैंक को इस संबंध में अपने आपको प्रयत्न करना होगा कि इस आवेदन द्वारा लगाई गई शर्तों का बैंक द्वारा पालन किया जा रहा है;

(ग) सहकारी बैंक, उन हुण्डियों को, जो वसूल न की गयी हों, उनका प्राप्त करने के हक्कदार व्यक्ति के अनुरोध पर लौटा सकेगा यदि सहकारी बैंक का उन हुण्डियों पर कोई अधिकार अथवा हक न हो तो अथवा वेसी हुण्डियों में उसका कोई हित न हो ;

(घ) सहकारी बैंक ऐसे माल अथवा प्रतिभूतियों को जो इस (बैंक) के पास किसी ऋण, नकद कर्ज अथवा ओवर-ड्राफ्ट के बदले गिरवी, दृष्टि-बन्धक अथवा बन्ध रखी गयी हों अथवा अन्यथा प्रभारित की गयी हों, निम्नलिखित मामलों में छोड़ अथवा दे सकेगा—

(i) किसी ऐसे मामले में जहां यथास्थिति ऋणकर्ता या ऋणकर्ताओं, से मिलने वाली मानी रकम सहकारी बैंक द्वारा बिना शर्त प्राप्त की गई है; और

(ii) किसी अन्य मामले में, उसने तक की रकम जितनी आवश्यक अथवा सम्भव हो, निश्चित अनुपातों से नीचे अथवा उन अनुपातों से नीचे जो अधिस्थगन आवेदन के प्रभावी होने से पहले लागू थी, इनमें जो भी ऊंचे हों, उक्त माल और प्रतिभूतियों पर माजिन के अनुपातों को कम किये बिना।

[सं० एक० 8-17/77-ए० सी०]

बी० एन० बहादुर, उप सचिव

S.O. 3403.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43, read with clause (zb) of section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, after considering the application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of the said section 45, hereby makes an order of moratorium, in respect of the Cachar Central Cooperative Bank Ltd., Silchar, Cachar Distt. (Assam) (hereinafter referred to as the Co-operative Bank), for the period from the close of business on the 24th October, 1977 upto and inclusive of the 30th November, 1977 staying the commencement or continuance of all actions and proceedings against the Co-operative during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Government of Assam of its powers under the Assam Co-operative Societies Act, 1949.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of the moratorium granted to it, the Co-operative Bank shall not without the permission in writing of the Reserve Bank of India, grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or make or agree to make any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise or enter into any compromise or arrangement, except making payments, or incurring expenditure, as the case may be, to the extent and in the manner provided hereunder :—

(i) out of the balance in every Savings Bank or Current Account or in any other deposit by whatever name called, a sum not exceeding the following :—

Deposit amount	Amount payable
	In full
Upto Rs. 50	10 per cent of the deposit or
Above Rs. 50	Rs. 50 whichever is higher

Provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed 10 per cent of total deposit or Rs. 50, whichever is higher :

Provided further that no amount shall be paid to any depositor who is indebted to the Co-operative Bank in any way :

(ii) the amounts of any drafts or pay orders or cheques issued by the Co-operative Bank and remaining unpaid on the date on which the order or moratorium comes into force ;

(iii) the amounts of the bills received for collection on or before 24th October, 1977 and realised before, on or after that date ;

(iv) any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against, or decrees obtained by or against, the Co-operative Bank, or for realising any amounts due to it :

Provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree is in excess of Rs. 250, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and

(v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the Co-operative Bank necessary for carrying on the day-to-day administration of the Co-operative Bank :

Provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium, or, where no expenditure has been incurred on account of that item in the past, the expenditure on such item exceeds a sum of Rs. 500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the expenditure is incurred.

3. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Co-operative Bank :—

(a) may make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities to the Co-operative Bank by the Government of Assam, Reserve Bank of India or Assam Co-operative Apex Bank Ltd., State Bank of India or any of its subsidiaries or any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;

(b) may operate its accounts with the Assam Co-operative Apex Bank Ltd., or with any other bank for the purpose of making the payments aforesaid :

Provided that nothing in this order shall be deemed to require the Assam Co-operative Apex Bank Ltd. or such other bank to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Co-operative Bank :

(c) may return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons if the Co-operative Bank has no right or title to, or interest in, such bills ;

(d) may release or deliver goods or securities which may be pledged hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft, in the manner and to the extent —

(i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the Co-operative Bank, unconditionally, and

(ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions, or the proportions which were maintained before the order of moratorium came in force, whichever may be higher.

[No. F. 8-17/77-AC]

V. N. BAHADUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1977

क्रा० आ० 3404 :—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा हरदोई उन्नाव ग्रामीण बैंक, हरदोई के अध्यक्ष के रूप में श्री काशी नाथ जलुवैकी की नियुक्ति विषयक भारत सरकार, राजस्व और बैंकिंग विभाग (बैंकिंग पक्ष) की दिनांक 7 जून, 1977 की अधिसूचना सं० एफ० 1-1/77 आर० आर० बी० में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के "31 अक्टूबर, 1977" शर्कों, शशरों और शब्द के स्थान पर "31 दिसम्बर, 1977" शर्क, शशर और शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

[सं० एफ० 1-1/77-आर० आर० बी०]

New Delhi, the 31st October, 1977

S.O. 3404.—In exercise of the powers conferred by section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Department of Revenue & Banking (Banking Wing) No. F. 1-1/77-RRB, dated the 7th June, 1977 relating to the appointment of

Shri Kashi Nath Chaturvedi as the Chairman of the Hardoi-Unnao Gramin Bank, Hardoi, namely :

उक्त अधिसूचना के "31 अक्टूबर, 1977" अंकों, अक्षरों और शब्द के स्थान पर "31 दिसम्बर, 1977" अंक, अक्षर और शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

In the said notification, for the figures, letters and words "31st October, 1977", the figures, letters and words "31st December, 1977" shall be substituted.

[सं० एक० 8-8/77-आर० आर० बी०]

सी० आर बिस्वास, उप सचिव

[No. F. 1-1/77-RRB]

का० आ० 3405 :—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एम्बुद्दारा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, होशंगाबाद के अध्यक्ष के रूप में श्री ए० एम० कोरदे की नियुक्ति विषयक भारत सरकार, राजस्व और बैंकिंग विभाग (बैंकिंग पक्ष) की दिनांक 1 अगस्त, 1977 की अधिसूचना सं० एक० 8-8/77-आर० आर० बी० में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

S.O. 3405.—In exercise of the powers conferred by section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 8-8/77-RRB, dated the 1st August, 1977 relating to the appointment of Shri A. M. Korde, as the Chairman of the Kshetriya Gramin Bank, Hoshangabad, namely :

In the said notification, for the figures, letters and words "31st October, 1977", the figures, letters and words "31st December, 1977" shall be substituted.

[No. F. 8-8-/77-RRB]

C. R. BISWAS, Dy. Secy.

भारतीय रिजर्व बैंक RESERVE BANK OF INDIA

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1977
New Delhi, the 15th October, 1977

का० आ० 3406—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में सितम्बर, 1977 के दिनांक 23 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा
S.O.3406 :—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934 for the week ended the 23rd day of September, 1977.

हस्त विभाग

ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held the Banking Department	15,76,33,000		सोने का सिक्का और बुलियन :— Gold Coin and Bullion (क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,46,000	
संचलन में नोट Notes in circulation	7932,35,33,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	—	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		7948,11,66,000	विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securitiss	1271-73,97,000	
			जोड़ Total		1459,54,43,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		23,41,86,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6465,15,37,000
			देशी विनियम बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities	7948,11,66,000		कुल आस्तियां Total Assets		7948,11,66,000

दिनांक : 28 सितम्बर, 1977
Dated the 28th day of September 1977

आर० के० हजारी द्विप्टी गवर्नर
R. K. HAZARI, Dy. Governor

23 सितम्बर, 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

Statement of the Affair of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 23rd September, 1977

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तियां ASSETS	रुपये Rs.
बुकता पूंजी Capital Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	15,76,33,000
प्रारक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	2,65,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	495,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,18,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	165,00,00,000	खरीदे और सुताये गये बिल Bills Purchased and Discounted :	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	715,00,000,00	(क) देशी ? (a) Internal	123,89,97,000
जमा राशियां :— Deposits :—		(ख) विदेशी (b) External	..
(क) सरकारी (a) Government		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	315,93,40,000
(i) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	163,00,84,000	विदेशों में रखा हुआ धन Balances Held Abroad	2011,53,04,000
(ii) राज्य सरकारें (ii) State Governments	10,02,70,000	निवेश Investments	589,16,35,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और प्रभिमः— Loans and Advances to :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1402,50,56,000	(i) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	—
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	30,35,82,000	(ii) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	258,57,26,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,98,32,000	ऋण और प्रभिम Loans and Advances to :—	
(iv) अन्य बैंक (iv) Other Banks	1,25,42,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	280,14,10,000
(v) अन्य (c) Others	1908,7588,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	334,74,08,000
		(iii) दूसरों को (iii) Others	1,56,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, प्रभिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और प्रभिम :— (a) Loans and Advances to :—	
		(i) राज्य सरकारों को (i) State Governments	98,23,18,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	14,88,99,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(iv) कृषि पुनर्बिस्तार और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	171,60,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,02,11,000

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	प्रास्तियां ASSETS	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable		178,93,19,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	—
अन्य देयताएं Other Liabilities		573,46,51,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	127,04,80,000
			राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन) प्रवर्तन निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
			(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advances to the Development Bank	532,62,69,000
			(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
			अन्य प्रास्तियां Other Assets	916,50,11,000
रुपये Rupees		5800,29,24,000	रुपये Rupees	5800,29,24,000

दिनांक : 28 सितम्बर, 1977
Dated the 28th day of September, 1 977

भार० के० हज़ारी डे० गवर्नर
R.K. HAZARI Dy. Governor
[No. F. 10/2/77-B.O.I.]

का० भा० 3407.—भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुसरण में सितम्बर, 1977 के दिनांक 30 को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा
S.O. 3407.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934 for the week ended the 30th day of September 1977.

इशू विभाग
ISSUE DEPARTMENT

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	रुपये Rs.	प्रास्तियां ASSETS	रुपये Rs.	रुपये Rs.
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट Notes held in the Banking Department	34,85,55,000		मोने का सिक्का और बुलियन— Gold Coin and Bullion		
संचलन में नोट Notes in circulation	7864,00,83,000		(क) भारत में रखा हुआ (a) Held in India	187,80,46,000	
जारी किये गये कुल नोट Total notes issued		7898,86,38,000	(ख) भारत के बाहर रखा हुआ (b) Held outside India	..	
			विदेशी प्रतिभूतियां Foreign Securities	1271,73,97,000	
			जोड़ Total		1459,54,43,000
			रुपये का सिक्का Rupee Coin		24,16,07,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां Government of India Rupee Securities		6415,15,88,000
			देशी विनियम बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र Internal Bills of Exchange and other commercial paper		
कुल देयताएं Total Liabilities		7898,86,38,000	कुल प्रास्तियां Total Assets		7898,86,38,000

दिनांक : 5 अक्टूबर, 1977
Dated the 5th October, 1977.

भार० के० हज़ारी डे० गवर्नर
R. K. HAZARI, Dy. GOVERNOR.

30 सितम्बर, 1977 को भारतीय रिजर्व बैंक के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण
Statement of the Affairs to the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 30th September 1977

व्ययताम LIABILITIES	रुपये Rs.	आस्तितया ASSETS	रुपये Rs.
धूकता पूंजी Capitl Paid up	5,00,00,000	नोट Notes	34,85,55,000
आरक्षित निधि Reserve Fund	150,00,00,000	रुपये का सिक्का Rupee Coin	4,04,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	495,00,00,000	छोटा सिक्का Small Coin	4,60,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि National Agricultural Credit (Stabilization) Fund	165,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल Bills Purchased and Discounted	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	715,00,00,000	(क) देशी (a) Internal	118,32,97,000
जमा राशियाँ :- Deposits :-		(ख) विदेशी (b) External	—
(क) सरकारी (a) Government		(ग) सरकारी खजाना बिल (c) Government Treasury Bills	226,22,43,000
(1) केन्द्रीय सरकार (i) Central Government	179,85,69,000	विदेशों में रखा हुआ बकाया Balances Held Abroad	3023,67,44,000
(2) राज्य सरकारें (ii) State Governments	10,16,53,000	निवेश Investments.	550,73,44,000
(ख) बैंक (b) Banks		ऋण और अग्रिम :- Loans and Advances to :-	
(1) अनुसूचित वाणिज्य बैंक (i) Scheduled Commercial Banks	1376,04,65,000	(1) केन्द्रीय सरकार को (i) Central Government	..
(2) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (ii) Scheduled State Co-operative Banks	27,80,30,000	(2) राज्य सरकारों को (ii) State Governments	284.38,17,000
(3) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक (iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,98,85,000	ऋण और अग्रिम :- Loans and Advances to :-	
(4) अन्य बैंक (iv) Other Banks	1,35,07,000	(1) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को (i) Scheduled Commercial Banks	318,92,81,000
(ग) अन्य (c) Others	1908,85,65,000	(2) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	344,20,02,000
		(3) दूसरों को (iii) Others	1,45,00,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) ऋण और अग्रिम: (a) Loans and Advances to :-	
		(1) राज्य सरकारों को (i) State Governments	98,15,62,000
		(2) राज्य सहकारी बैंकों को (ii) State Co-operative Banks	14,83,99,000
		(3) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को (iii) Central Land Mortgage Banks	..
		(4) कृषि पुनर्निर्माण और विकास निगम को (iv) Agricultural Refinance and Development Corporation	171,60,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	8,02,11,000

देयताएं LIABILITIES	रुपये Rs.	भास्तिताएं ASSETS	रुपये Rs.
देय बिल Bills Payable	175,53,85,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
अन्य देयताएं Other Liabilities	577,25,42,000	राज्य सहकारी बैंक को ऋण और अग्रिम Loans and Advances to State Co-operative Banks	130,52,75,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम (a) Loans and Advance to the Development Bank	535,93,49,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों/डिबेंचरों में निवेश (b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	..
		अन्य आम्निया Other Assets	926,91,58,000
रुपये Rupees	5788,86,01,000	रुपये	5788,86,01,000

दिनांक: 5 अक्टूबर, 1977

Dated the 5th day of October 1977

आर० के० हज़ारी, डे० गवर्नर
R. K. HAZARI, Dy Governor[सं० एफ० 10/2/77-बी०ओ०-I]
[No. F. 10/2/77-B.O.I.]च० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव
C.W. MIRCHANDANI, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली 4 जुलाई 1977

(आय-कर)

क्रा० 3408.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथासंशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 (क्रा० सं० 187/2/77-आई० टी० (ए० 1) तारीख 20 जुलाई, 1974 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करता है:—

क्रम सं० 7 और 7क के सामने स्तंभ (1)(2) और (3) में की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी:—

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
7 कलकत्ता (केन्द्रीय I)	कलकत्ता	केन्द्रीय सर्किल I से XVII तक और XXVI
7 क कलकत्ता (केन्द्रीय II)	कलकत्ता	1 केन्द्रीय सर्किल XVII से XXV और XXVII से XXXIII 2. केन्द्रीय सर्किल, कटक

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1977 से प्रभावी होगी।

[सं० 1858/क्रा० सं० 187/4/77-आई० टी० (ए1)]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 4th July, 1977

(INCOME TAX)

S. O.3408:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 (F. No 187/2/74-II /AI) dated the 20th July, 1974, as amended from time to time:—

Existing entries under Columns (1), (2) and (3) against S. Nos. 7 and 7A shall be substituted by the following entries:—

Income-tax Commissioners	Headquarters	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
7. Calcutta (Central I)	Calcutta	Central Circles I to XVII and XXVI.
7A. Calcutta (Central-II)	Calcutta	1. Central Circles XVIII to XXV and XXVII to XXXIII. 2. Central Circle, Cuttack.

This Notification shall take effect from the 4th July, 1977.
[No. 1858/F. No. 187/4/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1977

क्रा० 3409—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० 1112 (क्रा० सं० 191/23/76 आई० टी० (ए-1) तारीख 29-7-76 में निम्नलिखित संशोधन करना है,

स्तम्भ 3 के अधीन विद्यमान प्रविष्टियों के सामने निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

21. गाजीपुर

[सं० 1919/क्रा० सं० 189/11/77 आई० टी० सं 1]]

New Delhi, the 4th August, 1977

(INCOME-TAX)

S.O. 3409.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the notification No. 1412 (F. No. 191/23/76-IT(AI)) dated 29-7-76 as amended from time to time

Against the existing entries under Col. 3 the following shall be added.

21. Ghazipur.

[No. 1919/F. No. 189/11/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 12 अगस्त, 1977

(आय-कर)

क्रा० आ० 3410.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा संशोधित अप्रति अधिसूचना सं० 1393 (क्रा० सं० 187/2/74-आई० टी० ए० 1) तारीख 14-7-1976 से उपायय अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करना है,

क्रा० सं० 1 और 1-क के सामने स्तम्भ (1), (2) और (3) के नीचे की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात्:—

आय-कर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
"1. अमृतसर	अमृतसर	1. जिला-i, अमृतसर 2. जिला-ii, अमृतसर 3. केन्द्रीय मकिल अमृतसर 4. संपदा - शुल्क एवं आय-कर मकिल, अमृतसर 5. गुरुदासपुर 6. पठानकोट 7. श्रीनगर 8. संपदा-शुल्क एवं आय-कर मकिल श्रीनगर 9. जम्मू 10. बटाला

1	2	3
1-क जलंधर	जलंधर	1. जिला-ii, जलंधर 2. जिला ii, जलंधर 3. संपदा-शुल्क एवं आय-कर मकिल जलंधर 4. होशियारपुर 5. फागवाड़ा 6. भटिन्डा 7. फीरोज पुर 8. मोगा 9. अबोहर"

यह अधिसूचना 16-8-1977 से प्रभावी होगी।

[सं० 1929/क्रा० सं० 191/48/76-आई० टी० (ए. आई)]

New Delhi, the 12th August, 1977

(INCOME-TAX)

S. O. 3410.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 21 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its notification No. 1393 (F. No. 187/2/74-IT(AI)) dated 14-7-76 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against S. Nos. 1 & 1-A shall be substituted by the following entries:—

Income-tax Commissioners	Headquarters Jurisdiction	
1. Amritsar	Amritsar	1. Distt. I, Amritsar. 2. Distt. II, Amritsar. 3. Central Circle, Amritsar. 4. Estate Duty-Cum Income-tax Circle, Amritsar. 5. Gurdaspur. 6. Pathankot. 7. Srinagar. 8. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Srinagar. 9. Jammu. 10. Batala.
1-A Jullundur	Jullundur	1. Distt. I, Jullundur. 2. Distt. II, Jullundur. 3. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Jullundur. 4. Hoshiarpur. 5. Phagwara. 6. Bhatinda. 7. Ferozepore. 8. Moga. 9. Abohar.

This notification shall take effect from 16-8-1977.

[No 1929/F Go 191/48/76-IT (AI)]

का० आ० 3411.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं० 1412 (फा० सं० 191/23/76-आईटी० ए० 1) (मारीख 29-7-1976) में निम्नलिखित संशोधन करता है।

अम सं० 14 के सामने स्तंभ 1, 2 और 3 के नीचे की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्:—

आयकर आयुक्त	मुख्यालय	अधिकारिता
(1)	(2)	(3)
"इलाहाबाद	इलाहाबाद	1. इलाहाबाद 2. संपदा-भुक्त एवं आय- कर सर्किल, इलाहाबाद 3. मुल्तानपुर 4. फ़ैजाबाद 5. फ़तेहपुर 6. बांदा 7. गोरखपुर 8. बस्ती 9. गोंडा 10. बहराइच 11. आजमगढ़ 12. बलिया 13. देवरिया 14. वाराणसी 15. मिर्जापुर 16. जौनपुर 17. गाजीपुर"

यह अधिसूचना 16 अगस्त 1977 में प्रभावी होगी।

[सं० 1931/फा० सं० 189/22/77-आई०टी० (ए० I)]

S. O. 3411.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendments to the Notification No. 1412 (F. No. 171/23/76-II(AT) dated 29-7-1976 as amended from time to time.

Existing entries under Columns 1, 2 and 3 against Serial No. 14A shall be substituted by the following entries:—

Commissioners of Income-tax	Headquar- ters	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)
"Allahabad	Allahabad	1. Allahabad. 2. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Allahabad. 3. Sultanpur. 4. Faizabad. 5. Fatehpur. 6. Banda. 7. Gorakhpur.

1	2	3
		8. Basti. 9. Gonda. 10. Baharaich. 11. Azamgarh. 12. Ballia. 13. Deoria. 14. Varanasi. 15. Mirzapur. 16. Jaunpur. 17. Ghazipur."

This notification shall take effect from 16th August, 1977

[No. 1931 No. F. No. 189/22/77-IT(AI)]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1977

आयकर

का० आ० 3412.—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी अधिसूचना संख्या 1930 और 1931 मारीख 12 अगस्त, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

"यह अधिसूचना 16 अगस्त, 1977 को प्रभावी होगी"

के स्थान पर

"यह अधिसूचना 1-9-1977 को प्रभावी होगी"

पढ़ें।

[सं० 1956/एफ० सं० 189/22/77-आई०टी० (ए० I)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

(CORRIGENDUM)

New Delhi, the 31st August, 1977

INCOME-TAX

S.O. 3412.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment to its notification No. 1930 and 1931 dated 12th August, 1977.

For

This notification shall take effect from 16th August, 1977.

Read

This notification shall take effect from 1-9-1977.

[No. 1946 F. No. 189/22/77-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जुलाई 1977

आय-कर

का० आ० 3413.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने निम्नलिखित संख्या को आय कर अधिनियम की धारा 35घ की उपधारा (2) के खण्ड (क) के प्रयोजनों के लिए—

(क) प्रौद्योगिकी परामर्श और (ख) इंजीनियरी परामर्श के क्षेत्र में अनुमोदित किया है।

संस्था

'गोयल कंसल्टेन्ट्स एण्ड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड बंगलौर'

[सं० 1891/फा० सं० 203/151/76-आ० क० (ए० 1)]

जे० पी० शर्मा, सचिव

New Delhi, the 25th July, 1977

INCOME-TAX

S.O. 3413.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Central Board of Direct Taxes for the purposes of clause (a) of sub-section (2) of Section 35D of the Income-tax Act, 1961, in the fields of (a) Technology consultancy and (b) Engineering consultancy only.

INSTITUTION

Gohel Consultants and Engineers Pvt. Ltd., Bangalore.
The approval takes effect from 1st April, 1977.

[No. 1891 F. No. 203/151/76-ITA.II]

J. P. SHARMA, Secy.

(अध्यक्ष विभाग)

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1977

क्र० आ० 3414.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) (नौवां संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 में (जिन्हें हमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है, नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“6 : असंतोषप्रद सेवा के लिए पेंशन की राशि में कमी।

(1) यदि सेवा-निवृत्त की तारीख से पूर्व सरकारी सेवा द्वारा की गई सेवा संतोषप्रद नहीं रही हो तो नियुक्ति प्राधिकारी पेंशन, या उपदान, या दोनों की रकम में, जैसा वह प्राधिकारी उचित समझे, कमी कर सकता है : परन्तु नियुक्ति प्राधिकारी इस उप-नियम के अधीन आदेश पारित करने से पहले संबंधित व्यक्ति पर सूचना तामील करेगा या कराएगा और उसमें सरकार के अधीन की गई असंतोषप्रद सेवा के कारण ऐसी रकम में की जाने वाली प्रस्तावित कमी विनिर्दिष्ट की जाएगी और ऐसे सरकारी कर्मचारी को सूचना पाने की तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर या ऐसे और अधिक समय के भीतर जो उस प्राधिकारी द्वारा अनुमान किया जाए, ऐसा अभ्यावेदन, जैसा कि संबंधित व्यक्ति प्रस्तावित आदेश के विरुद्ध वेना चाहे, मांगेगा और अभ्यावेदन पर, यदि कोई ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया गया हो तो, आदेश करने से पहले विचार करेगा : परन्तु यह और कि पेंशन की रकम में नियम 49 के उप-नियम (5) में विनिर्दिष्ट सीमा से नीचे कमी नहीं की जाएगी।

(2) (क) नियुक्ति प्राधिकारी किसी अधीनस्थ प्राधिकारी को इस बात का निर्णय लेने के लिए शक्ति प्रत्योजित कर सकता है कि सरकारी सेवक द्वारा की गई सेवा संतोषप्रद है और इसलिए पेंशन, या उपदान, या दोनों की रकम में कोई कमी करने की आवश्यकता नहीं है।

(ख) सरकारी सेवकों की किसी श्रेणी अथवा श्रेणियों के संबंध में, जो ऐसे अधीनस्थ प्राधिकारी के अधीनस्थ हों, खण्ड (क) के अन्तर्गत शक्ति प्रत्यायोजित की जाएगी ?

(ग) खण्ड (क) के अन्तर्गत प्रत्यायोजित शक्ति में, पेंशन, या उपदान या दोनों, की रकम में कमी करने संबंधी आदेश देने का प्राधिकार नहीं होगा और वह नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी में निहित रहेगा।

(3) उप-नियम (1) तथा उपनियम (2) के प्रयोजनों के लिए, 'नियुक्ति प्राधिकारी' से ऐसा प्राधिकारी अभिप्रेत है जो उस सेवा या पद पर नियुक्तियां करने के लिए सक्षम हो जिससे सरकारी सेवक सेवा-निवृत्त होता है।

(4) (क) उपनियम (1) में निर्दिष्ट कमी मर्यादा प्रकृति की होगी।

(ख) पेंशन की रकम में उस विस्तार तक कमी की जाएगी जहां तक सरकारी सेवक की सेवा कुल मिलाकर संतोषप्रद स्तर की नहीं रही है और कमी की रकम की तुलना उस हानि की रकम से करने का प्रयास नहीं किया जाएगा जो सरकार को हुई हो।

(5) पेंशन प्राधिकृत किए जाने के पश्चात् इन नियमों के अधीन मंजूर की गई पेंशन कम नहीं की जाएगी भले ही नियुक्ति प्राधिकारी के ध्यान में इस बात के प्रमाण भी आजाए कि सेवा समोपजनक नहीं रही है।

(6) जब कभी सरकारी सेवक के मामले में राष्ट्रपति इन नियमों के अधीन स्वीकार्य अधिकतम से कम पेंशन जिसमें उपदान भी है, दिए जाने का कोई आदेश (चाहे वह मूल आदेश हो या अपील आदेश) पारित करता है, तब ऐसा आदेश पारित करने से पूर्व संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

(7) इन नियमों की कोई भी बात निम्नलिखित बशर्तों में लागू नहीं होगी:—

(क) जहां पेंशन का कोई भाग रोक लिया गया है या जिसके बारे में यह आदेश किया गया हो कि उसे नियम 9 के अधीन वसूल किया जाए, अथवा

(ख) जहां नियम 40 के अधीन पेंशन का कोई भाग कम कर दिया गया है, अथवा

(ग) जहां मुख्य-मह-सेवा निवृत्त उपदान नियम 50 के उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के अधीन स्वीकार्य है और परिवार पेंशन नियम 54 या नियम 55 के अधीन स्वीकार्य है, अथवा

(घ) जहां दंड के परिणाम-स्वरूप कोई वसूली करनी है।”

3. उक्त नियमों में, प्रारूप 6 के स्थान पर निम्नलिखित प्रारूप रखा जाएगा, अर्थात्:

“प्रारूप 6

[नियम 60(1), 63(3), 69 और 73(7) देखिए]

पेंशन की राशियों में कमी करने या कमी न करने की संसूचना देने वाले आदेश का प्रारूप

1. सरकारी सेवक का नाम

2. पिता का नाम (और यदि सरकारी सेवक स्त्री है तो उसके पति का नाम)

3. स्थापन के नाम के साथ वर्तमान अथवा अन्तिम नियुक्ति,

(i) अभिष्टायी

(ii) स्वतन्त्रतापत्र, यदि कोई हो

4. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम के नियम 6 के अनुसार संबंधित प्राधिकारी का आदेश

अधोहस्ताक्षरी अपना यह समाधान करने के पश्चात् कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....की सेवा संतोषप्रद रही है, यह आदेश देता है कि पेंशन/मुत्तु-सह-सेवा-निवृत्त/सेवा उपदान की राशि में, जो केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अधीन निर्धारित की जाए, कोई कमी नहीं की जाएगी।

*नियुक्ति प्राधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम

प्राधिकारी जिसको केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 6 के उप-नियम 2 के अधीन शक्ति प्रत्यायोजित की गई है।

*जो लागू नहीं है, उसे काट दी जाए

या

अधोहस्ताक्षरी अपना यह समाधान करने के पश्चात् कि श्री/श्रीमती/कुमारी.....की सेवा संतोषप्रद नहीं रही है, यह आदेश देता है कि पूरी पेंशन, या उपदान, या दोनों से जो केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के अधीन निर्धारित की जाए, निम्न-लिखित विनिर्दिष्ट रकम या प्रतिशत रकम कम कर दी जाएगी:—

पेंशन में से कम की गई रकम.....

उपदान में से कम की गई रकम.....

नियुक्ति प्राधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम"

[सं. फा० 11(6) संस्था V (क)/76]

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 27th September, 1977

S.O. 3414.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to the persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Ninth Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 6 the following rule shall be substituted, namely :—

"6. Reduction in the amount of pension for unsatisfactory service.

- (1) If the service rendered by a Government servant prior to the date of his retirement has not been satisfactory, the appointing authority may by order make reduction in the amount of pension, or gratuity, or both, as that authority may think proper :

Provided that the appointing authority shall, before passing an order under this sub-rule serve or cause to be served a notice upon the person concerned specifying the reduction proposed to be made in such amount on account of his unsatisfactory service under Government and call upon such person to submit, within fifteen days of the receipt of the notice or such further time as may be allowed by that authority, such representation as the person concerned may wish to make against the proposed order and take into consideration the representation, if any, submitted by such person before passing such order :

Provided further that the amount of pension shall not be reduced below the limit specified in sub-rule (5) of rule 49.

- (2) (a) The appointing authority may delegate power to a subordinate authority for deciding if the service rendered by a Government servant has been satisfactory and, therefore, no reduction in the amount of pension, or gratuity, or both is called for.
- (b) The power under clause (a) shall be delegated in respect of a category or categories of Government servants who may be subordinate to such subordinate authority.
- (c) The delegation of power under clause (a) shall not carry with it the authority to order reduction in the amount of pension or gratuity, or both, which shall continue to vest in the appointing authority.
- (3) For the purpose of sub-rule (1) and sub-rule (2) the expression 'appointing authority' shall mean the authority which is competent to make appointments to the service or post from which Government servant retires.
- (4) (a) The reduction referred to in sub-rule (1) shall be of a permanent character.
- (b) The measure of reduction in the amount of pension shall be to the extent by which the Government servant's service as a whole has failed to reach a satisfactory standard and no attempt shall be made to equate the amount of reduction with the amount of loss caused to the Government.
- (5) The pension authorized under these rules shall not be reduced although proof of the service having been not satisfactory may come to the notice of the appointing authority subsequent to the authorization of pension.
- (6) Whenever in the case of a Government servant the President passes an order (whether original or appellate) awarding a pension including gratuity less than the maximum admissible under these rules, the Union Public Service Commission shall be consulted before the order is passed.
- (7) Nothing in this rule shall apply —
- (a) where a part of pension has been withheld or ordered to be recovered under rule 9 ; or
- (b) where a part of pension has been reduced under rule 40 ; or
- (c) where death-cum-retirement gratuity is admissible under clause (b) of sub-rule (1) of rule 50 and Family pension is admissible under rule 54 or rule 55 ; or
- (d) to effect any recovery which has the result of punishment."

3. In the said rules, for Form 6, the following Form shall be substituted, namely :—

"FORM 6

[See rules 60(1), 63(3), 69 and 73(7)]

FORM OF ORDER INTIMATING REDUCTION OR NO REDUCTION IN THE AMOUNT OF PENSION

1. Name of the Government servant.
2. Father's name (and also husbands name in case of female Government servant)
3. Present or last appointment including name of establishment—
 - (i) Substantive.
 - (ii) Officiating, if any.

4. Orders of the authority concerned in terms of rule 6 of the CCS (Pension) Rules.

The undersigned having satisfied himself that the service of Shri/Shrimati/Kumari has been satisfactory, hereby orders that no reduction in the amount of pension/death-cum-retirement gratuity/service which may be determined under the CCS (Pension) Rules, 1972, shall be made.

Signature and Designation of
*Appointing Authority

Authority to whom power
has been delegated under
sub-rule (2) of rule 6
of the CCS (Pension) Rules,
1972.

*Delete whichever is not applicable.

OR

The undersigned having satisfied himself that the service of Shri/Shrimati/Kumari has not been satisfactory hereby orders that the full pension or gratuity or both which may be determined under the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, shall be reduced by the specified amount or percentage indicated below :—

Amount of reduction in the pension.....

Amount of reduction in the gratuity.....

Signature and Designation of the Appointing Authority".

[No. F. 11(6)-EV(A)/76]

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1977

का० प्रा० 3415.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 209 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा विभागों में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) पांचवा संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. साधारण भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 के नियम 11 क के अधीन टिप्पणी 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"टिप्पण 3 : इस नियम के अधीन बोनस उस समय अनुज्ञेय होगा जब कोई अभिदाता सिवाय उस अन्य अवधि में जिसमें अभिदाय नियमों के अधीन अस्थायी रूप से निलम्बित हो जाता है, जैसा छुट्टी पर रहने पर या निलम्बनाधीन रहने पर पूरे वर्ष तक, निधि में अभिदाय करता रहे तो अभिदाता की सेवा के प्रथम वर्ष और अन्तिम वर्ष के प्रयोजनों के लिए यथास्थिति, नियुक्ति की तारीख से वर्ष के अंत की अवधि या वर्ष के आरम्भ से सेवा छोड़ने की तारीख तक की अवधि को पूरा वर्ष माना जाएगा।"

[सं० एफ 13(4) ई० बी० (बी)/77-के० म० नि०]

New Delhi, the 18th October, 1977

S.O. 3415.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller

and Auditor-General of India in relation to persons employed in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Central Services) Fifth Amendment Rules, 1977.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1975.

2. For Note 3 under rule 11-A of the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, the following shall be substituted, namely :—

"Note—3 : The bonus under this rule shall be admissible when a subscriber subscribes to the fund during full year except when the rule permit temporary suspension of subscription for a short period, e.g. while on leave or under suspension. For the purposes of the first and last year of a subscriber's service, the period from the date of appointment to the end of the year or, as the case may be, from the date of commencement of the year to the date of quitting service, shall be deemed to be a full year."

EXPLANATORY MEMORANDUM

Note under rule 11-A of the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960, is being amended with retrospective effect from the date it came into force i.e. the 1st April, 1975. It has been found that, without this amendment, beneficiaries of this rule would not get the benefit in the first year and the last year of their service. Hence this amendment. No officer is likely to be adversely affected by this amendment being given retrospective effect from the 1st April, 1975.

[No. F. 13(4)-EV(B)/77-GPF]

का० प्रा० 3416.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा और लेखा परीक्षा विभागों में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम अभिदायी भविष्य निधि (भारत) पांचवा संशोधन नियम, 1977 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. अभिदायी भविष्य निधि (भारत) नियम, 1962 के नियम 12 क के अधीन टिप्पण 3 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"टिप्पण 3. इस नियम के अधीन बोनस उस समय अनुज्ञेय होगा जब कोई अभिदाता सिवाय उस अन्य अवधि में जिसमें अभिदाय नियमों के अधीन अस्थायी रूप से निलम्बित हो जाता है, जैसे छुट्टी पर रहने पर या निलम्बनाधीन रहने पर, पूरे वर्ष तक निधि में अभिदाय करता रहे तो अभिदाता की सेवा के प्रथम वर्ष और अन्तिम वर्ष के प्रयोजनों के लिए यथास्थिति, नियुक्ति की तारीख से वर्ष के अंत का अवधि या वर्ष के आरम्भ से सेवा छोड़ने की तारीख तक की अवधि को पूरा वर्ष माना जाएगा।"

[सं० एफ० 13(4) ई० बी० (बी)/77-के० म० नि०]

एस० एम० एम० मन्होत्रा, अवर सचिव

S.O. 3416.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons employed in the Indian Audit and Accounts Department,

hereby makes the following rules further to amend the Contributory Provident Fund Rules (India), 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Contributory Provident Fund (India) Fifth Amendment Rules, 1977.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st April, 1975.

2. For Note 3 under rule 12-A of the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, the following shall be substituted, namely:—

“Note-3 : The bonus under this rule shall be admissible when a subscriber subscribes to the fund during full year except when the rules permit temporary suspension of subscription for a short period, e.g. while on leave or under suspension. For the purposes of the first and last year of a subscriber's service, the period from the date of appointment to the end of the year or, as the case may be, from the date of commencement of the year to the date of quitting service, shall be deemed to be a full year.”

EXPLANATORY MEMORANDUM

Note 3 under rules 12-A of the Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962, is being amended with retrospective effect from the date it came into force i.e. 1st April, 1975. It has been found that, without this amendment, beneficiaries of this rule would not get the benefit in the first year and the last year of their service. Hence this amendment. No officer is likely to be adversely affected by this amendment being given retrospective effect from the 1st April, 1975.

[No. F. 13(4)-EV (B)/77-CPF]

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

केंद्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय, कलकत्ता

कलकत्ता, 30 सितम्बर, 1977

क. आ. 3417.—केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा समाहर्तालय की अधिसूचना सं. 1/77 दिनांक 24/1/77 का अधिक्रमण करते हुए मैं इसके द्वारा केंद्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता के सहायक समाहर्ताओं का दिनांक 1-4-77 या उसके बाद भांडागारित फ्लू क्यूर्ड तम्बाकू के संबंध में नियम 145 (बही) के अधीन भांडागारण की 2 वर्ष की सामान्य अवधि के अतिरिक्त केवल एक वर्ष का और समय बढ़ाने की समाहर्ता की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

[अधिसूचना सं 3/1977 सी. सं. 4(4)-सीई/77/पी.आई. 8812-डी.]

बी. एन. रंगवानी, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th September, 1977

S.O. 3417.—In exercise of the powers conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the Collectorate—Notification No. 1/77 dated 24-1-77, I hereby authorise the Assistant Collectors of Central Excise, Calcutta Collectorate to exercise the powers of the Collector under Rule 145 ibid to grant extension upto 1 (One) year only beyond the normal warehousing period of 2 years in respect of flue cured tobacco, warehoused on or after 1-4-1977.

[Notification No. 3/1977 C. No. IV(4) 4-CE/77/P.I. 8812-D]

B. N. RANGWANI, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1977

क। आ. 3418.—राष्ट्रपति, भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण की संख्या अन्तर्निवेशावली के नियम 59 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री पी. एम. एस. मलिक, निदेशक, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली को 20-9-1977 से भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के अंश कालिक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

[सं. 7/77(1/1/77 टी.एफ.ए.)]

पी. एम. एस. मलिक, निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 3rd October, 1977

S.O. 3418.—In exercise of powers conferred under Article 59(2) of the Article of the Association of the Trade Fair Authority of India, the President is pleased to appoint Shri P. M. S. Malik, Director, Ministry of Commerce, New Delhi as part-time Director of the Trade Fair Authority of India with effect from 20-9-1977.

[No. 7/77(1/77-TF)]

P. M. S. MALIK, Director.

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

गांधी नगर, बंगलौर-9

आदेश

बंगलौर, 12 अगस्त, 1977

क। आ. 3419.—सर्वश्री अपोलो ऑप्टिकल इण्डस्ट्रीज, 15 सेकण्ड क्रॉस, राम महोन्न पुरम बंगलौर, 21 को अप्रैल-मार्च 76 की नीति के अनुसार सी.एन. शीट्स के आयात के लिए 10,000/रुपए का आयात लाइसेंस संख्या पी/एस/1834323/सी/एक्स एक्स/57/एक्स/41-42, दिनांक 29-12-75 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर निवेदन किया है कि उनसे मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति बिना उपयोग किए अस्थानस्थ हो गयी है और अब अनुलिपि प्रति पूर्ण मूल्य अर्थात् 10,000रु/रुप के लिए चाहिए।

उपर्युक्त तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। मैं इस बात से तृप्त हूँ कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एम्बेडिंग रद्द की जानी है।

[संख्या आई. टी. सी. /एस. एस. आई. /सी-625/ए. एस-76/एन. मो.]

आर. जयगम नायडू, उप-मुख्य नियंत्रक

Office of the Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Gandhinagar, Bangalore-9

ORDER

Bangalore, the 12th August, 1977

S.O. 3419.—M/s. Apollo Optical Industries, 15, Second Cross, Ramamahapuram, Bangalore-21 were granted import license No. P/S/1834323/C/XX/57/X/41-42, dated 29-12-75 for Rs. 10,000 for import of C. N. Sheets as per AM 76 policy. They have now applied for duplicate copy of Exchange control purposes copy of the above licence on the ground that the original Exchange control purposes copy

of the licence has been misplaced without having been utilised at all and that the duplicate copy of the licence now required is for the full value of the licence, namely, Rs. 10,000.

In support of the above contention the applicant has filed an affidavit. I am satisfied that the original Exchange control purposes copy of the licence has been misplaced and direct that a duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is hereby cancelled.

[No. ITC/SSI/C. 625/AM 76/NC]

R. JAYARAM NAIDU, Dy. Chief Controller

मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली

रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1977

क्रा० आ० 3420.—भारत में सांख्यिक समाजवादी गणतन्त्र संघ के व्यापार प्रतिनिधि मण्डल को पुनः निर्यात के आधार पर परीक्षण और प्रदर्शन प्रयोजन के लिए एक एग्रीकल्चरल हार्वेस्टर कम्बाइन एन० आई० वी० ए० माइल एम० के-5/एम०के०पी०-1 का आयात करने के लिए, 3,14,000/रुपए के लिए एक सीमा-शुल्क निकासी परमिट संख्या पी०/जे० 3053/13 एन० एम० एन०/56/एच/41-42, दिनांक 22-8-75 मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय से प्रदान किया गया था। उन्होंने इस कार्यालय को सूचना दी है कि उपर्युक्त सीमाशुल्क निकासी परमिट सीमा शुल्क समाहर्ता, बम्बई के पास पंजीकृत कराने के बाद और 1,57,000 रुपए के लिए आंशिक रूप में उपयोग करने के पश्चात् खो गया था अस्थानस्थ हो गया है। उन्होंने बताना किया है कि यदि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट बाद में मिल गया तो जारी करने वाले प्राधिकारी को लौटा देंगे। इस संबंध में उन्होंने माध्य के रूप में स्टाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है।

अधोहस्ताक्षरी उपर्युक्त शपथ-पत्र की विषय वस्तु से संतुष्ट होने पर कि सीमा-शुल्क निकासी परमिट अस्तित्व में खो गया/या अस्थानस्थ हो गया है, सीमा शुल्क निकासी परमिट संख्या पी०/जे० 3053013/एन/एम० एन०/56/एच० 41-42, दिनांक 22-8-75 को रद्द करने और मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट के बदले में अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आदेश देता है।

[संख्या 2/2/75-76/एम०एल०-1/651]

Office of the Chief Controller of Imports and Exports

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 17th October, 1977

S.O. 3420.—The Trade Representation of the U.S.S.R. in India, New Delhi were granted a C.C.P. No. P/J/3053013/N/MN/56/H/4142 dated 22-8-75 for Rs. 3,14,000 for import of one Agricultural Harvester Combine NIVA Model SK-5/SKP-4 on re-export basis for testing and demonstration purpose from the office of the C.C.I. & E., New Delhi. Licensee has now informed this office that the above mentioned C.C.P. has been lost or misplaced after having been registered with the Collector of Customs, BOMBAY and utilised partly for Rs 1,57,000. They have also undertaken to return the original C.C.P. to this office if traced later on. In this connection they have furnished an Affidavit on Stamp paper as required under the rules.

The undersigned is satisfied that the C.C.P. has been actually lost or misplaced & orders for cancellation of the original C.C.P. No. P/J/3053013/N/MN/56/H/41-42 dated 22-8-1975 and issue of duplicate copy thereof, in lieu of the original C.C.P.

[No. 2/2/75-76/ML-I/651]

रद्द करने का आदेश

क्रा० आ० 3421.—सर्वश्री बालाजी टूरिस्ट, 85 माउंट रोड, तयन-मपेट, मद्रास-600018 को पर्यटन टैक्सियों के फालतू पुर्जों के आयात के लिए जारी की जाने वाली तारीख से 12 मास तक वैध अवधि के लिए 6000/- रुपए की लागत सीमा-भाड़ा मूल्य के लिए एक आयात लाइसेंस संख्या पी०/ए/1400398/सी/एक्सएम्स, दिनांक 15-6-74 प्रदान किया गया था। अब पार्टी ने पूर्वांक आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उनसे मूल प्रति खो गई है। पार्टी ने आयात व्यापार नियंत्रण नियमों के अनुसार आवश्यक शपथ-पत्र भेजा है जिसके अनुसार उक्त लाइसेंस मद्रास सीमा शुल्क सदन के पास पंजीकृत कराया गया था और आंशिक रूप में उपयोग में लाया गया था और लाइसेंस के मूले 2828/- रुपए की धनराशि शेष है। शपथ-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि यदि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति मिल जाएगी अथवा पायी जाएगी तो वह जारी करने वाले प्राधिकारी को वापस कर दी जाएगी। मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देता हूँ कि आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की एक अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। आयात लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एन० द्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या 12/402/74-75/एमएल-1/652]

एम० जी० गोम्बर, उप-मुख्य निर्यातक,
नूतन मुख्य निर्यातक

CANCELLATION ORDER

S.O. 3421.—M/s. Balaji Tourists, 85, Mount Road, Teyanampet, Madras-600018 were granted an Import Licence No. P/A/1400398/C/XX dated 15-6-74 for a C.I.F. value of Rs. 6000 for import of spare parts for Tourist Taxis valid for 12 months from the date of issue. Now the party have applied for grant of a Duplicate Customs Purpose copy of the aforesaid import licence on the ground that the original one has been lost by them. The party have furnished necessary affidavit as per I.T.C. Rules according to which the aforesaid Import licence was registered with Madras Customs House and was utilised partly and the balance against the licence is Rs. 2828. It has also been incorporated in the affidavit that if the said Customs Purpose Copy of the import licence is traced or found later on, it will be returned to issuing authority. I am satisfied that the original Customs Purpose Copy of the Import Licence has been lost and direct that a duplicate Customs Purpose Copy of the import licence should be issued to the applicant. The original Customs Purpose copy of the import licence is hereby cancelled.

[File No. 12/402/74-75/ML-I/652]

M. G. GOMBER, Dy. Chief Controller,
for Chief Controller

आदेश

क्रा० आ० 3422.—सर्वश्री बालपहार रिक्रीवीज लि० डाकखाना बालपहार, जिला मम्बलपुर (उड़ीसा) को केवल फालतू पुर्जों का आयात करने के लिए 75,000/- रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०/जी/2186991/सी/एक्सएम्स/41/एच/33-34, दिनांक 24-12-71 प्रदान किया गया था।

2. कर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति उनके बैंकों द्वारा खो दी गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह भी सूचित किया गया है कि लाइसेंस में 26,770.49 रुपए अप्रयुक्त बाकी है। लाइसेंस कलकत्ता पत्तन पर पंजीकृत था।

3. अपने तर्कों के समर्थन में, आवेदक ने एक शपथ पत्र वांछित किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या पी०/जी/2186991, दिनांक 24-12-71 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो

गई है और निवेश देता है कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एनडू द्वारा रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या पोटर/22 (1)/71-72/आरएम-2/857]

ORDER

S.O. 3422.—M/s. Belpahar Refractories Ltd., P.O. Belpahar, Distt. Sambalpur (Orissa) were granted import licence No. P/D/2186991/C/XX/41/H/33-34 dated 24-12-71 for Rs. 75,000/- only for the import of spare parts.

2. The firm have requested for issue of duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost by their bankers. It has further reported by the licensee that the licence has an un-utilized balance of Rs. 26,770.49. The licence was registered at Calcutta Port.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of the import licence No. P/D/2186991 dated 24-12-71 has been lost and directs that a Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is hereby cancelled.

4. The Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Pottery/22(1)/71-72/RM-II/857]

आदेश

क्र० आ० 3423.—सर्वश्री बालपहार रिफ्रेक्ट्रीज लि० शकश्याता बालपहार, जिला सम्बलपुर (उड़ीसा) को केवल फालतू पुर्जों का आयात करने के लिए 75,000/-रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2022335/सी/एक्स एक्स/38/एच/31-32/रिफ्रेक्ट्री, दिनांक 11-2-1971 प्रदान किया गया था।

2. फर्म ने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति उनके बैंकरो द्वारा खो दी गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे यह भी सूचित किया गया है कि लाइसेंस में 2,118.06 रुपए अप्रयुक्त शेष है। लाइसेंस कलकत्ता पत्तन पर पंजीकृत था।

3. अपने तर्कों के समर्थन में, आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि आयात लाइसेंस पी/डी/2022335, दिनांक 11-2-1971 को मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति एनडू द्वारा रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या रिफ्रेक्ट्री/6 (3)/70-71/आर० एम०-2/856]

राजिन्दर सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक,
कूने मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 3423.—M/s. Belpahar Refractories Ltd., P.O. Belpahar, Distt. Sambalpur (Orissa) were granted Import licence No. P/D/2022335/C/XX/38/H/31-32/Refractory, dated 11-2-1971 under G.C.A, for Rs. 75,000/- only for import of spare parts,

2. The firm have requested for issue of duplicate Exchange Control Purposes Copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control Purposes Copy has been lost by their bankers. It has further reported by the licensee that the licence had an un-utilized balance of Rs. 2,118.06. The licence was registered at Calcutta Port.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Exchange Control Purposes Copy of the Import Licence No. P/D/2022335 dated 11-2-1971 has been lost and directs that a Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Purposes Copy of the licence is hereby cancelled.

4. The Duplicate Exchange Control Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Refractory/6(3)/70-71/RM-II/856]

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1977

क्र० आ० 3424.—सर्वश्री अलेम्बिक केमिकल वर्क्स क० लि० बड़ौदा को सामान्य मुद्रा क्षेत्र में औद्योगिक और रसायनों के विनिर्माण के लिए फालतू पुर्जों के आयात के लिए 2,33,300.00 रुपए के लिए लाइसेंस संख्या पी/डी/1419495, दिनांक 30-6-1976 प्रदान किया गया था। उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सम्बन्धित सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति 55,996/- रुपए का उपयोग करने के पश्चात् खो गई थी और वरत सीमा-शुल्क समायोजन, बम्बई के पास पंजीकृत की गई थी।

2. अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/1419495, दिनांक 30-6-76 की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेश देता है कि उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति उनको जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या सीएच/ए-57 (1)/एम-76/आरएम-3/852]

ए० के० शर्मा, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 4th October, 1977

S.O. 3424.—M/s. Alembic Chemical Works Company Limited, Baroda, were granted licence No. P/D/1419495 dated 30-6-1976 for import of spare parts for manufacture of Pharmaceuticals and Chemicals for Rs. 2,33,300/- from G.C.A. They have requested for issue of a duplicate Customs Purposes copy of the licence on the ground that the original Customs Purposes copy of the licence has been lost. It has further been stated that the Customs Purposes copy of the licence in question was lost after utilising Rs. 55,996/- and that the same had been registered with the Collector of Customs, Bombay.

2. In support of their contention, the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes copy of Licence No. P/D/1419495 dated 30-6-1976 has been lost and directs that duplicate Customs Purposes copy of the said licence should be issued to them. The original Customs Purposes copy of the licence is cancelled.

[Ref. No. Ch/A-57(1)/A.M. 76/R.M. 3/852]

A. K. SHARMA, Dy. Chief Controller

प्रादेश

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1977

क्रा० प्रा० 3425.—सर्वश्री कायलटेक् इण्डिया प्रा० लि०, कानपुर को एम० एक० सी० ऋण के अन्तर्गत पूंजीगत माल के आयात के लिए 8,85,272/- रुपए (आठ लाख पच्चासी हजार दो सौ बड़तर रुपए मात्र) के लिए एक आयात लाइसेंस पी/सीजी/2071656, दिनांक 23-5-77 प्रदान किया गया था। फर्म ने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत नहीं थी और इसी कारण से सीमा-शुल्क-प्रयोजन प्रति को बिल्कुल ही उपयोग में नहीं लाया गया।

2. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पब्लिक, कानपुर के सामने विधिवत शपथ लेकर स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं तदनुसार सन्तुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या पी/सीजी/2071656, दिनांक 23-5-77 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति उनके द्वारा खो गई है। यथा सम्बोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955 की उप-धारा 9 (सीसी) के अन्तर्गत प्रवर्तन अधिकारी का प्रयोग करने हुए सर्वश्री कायलटेक् इण्डिया प्रा० लि०, कानपुर को जारी की गई मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति संख्या पी/सीजी/2071656, दिनांक 23-5-77 एन्वू द्वारा रद्द की जाती है।

3. उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या 1350/76/12/सीजी-1/852]

आर० पी० बसु, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 14th October, 1977

S.O. 3425.—M/s. Coiltech India Pvt. Ltd., Kanpur were granted an import licence No. P/CG/2071656 dated 23-5-1977 for Rs. 8,85,272 (Rupees eight lakh eighty five thousand two hundred and seventy two only) for import of capital goods under S.F.C. Loan. The firm has applied for issue of Duplicate copy of Customs Purposes copy of the above mentioned licence on the ground that the original Customs Purposes Copy of the licence has been lost. It has further been stated that the Customs Purposes Copy of the licence was not registered with any Customs authority and as such the value of Customs Purposes Copy has not been utilised at all.

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a Notary Public Kanpur. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes Copy of import licence No. P/CG/2071656 dated 23-5-1977 has been lost by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended the said original Customs Purposes Copy No. P/CG/2071656 dated 23-5-1977 issued to M/s. Coiltech India Pvt. Ltd., Kanpur is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes Copy of the said licence is being issued to the party separately.

[No. 1350/76/12/CG. I/852]

R. P BASU, Dy. Chief Controller

प्रादेश

क्रा० प्रा० 3426.—मुख्य अभियन्ता (विद्युत) जी० एण्ड टी केरल राज्य विद्युत बोर्ड, त्रिवेन्द्रम-25 को रनवे हूप् लोडे के बरबात आयात करने के लिए 2,10,833/- रुपए के लिए लाइसेंस संख्या जी०/ए०/

1066533, दिनांक 5-9-75 प्रदान किया गया था। केरल राज्य विद्युत बोर्ड ने बताया है कि किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना ही सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और उन्होंने उसकी अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता हूँ कि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है और इसकी एक अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या एम०जी०/131/75-76/पी०एल०एम०(बी०)/659]

ORDERS

S.O. 3426.—The Chief Engineer (Elec.) G&T Kerala State Electricity Board, Trivandrum-25 was granted licence No. G/A/1066533 dated 5-9-1975 for Rs. 2,10,833/- for the import of Cast Iron Gates. Kerala State Elec. Board has reported that Customs copy has been lost without having been registered with any Customs authority, and they have requested to issue duplicate copy of the same.

In support of their contention the applicants has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the Customs copy of the said licence has been lost and directs that the duplicate copy of the Customs copy of the said licence be issued.

The original customs copy of the licence has been cancelled and a duplicate copy of the same is being issued separately.

[No. SG/121/75-76/PLS(B)/659]

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1977

क्रा० प्रा० 3427.—अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकरण, भारत, 32-फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली को रनवे मेकानिकल स्वीपर्स के तीन एकड़ों के लिए फालतू पूर्वा का आयात करने के लिए 1,16,604/- रुपए के लिए आयात लाइसेंस म० जी०/ए/1075678/सी०एम्स/एम्स/63/एम्स/77, दिनांक 8-6-77 प्रदान किया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा प्राधिकारी भारत ने यह बताया है कि लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति किसी भी सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना ही खो गई है और उन्होंने अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए आवेदन किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है और निदेश देता है कि उक्त लाइसेंस की सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जाए।

लाइसेंस की मूल सीमा-शुल्क प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है और इसकी अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या सेन्ट-50/77-78/पी एन एम (बी)/660]

जे० एम० बनर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक,
रुने मुख्य नियंत्रक

New Delhi, the 15th October, 1977

S.O. 3427.—The Chairman, International Airports Authority of India, 32, Ferozeshah Road, New Delhi was granted Import License No. G/A/1076678/C/XX/63/H/77 dated 8-6-1977 for Rs. 1,16,604/- for the import of spare parts for 3 units of Runway Mechanical Sweepers. International Airports Authority of India has reported that Customs Copy of the licence has been lost without having been registered with any Customs authority, and they have requested to issue duplicate of the same.

In support of their contention the applicant has filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the customs copy of the said licence has been lost and directs that the duplicate copy of the Customs copy of the said licence be issued.

The original customs copy of the licence has been cancelled and a duplicate copy of the same is being issued separately.

[File No. Cent. 50/77-78/PLS(B)/660]

I. M. BANERJEE, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1977-10-14

क्र० प्रा० 3428—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 11 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-1648 जिसके ध्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फर्म के अपने अनुरोध पर 1977-07-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-1648 1968-03-08	सर्वश्री अण्डमान टिम्बर इंडस्ट्रीज लि० पोर्ट ब्लेयर, अण्डमान इसका कार्यालय : 26 चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता-2 में है।	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के मढ़ी मार्का, 'एटीआई'	IS: 10-1970 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)

[संख्या सीएमडी/55: 1648]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1977-10-14

S.O. 3428—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-1648 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1977-07-01 at the firm's request :

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-1648 1968-03-08	M/s. Andamans Timber Industries Ltd., Port Blair, Andamans having their office at 26, Chittaranjan Avenue, Calcutta-12.	Teachest Plywood Panels Brand : 'ATI'	IS : 10-1970 Specification for plywood teachests (Third Revision)

[No. CMD/55 : 1648]

क्र० प्रा० 3429—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-2130 जिसके ध्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फर्म के अपने अनुरोध पर 1977-07-01 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-2130 1969-10-30	सर्वश्री हरनाथका एम सी एण्ड कंपनी, इंडस्ट्रियल इस्टेट, बामुनी मैदान, गौहाटी (असम)।	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग मार्का : 'एच एम सी'	IS: 10-1970 प्लाईवुड की चाय की पेटियों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)

[संख्या सीएमडी/55: 2130]

S.O. 3429.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-2130 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1977-07-01 at the firm's request:

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-2130 1969-10-30	M/s. Hirlalka, M.C. & Co., Industrial Estate, Bamuni Maidan, Gauhati (Assam).	Tea-chest Metal Fittings Brand : 'HMC'	IS : 10-1970 Specification for plywood tea-chests (Third Revision)

[No. CMD/55 : 2130]

क्र० प्र० 3430.—समय समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-5733 जिसके व्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, फर्म की लाइसेंस जारी रखने में रुचि न होने के कारण 1 जून, 1977 से रद्द कर दिया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-5733 1976-12-24	सर्वथी यूनिवर्सल स्टार्च-केम एलाइड प्रा० लिमिटेड, राबल इंडस्ट्रियल इस्टेट, पो० बा० सं० 1, डोंडायाबा, जिला धुलिया (महाराष्ट्र)। कार्यालय : 11 बम्बई स्पृचुअल एनेक्सी, कुमरा माला 17, कस्तम मिडवा मार्ग, (गनबो स्ट्रीट), बम्बई-400001	बस्त्र उद्योग में प्रयुक्त मक्का स्टार्च	IS : 1184-1968 बस्त्र उद्योग में प्रयुक्त मक्का स्टार्च की विनिर्दिष्ट।

[संख्या सीएम/एल/55 : 5733]

आई० एस० ब्रेकेटेशन, अपर महानिदेशक

S.O. 3430.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations, 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-5733 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 1 June, 1977 as the firm is not interested to operate the licence.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
1	2	3	4	5
1.	CM/L-5733 1976-12-24	M/s. Universal Starch-Chem-Allied Pvt. Ltd., Rawal Industrial Estate, Post Box No. 1, Don-daicha Distt Dhulia (Maharashtra) Office: 11, Bombay Mutual Annexe, 2nd Floor, 17 Rustom Sidhva Marg, (Gunbow Street), Bombay-400001.	Maize Starch for use in Cotton Textile Industry.	IS : 1184-1968 Specification for Maize Starch for use in cotton textile industry.

[No. CMD/55 : 5733]

Y. S. VENKATESWARAN, Additional Director General,
Indian Standards Institutions

पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1977

का० घा० 3431.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० घा० सं० 5146 तारीख 17-11-75 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अथवा आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः, मक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बन्धनों से मुक्त रूप में इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

रुद्रसागर कूप नम्बर 53 से कूप नम्बर 23 तक की पाइप लाइन

राज्य : असम	जिला : शिवसागर	तालुक : मेटेकाबनगाव		
ग्राम	सर्वे नम्बर	हेक्टर	ऐरे	सेन्टीऐरे
भुतियापार	230 ख	1	47	
	238 ख	2	68	
	239 ख	1	74	
	240 ख	1	47	
	299 ख	1	74	
	298 ख	0	80	
	265 ख	5	89	
	295 ख	5	35	
	294 ख	1	20	
	293 ख	1	07	
	264 ख	0	80	

[सं० 12020/4/75-एल एण्ड एल]

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 10th October, 1977

S.O. 3431.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. 5146 dated 17-11-1975 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest in this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Rudrasagar well No. 53 to Rudrasagar well No. 23

STATE-ASSAM DIST. SIBSAGAR TALUK-METEKABON GAON

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
Bhutiaapar	230 Kha	0	1	47
	238 Kha	0	2	68
	239 Kha	0	1	74
	240 Kha	0	1	47
	299 Kha	0	1	74
	298 Kha	0	0	80
	265 Kha	0	5	89
	295 Kha	0	5	35
	294 Kha	0	1	20
	293 Kha	0	1	07
	264 Kha	0	0	80

[No. 12020/4/75-L&I.]

नई दिल्ली 11 अक्टूबर, 1977

का० घा० 3432.—यतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की अधिसूचना का० घा० सं० 29 तारीख, 27-12-1973 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अथवा आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः केन्द्रीय सरकार ने मक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसार अधिसूचना का० घा० सं० 1859 तारीख 10-7-1974 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उपरोक्त पहली अधिसूचना में वर्णित और संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार का अर्जन कर लिया और आगे निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग में विहित होगा।

और, यतः केन्द्रीय सरकार ने, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग की सफाई के आधार पर, यह निश्चय किया है कि उपरोक्त भूमि में उपयोग के अधिकार को छोड़ दिया जाये।

और, इसविषये, उक्त अधिनियम की धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने, एतद्वारा उन भूमियों के उपयोग का अधिकार छोड़ दिया है जो कि पहले दिये गये अधिसूचना की अनुसूची

में विनिश्चित है और क्रमशः अधिसूचना संख्या का० आ० 29 तथा 1859 दिनांक, 27 दिसम्बर, 1973 और 10 जुलाई, 1974 को रद्द करती है।

[संख्या 12016/7/73-एन एण्ड एन]

टी० पी० सुब्रह्मनियन, अवसर सचिव

New Delhi, the 11th October, 1977

S.O. 3432.—Whereas by a notification S.O. No. 29 dated 27-12-1973 made under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government in the Ministry of Petroleum had declared its intention to acquire the right of user in respect of the lands specified in the schedule appended to that notification, for the purpose of laying pipeline.

And whereas, after considering the report of the Competent Authority, the Central Government in the Ministry of Petroleum by notification S.O. No. 1859 dated 10-7-1974, made under sub-section (1) of section 6 of the said Act, required the right of user in respect of the lands specified in the schedule appended to the first-mentioned notification and further directed that the right of user so acquired shall, instead of vesting in the Central Government, vest in the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas the Central Government has, on the recommendation of the Oil & Natural Gas Commission, decided to relinquish the right of user in respect of the aforesaid land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, the Central Government hereby relinquished the right of user which was acquired in respect of the lands specified in the schedule to the first-mentioned notification and rescinds the aforesaid notification Nos. S.O. 29 and 1859 dated 27th December, 1973 and 10th July, 1974 respectively.

[No. 12016/7/73-I.&L]

T. P. SUBRAHMANYAN, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1977

का० आ० 3433.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् इसके द्वारा उक्त अधिनियम को प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अनुसूची में:—

(1) आंध्र विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव रसायन)-----एम० डी० (जीव रसायन)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः: "आयुर्विज्ञान विकिरण चिकित्सा में डिप्लोमा----डी०एम० आर०टी० श्वेत रोग और वक्ष रोग में डिप्लोमा----डी०टी० सी०डी०";

(2) ए० पी० सिंह विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "क्लिनिकी विकृति विज्ञान में डिप्लोमा----डी० सी० पी०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः: "डाक्टर आफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)-----एम० डी० (विकृति विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)-----एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

मास्टर आफ सर्जरी (नेत्र विज्ञान)-----एम० एम० (नेत्र विज्ञान)";

(3) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "आयुर्विज्ञान विकिरण चिकित्सा में डिप्लोमा----डी० एम० आर० टी०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (विकिरण विज्ञान)-----एम० डी० (विकिरण-विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव भौतिकी)-----एम० डी० (जीव भौतिकी)

डाक्टर आफ मेडिसिन (न्यायिक आयुर्विज्ञान)-----एम० डी० (न्यायिक आयुर्विज्ञान)";

(4) बंगलूर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा----डी० आर० टी०", प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः: "डिप्लोमा इन आप्थलमिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी-----डी० ओ० एम० एम०

डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीर क्रिया विज्ञान)-----एम० डी० (शरीर क्रिया विज्ञान)";

(5) बहामपुर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीर क्रिया विज्ञान)-----एम० डी० शरीर क्रिया विज्ञान" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः:

"मास्टर आफ सर्जरी (विकलांग विज्ञान)-----एम० एम० (विकलांग विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान)-----एम० डी० (बालचिकित्सा विज्ञान)

मास्टर आफ सर्जरी (सामान्य शल्य विज्ञान)-----एम० एम० (सामान्य शल्यविज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य आयुर्विज्ञान)-----एम० डी० (सामान्य आयुर्विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषज गुण विज्ञान)-----एम० डी० (भेषजगुण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)-----एम० डी० (विकृति विज्ञान)";

(6) भोपाल विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "क्लिनिकी विकृति विज्ञान में डिप्लोमा----डी० सी० पी०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः;

"मास्टर आफ सर्जरी (शरीर रचना विज्ञान)-----एम० एम० (शरीर रचना विज्ञान)";

(7) बी० एन० चक्रवर्ती विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान)-----एम० डी० (बाल चिकित्सा विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (त्वचा विज्ञान, इसमें रतिजरोर विज्ञान और कुष्ठ रोग भी शामिल है)-----एम० डी० (त्वचा विज्ञान, इसमें रतिजरोर विज्ञान और कुष्ठ रोग भी शामिल है)।

मास्टर आफ सर्जरी (नेत्र विज्ञान)-----एम० एम० (नेत्र विज्ञान)

मास्टर आफ सर्जरी (कान, नाक, गला)-----एम० एम० (कान, नाक, गला)

डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)——

एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

संवेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ए०

डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान
——एम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)");

- (8) कलकत्ता विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (मनोचिकित्सा विज्ञान)——एम० डी० (मनोचिकित्सा विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)
——एम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)

मास्टर आफ सर्जरी (संवेदनाहरण विज्ञान)——एम० एम०
(संवेदनाहरण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (संवेदनाहरण विज्ञान)——एम० डी०
(संवेदनाहरण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरक्रिया विज्ञान)——एम० डी०
(शरीरक्रिया विज्ञान)";

- (9) कालीकट विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरक्रिया विज्ञान)——एम० डी० (शरीरक्रिया विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (न्यायिक आयुर्विज्ञान)——एम० डी०
(न्यायिक आयुर्विज्ञान)

गणित स्वास्थ्य में डिप्लोमा——डी० सी० एच०",

- (10) दिल्ली विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन)——एम० डी० (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (त्वचा विज्ञान कुष्ठ और रक्त रोग सहित)——एम० डी० (त्वचा विज्ञान कुष्ठ और रक्त रोग सहित)

रक्त रोग विज्ञान और त्वचा विज्ञान में डिप्लोमा——डी० सी० एच०";

- (11) मद्रास विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)——एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——एम० डी०;
(भेषजगुण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (विकृतिविज्ञान और सूक्ष्मजीव विज्ञान)
——एम० डी० (विकृति विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान)

चिकित्सीय विकृति विज्ञान में डिप्लोमा——डी० सी० पी०
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में डिप्लोमा——डी० जी० आ०

मास्टर आफ सर्जरी (शरीर रचना विज्ञान)——एम० एम०
(शरीर रचना विज्ञान)";

- (12) ब्रिस्टल में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रोद्धा जाएँ, नामतः
"गोरखपुर विश्वविद्यालय बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड बैचलर
आफ सर्जरी—एम० बी० बी० एम०

30 अप्रैल, 1978 में पहले प्रदान की गई अर्हताएं मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हताएं होंगी।

अम्बू विश्वविद्यालय जम्मू, बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड बैचलर
आफ सर्जरी.....एम० बी० बी० एम०";

- (13) गुजरात विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मनोचिकित्सा आयुर्विज्ञान में डिप्लोमा——डी० पी० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
"चिकित्सीय विकृति विज्ञान में डिप्लोमा——डी० सी० पी०
डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)
——एम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)";

- (14) जवाहर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
"चिकित्सीय विकृति विज्ञान में डिप्लोमा——डी० सी० पी०";

- (15) श्री वेकटेश्वर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (शरीर रचना विज्ञान)——एम० एम० (शरीर रचना विज्ञान)" के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव-रसायन)——एम० डी०
(जीव-रसायन)

डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——एम० डी०
(भेषजगुण विज्ञान)

डाक्टर आफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)——एम० डी०
(विकृति विज्ञान)

"डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
——एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)";

"30 अप्रैल, 1978 में पहले प्रदान की गई अर्हताएं मान्यता प्राप्त चिकित्सा अर्हताएं होंगी।

- (16) उत्कल विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (न्यायिक आयुर्विज्ञान)——एम० डी० (न्यायिक आयुर्विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (चिकित्सा)——एम० डी० (चिकित्सा
चिकित्सा)

संवेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ए०

गणित स्वास्थ्य में डिप्लोमा——डी० सी० एच०";

- (17) कानपुर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (क्षय रोग एवं वक्ष रोग)——एम० डी० (क्षय रोग एवं वक्ष रोग)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (हृदयरोग विज्ञान)——डी० एम०
(हृदयरोग विज्ञान)";

- (18) कर्नाटक विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "बैचलर आफ सर्जरी एण्ड बैचलर आफ मेडिसिन——एम० बी० बी० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:

"डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——एम० डी०
(भेषजगुण विज्ञान)";

- (19) कश्मीर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड वैचलर आफ सर्जरी—एम० बी० बी० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः:
- "मास्टर आफ सर्जरी (सामान्य शल्यविज्ञान)——एम० एम० (सामान्य शल्यविज्ञान)";
- (20) केरल विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——एम० डी० (भेषजगुण विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित विविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
- "संवेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ए०
- मास्टर आफ सर्जरी (शरीर रचना विज्ञान)——एम० एम० (शरीररचना विज्ञान)
- मास्टर आफ सर्जरी (विकलांग विज्ञान)——एम० एम० (विकलांग विज्ञान)
- विकलांग विज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर्थ०
- कर्णनामा कण्ड विज्ञान में डिप्लोमा——डी० एल० ओ०
- (21) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान)——एम० डी० (बाल चिकित्सा विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
- "डाक्टर आफ मेडिसिन (स्वच्छारोग विज्ञान, इसमें रतिरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग शामिल हैं)——एम० डी० (स्वच्छारोग विज्ञान, इसमें रतिरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग शामिल हैं) ।
- मास्टर आफ सर्जरी (नेत्रविज्ञान)——एम० एम० (नेत्र विज्ञान)
- मास्टर आफ सर्जरी (कान, नाक, गला)——एम० एम० (कान, नाक, गला)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)——एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
- संवेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ए०
- डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)——एम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)";
- (22) मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "नेत्र विज्ञान और शल्यविज्ञान में डिप्लोमा——डी० ओ० एम० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः:
- "डाक्टर आफ मेडिसिन (संवेदनाहरण विज्ञान)——एम० डी० (संवेदनाहरण विज्ञान)";
- (23) मेरठ विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "बैचलर आफ मेडिसिन एण्ड बैचलर आफ सर्जरी——एम० बी० बी० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
- "डाक्टर आफ मेडिसिन (भेषजगुण विज्ञान)——एम० डी० (भेषजगुण विज्ञान)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (विकृति विज्ञान)——एम० डी० (विकृति विज्ञान)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य आयुर्विज्ञान)——एम० डी० (सामान्य आयुर्विज्ञान)
- मास्टर आफ सर्जरी (सामान्य शल्य विज्ञान)——एम० एम० (सामान्य शल्य विज्ञान)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)——एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरक्रिया विज्ञान)——एम० डी० (शरीरक्रिया विज्ञान)
- *मास्टर आफ सर्जरी (शरीर रचना विज्ञान)——एम० एम० (शरीररचना विज्ञान)
- *केवल 30 अप्रैल, 1978 से पहले दो प्रदान की गई अर्हता मान्यताप्राप्त चिकित्साधर्हता होगी।";
- (24) मैसूर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "विकलांगविज्ञान में डिप्लोमा——डी० आर्थ०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
- "डाक्टर आफ मेडिसिन (जीव रसायन)——एम० डी० (जीव रसायन)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरक्रिया विज्ञान)——एम० डी० (शरीरक्रिया विज्ञान)
- मास्टर आफ सर्जरी (नेत्र विज्ञान)——एम० एम० (नेत्र विज्ञान)
- नेत्र विज्ञान और शल्य विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ओ० एम० एम०
- मास्टर आफ सर्जरी (विकलांग विज्ञान)——एम० एम० (आर्थ०)";
- (25) नागपुर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान में डिप्लोमा——डी० जी० ओ०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
- "मास्टर आफ सर्जरी (प्लास्टिक शल्य विज्ञान)——एम० सी० एच० (प्लास्टिक शल्य विज्ञान)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (संवेदनाहरण विज्ञान)——एम० डी० (संवेदनाहरण विज्ञान)";
- (26) पूना विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (विकलांग विज्ञान)——एम० डी० (विकलांग विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः:
- "नेत्र विज्ञान एवं शल्य विज्ञान में डिप्लोमा——डी० ओ० एम० एम०";
- (27) पंजाब विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (बालचिकित्सा)——एम० डी० (बाल चिकित्सा)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः:
- "मास्टर आफ सर्जरी (प्लास्टिक शल्य विज्ञान)——एम० सी० एच० (प्लास्टिक शल्य विज्ञान)";
- (28) पंजाबी विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (शरीररचना विज्ञान)——एम० एम० (शरीर रचना विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँ, नामतः:
- "डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)——एम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)
- डाक्टर आफ मेडिसिन (स्वच्छारोग विज्ञान और रतिरोग विज्ञान)——एम० डी० (स्वच्छारोग विज्ञान और रतिरोग विज्ञान)";

- (29) रांची विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (कान, नाक, गला)---एम० एम० (कान, नाक, गला)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः—
 "डाक्टर आफ मेडिसिन (शरीरक्रिया विज्ञान)---एम० डी० (शरीरक्रिया विज्ञान)
 मास्टर आफ सर्जरी (बिकलांग विज्ञान)---एम० एम० (आर्थो)
 मास्टर आफ सर्जरी (शरीर रचना विज्ञान)---एम० एम० (शरीर रचना विज्ञान)";
- (30) रोहतक विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा)---एम० डी० (बाल चिकित्सा)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः—
 "डाक्टर आफ मेडिसिन (त्वचारोग विज्ञान, इसमें रतिरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग भी शामिल हैं)---एम० डी० (त्वचा रोग विज्ञान, इसमें रतिरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग भी शामिल हैं)
 मास्टर आफ सर्जरी (नेत्र विज्ञान)---एम० एम० (नेत्र विज्ञान)
 मास्टर आफ सर्जरी (कान, नाक, गला)---एम० एम० (कान, नाक, गला)
 डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)---एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)
 मधेदनाहरण विज्ञान में डिप्लोमा---डी० ए०
 डाक्टर आफ मेडिसिन (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)---एम० डी० (सामाजिक और निरोधक आयुर्विज्ञान)";
- (31) सम्बलपुर विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (कर्णनासा कण्ठ विज्ञान)---एम० एम० (कर्णनासा कण्ठ विज्ञान)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं, नामतः—
 "मास्टर आफ सर्जरी (नेत्र विज्ञान)---एम० एम० (नेत्र विज्ञान)
 डाक्टर आफ मेडिसिन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)---एम० डी० (प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान)";
- (32) सोरापट्ट विश्वविद्यालय संबंधी प्रविष्टियों में "नेत्रविज्ञान और शल्यविज्ञान में डिप्लोमा---डी० ओ० एम० एम०" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए, नामतः—
 "डाक्टर आफ मेडिसिन (सामान्य आयुर्विज्ञान)---एम० डी० (सामान्य आयुर्विज्ञान)" ।

[स० बी० 11015/10/77-एम पी टी/एम ई (पी)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th October, 1977

S.O. 3433.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the

following further amendments in the first Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule :—

(i) In the entries relating to Andhra University, after the entry "Doctor of Medicine (Biochemistry)... M.D. (Biochemistry)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Diploma in Medical Radiology Therapy... D.M.R.T.
 Diplom in Tuberculosis and Chest Diseases..... D.T.C.D.";

(ii) in the entries relating to A.P. Singh University, after the entry "Diploma in Clinical Pathology... D.C.P.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pathology)... M.D. (Pathology),
 Doctor of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)... M.D. (Obst. & Gynae.), Master of Surgery (Ophthalmology)... M.S. (Ophthalmology)";

(iii) in the entries relating to the Banaras Hindu University, after the entry "Diploma in Medical Radiotherapy.... D.M.R.T.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Radio-diagnosis)... M.D. (Radio-diagnosis), Doctor of Medicine (Bio-Physics)... M.D. (Bio-Physics), Doctor of Medicine (Forensic Medicine)... M.D. (Forensic Medicine)";

(iv) in the entries relating to the Bangalore University, after the entry "Diploma in Orthopaedics ... D. Orth.", the following entries shall be inserted namely :—

"Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery.... D.O.M.S., Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Physiology)";

(v) In the entries relating to the Berhampur University, after the entry "Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Physiology)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Orthopaedics)... M.S. (Orthopaedics), Doctor of Medicine (Paediatrics)... M.D. (Paediatrics), Master of Surgery (General Surgery)... M.S. (General Surgery), Doctor of Medicine (General Medicine)... M.D. (General Medicine), Doctor of Medicine (Pharmacology)... M.D. (Pathology), Doctor of Medicine (Pathology)... M.D. (Pharm.)";

(vi) in the entries relating to the Bhopal University, after the entry "Diploma in Clinical Pathology... D.C.P.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Anatomy)... M.S. (Anatomy)";

(vii) in the entries relating to the B. N. Chakravarty University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)... M.D. (Paediatrics)", the following entries shall be inserted namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Venereology and Leprosy)... M.D. (Derm. including Ven. & Leprosy), Master of Surgery (Ophthalmology)... M.S. (Ophth.), Master of Surgery (E.N.T.)... M.S. (E.N.T.), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)... M.D. (Obst. & Gynae.), Diploma in Anaesthesiology... D.A., Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine)... M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(viii) in the entries relating to the Calcutta University after the entry "Doctor of Medicine (Psychiatry)... M.D. (Psychiatry)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine)... M.D. (Social & Prev. Medicine), Master of Surgery (Anaesthesiology)... M.S. (Anaesthesiology), Doctor of Medicine (Anaesthesiology)... M.D. (Anaesthesiology), Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Physiology)";

(ix) in the entries relating to the Calicut University, after the entry "Doctor of Medicine (Physiology)... M.D. (Phys.)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Forensic Medicine)... M.D. (Forensic Medicine), Diploma in Child Health... D.C.H.";

(x) in the entries relating to the Delhi University, after the entry "Doctor of Medicine (Community Health Administration)....M.D. (Community Health Administration)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Leprosy and Venereal Diseases), M.D. (Derm. including Leprosy & Ven. Diseases), Diploma in Venerology & Dermatology....D.V.D.";

(xi) in the entries relating to the Gauhati University, after the entry "Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynae.)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm.), Doctor of Medicine (Pathology & Microbiology)....M.D. (Path. & Micro.), Diploma in Clinical Pathology....D.C.P., Diploma in Obstetrics & Gynaecology....D.G.O., Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy)";

(xii) the following entries shall be added at the end, namely :—

"Gorakhpur University, Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.

This qualification shall be recognised medical qualification when granted before the 30th April, 1978.

Jammu University, Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.";

(xiii) in the entries relating to the Gujarat University, after the entry "Diploma in Psychological Medicine....D.P.M.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Clinical Pathology....D.C.P., Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)....M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(xiv) in the entries relating to the Jiwaji University, after the entry "Doctor of Medicine (Soc. & Prev. Medicine)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Clinical Pathology....D.C.P.";

(xv) in the entries relating to the Sri Venkateswara University, after the entry "Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy)" the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Bio-Chemistry)....M.D. (Bio-Chem.), Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharmacology), Doctor of Medicine (Pathology)....M.D. (Pathology), **Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynae.)";

**This qualification shall be recognised medical qualification when granted before the 30th April, 1978.";

(xvi) in the entries relating to the Utkal University, after the entry "Doctor of Medicine (Forensic Medicine)....M.D. (Forensic Medicine)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Radio-therapy)....M.D. (Radio-therapy), Diploma in Anaesthesiology....D.A., Diploma in Child Health....D.C.H.";

(xvii) in the entries relating to the Kanpur University, after the entry "Doctor of Medicine (Tuberculosis and Chest Diseases)....M.D. (Tuberculosis and Chest Diseases)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Cardiology)....D.M. (Cardiology)";

(xviii) in the entries relating to the Karnataka University, after the entry "Bachelor of Surgery and Bachelor of Medicine....M.B.B.S.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharmacology)";

(xix) in the entries relating to the Kashmir University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (General Surgery)....M.S. (Gen. Surgery)";

(xx) in the entries relating to the Kerala University after the entry "Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm.)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Anaes., hesiology....D.A., Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy), Master of Surgery (Orthopaedics)....M.S. (Ortho.), Diploma in Orthopaedics....D. Ortho., Diploma in Oto-rhino-laryngology....D.L.O., Master of Surgery (Ophthalmology)....M.S. (Ophthd.), Diploma in Ophthalmology....D.O.

(xxi) in the entries relating to Kurukshetra University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)....M.D. (Paediatrics)", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Venereology and Leprosy)....M.D. (Dermatology including Ven. and Leprosy), Master of Surgery (Ophthalmology)....M.S. (Ophth.), Master of Surgery (E.N.T.)....M.S. (E.N.T.), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynae.), Diploma in Anaesthesiology....D.A., Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine)....M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(xxii) in the entries relating to the Marathwada University, after the entry "Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery....D.O.M.S.", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Anaesthesiology)....M.D. (Anaesthesiology)";

(xxiii) in the entries relating to the Meerut University, after the entry "Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery....M.B.B.S.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology)....M.D. (Pharm.), Doctor of Medicine (Pathology)....M.D. (Path.), Doctor of Medicine (General Medicine)....M.D. (Gen. Medicine), Master of Surgery (General Surgery)....M.S. (Gen. Surgery), Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology)....M.D. (Obst. & Gynae.), Doctor of Medicine (Physiology)....M.D. (Phy.), *Master of Surgery (Anatomy)....M.S. (Anatomy).

*This qualification shall be recognised medical qualification for only year i.e. when granted before 30th April, 1978.";

(xxv) in the entries relating to Nagpur University after the entry "Diploma in Orthopaedics....D. Orth.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (bio-Chemistry)....M.D. (Bio-Chem.), Doctor of Medicine (Physiology)....M.D. (Phy.), Master of Surgery (Ophthalmology)....M.S. (Ophth.), Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery....D.O.M.S., Master of Surgery (Orthopaedics)....M.S. (Ortho.)";

(xxv) in the entries relating to Nagpur University after the entry "Diploma in Obstetrics and Gynaecology....D.G.O.", the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Plastic Surgery)....M. Ch. (Plastic Surgery), Doctor of Medicine (Anaesthesiology M.D. (Anaesth.)";

(xxvi) in the entries relating to Poona University, after the entry "Master of Surgery (Orthopaedics)....M.D. (Orthopaedics)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Ophthalmic Medicine & Surgery....D.O.M.S.";

(xxvii) in the entries relating to Punjab University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)....M.D. (paed.)", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Plastic Surgery)....M. Ch. (Plastic Surgery)";

(xxviii) in the entries relating to Punjabi University, after the entry "Master of Surgery (Anatomy).....M.S.(Ana.) the following entries shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Social & Preventive Medicine).....M.D. (Soc. & Prev. Medicine), Doctor of Medicine (Dermatology & Venereology).....M.D. (Derm. & Ven.)";

(xxix) in the entries relating to the Ranchi University, after the entry "Master of Surgery (E.N.T.).....M.S. (E.N.T.)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Physiology).....M.D. (Phy.), Master of Surgery (Orthopaedics).....M.S. (Ortho.), Master of Surgery (Anatomy).....M.S. (Anatomy)";

(xxx) in the entries relating to the Rohtak University, after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics).....M.D. (Paediatrics)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Doctor of Medicine (Dermatology including Venereology and Leprosy).....M.D. (Derm. including Ven. & Leprosy), Master of Surgery (Ophthalmology).....M.S. (Ophth.), Master of Surgery (E.N.T.).....M.S. (E.N.T.) Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology).....M.D. (Obst. & Gynae.), Diploma in Anaesthesiology.....D.A. Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine) M.D. (Soc. & Prev. Medicine)";

(xxxi) in the entries relating to the Sambalpur University, after the entry "Master of Surgery (Oto-Rhino-Laryngology).....M.S. (Oto-Rhino-Laryngology)", the following entries shall be inserted, namely:—

"Master of Surgery (Ophthalmology).....M.S. (Ophth) Doctor of Medicine (Obstetrics & Gynaecology).....M.D., (Obst. & Gynae.)";

(xxxii) in the entries relating to Saurashtra University, after the entry "Diploma in Ophthalmic Medicine and Surgery.....D.O.M.S.", the following entry shall be inserted namely:—

"Doctor of Medicine (General Medicine).....M.D. (Gen. Medicine)".

[No. V. 11015/10/77-MPT/ME(P)]

कांआ० 3434.—भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय चिकित्सा परिषद से परामर्श करने के पश्चात् इसके द्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है:—

उक्त अनुसूची में निम्नलिखित प्रविष्टियों को अन्त में प्रतिस्थापित किया जाए:—

"ककातिया विश्वविद्यालय, धारुविज्ञान तथा शल्य एम० बी० बी० एस० वारंगल विज्ञान स्नातक

नागार्जुन विश्वविद्यालय, धारुविज्ञान तथा शल्य एम० बी० बी० एस० नागार्जुन विज्ञान स्नातक

[संख्या बी 11015/15/77-एम० पी० टी० एम० ई० (पी)]

प्रार० बी० श्रीनिवासन, उप सचिव

S. O. 3434.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said Schedule, the following entry shall be inserted at the end, namely:—

"Kakatiya University, Warangal. Bachelor of Medicine.....M.B.B.S. and Bachelor of Surgery.

Nagarjuna University, Nagarjuna. Bachelor of Medicine.....M. B. B. S." and bachelor of Surgery.

[No. V. 11015/15/77-MPT/ME(P)]

R. V. SRINIVASAN, Dy. Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर, 1977

कांआ० 3435.—केन्द्रीय सरकार, इण्डियन आयरन एंड स्टील कम्पनी (शेयरों का अर्जन) अधिनियम, 1976 (1976 का 89) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा श्री एम० के० घोष, लोहा तथा इस्पात सहायक नियंत्रक, कलकत्ता को 27 सितम्बर, 1977 से तथा अगले आवेश दिए जाने तक सहायक संवाय प्राप्ति नियुक्त करती है। उनकी नियुक्ति श्री बी० बी० विश्वास के स्थान पर की गई है जो कि बीमार पड़ गए हैं।

[संख्या इण्डस्ट्री (II-8(108)/76]

रा० मलिकार्जुनन, उप सचिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 22nd October, 1977

S.O. 3435.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (89 of 1976), the Central Government appoint with effect from the 27th September 1977, and until further orders, Shri S. K. Ghosh, Assistant Iron and Steel Controller, Calcutta as Assistant Commissioner of Payments in place of Shri B. B. Biswas who has fallen ill.

[No. Ind. (II)-8(108)/76]

R. MALLIKARJUNAN, Dy. Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1977

कांआ० 3436.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० कांआ० 4607, तारीख 12 नवम्बर, 1976 द्वारा, उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में भूमियों को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और बिहार सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 9.00 एकड़ (लगभग) या 3.64 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि को अर्जित कर लिया जाना चाहिए।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित 9.00 एकड़ (लगभग) या 3.64 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि अर्जित की जाती है।

2. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त कार्यालय, हजारीबाग (बिहार) में या कोयला नियंत्रक कार्यालय, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता में या सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड कार्यालय (राजस्व अनुभाग), वरधंगा हाउस, रांची (बिहार) में किया जा सकेगा।

अनुसूची
केन्द्रीय सौडा विस्तारण
दक्षिण करनपुरा कोयला बाने में
डा० सं० राजस्व/6/77
तारीख 1-2-77
(जिनमें अजित की गई भूमि दक्षिण की गई है)

सभी अधिकार

क्रम सं०	ग्राम	थाना	थाना सं०	जिला	क्षेत्रफल	टिप्पणियाँ
1.	सौडा	रामगढ़	24	हजारीबाग	9.00 भाग	
	कुल क्षेत्रफल :		9.00 एकड़ (लगभग)			
	या		3.64 हेक्टेयर (लगभग)			

सौडा ग्राम में अजित किए गए प्लॉटों की सं०

394 (भाग), 396 (भाग), 397 (भाग) और 400 (भाग)

सीमा वर्णन :

- ए—बी लाइन सैल और सौडा ग्रामों की सामान्य सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है।
- बी—सी लाइन सौडा ग्राम में प्लॉट सं० 397, 400 और 394 से होकर जाती है।
- सी—ए लाइन सौडा ग्राम में प्लॉट सं० 394, 396 और 400 से होकर जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं० 19(45)/75 सी०एल०]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 14th October, 1977

S. O. 3436:—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, (Department of Coal) No. S. O. 4607 dated the 12th November, 1976, issued under sub-section (i) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 9.00 acres (approximately) or 3.64 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 9.00 acres (approx.) or 3.64 hectares (approx.) described in the schedule, are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

SCHEDULE

CENTRAL SAUNDA EXTN.
SOUTH KARANPURA COALFIELDS

Drg. No. Rev/6/77

dt. 1-2-77

(Showing the lands acquired).

All Rights

S. No.	Village	Thana	Thana No.	District	Area	Remarks
1.	Saunda	Ramgarh	24	Hazaribagh	9.00	Part

Total area:— 9.00 acres (approx.)
or 3.64 hectares (approx.)

Plot numbers acquired in village Saunda :

394 (part), 396 (part), 397 (part), and 400 (part).

Boundary Description :

- A—B Line passes along the part common boundary of village Sael and Saunda.
- B—C Line passes through plot numbers 397, 400 and 394 in village Saunda.
- C—A Line passes through plot nos. 349, 396 and 400 in village Saunda and meets at starting point 'A'.

[F. No. 19(45)/75-C.L.]

का०आ० 3437.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला बाने क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० सं० 849, तारीख 2 मार्च, 1977 द्वारा, उस अधिसूचना में उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिच्छेद में 780.00 एकड़ (लगभग) या 315.65 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमियों में कोयला का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भूमियों में से 692.74 एकड़ (लगभग) या 280.34 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमि में कोयला अधिप्राप्य है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कोयला बाने क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इसमें उपाखण्ड अनुसूची में वर्णित 692.74 एकड़ (लगभग) या 280.34 हेक्टेयर (लगभग) माप की भूमियों को अजित करने के अपने आशय की सूचना देती है,

2. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेषांक का निरीक्षण उपाखण्ड कार्यालय पालामऊ (आल्टमरंग), बिहार, या कोयला नियंत्रक कार्यालय, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता या सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड कार्यालय (राजस्व अनुभाग), दरभंगा हाउस, रांची (बिहार) में किया जा सकता है;

3. कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को केन्द्रीय सरकार द्वारा कोयला अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रमुखी
लोहारी खण्ड
दाल्तगंज-हुआर कोयलाक्षेत्र
पालामऊ (बिहार)

डा० सं० राजस्व/24/77

तारीख 7-6-1977

(जिसमें अजित की जाने वाली भूमि दर्शित की गई है)

सभी अधिकार

क्रम	ग्राम	धाना	धाना सं०	जिला	क्षेत्रफल	टिप्पणियां
1.	गरेरियाडीह	पाटन	195	पालामऊ		भाग
2.	लोहान्डी	"	197	"	"	"
3.	लोहारा	"	199	"	"	"
कुल क्षेत्रफल			692.74 एकड़ (लगभग)			
या			280.34 हेक्टेयर (लगभग)			

गरेरियाडीह ग्राम में अजित की जाने वाली प्लाट संख्याएं

1 से 153, 154(पी), 156, 157(पी), 158 से 205, 206 (पी), 207 से 255, 255(पी), 257(पी), 258(पी), 319(पी), 376(पी), 377, 378, 379, 380, 381(पी), 382 से 403, 404(पी), 405(पी), 406 से 428, 445(पी), 443 से 452 453(पी), 454(पी), 455(पी), 456(पी), 457(पी), 544(पी), 545, 547, 546(पी), 548(पी), 552(पी), 1943, 1944, 1947, 1948(पी), 1949, 1950(पी)।

लोहान्डी ग्राम में अजित की जाने वाली प्लाट संख्याएं

310(पी), 321(पी), 326(पी), 327, 328, 329, 330, 331 (पी), 332 से 342, 343(पी), 344 से 354, 355(पी), 356(पी), 358(पी), 359(पी), 360(पी), 361 से 396, 397(पी), 535 (पी), 436(पी), 437(पी), 438(पी), 441(पी), 442 से 449, 450(पी), 564(पी), 566, 587(पी), 588, लोहान्डी ग्राम की प्लाट सं० 448 से बिना हुआ एक असंख्याकित प्लाट और गरेरियाडीह ग्राम की प्लाट सं० 1947

लोहारा ग्राम में अजित की जाने वाली प्लाट संख्याएं—310(पी)

1 से 523, 524(पी), 525, 526, 527(पी), 528(पी), 545(पी), 550(पी), 551(पी), 552(पी), 553(पी), 554 से 598, 599(पी), 600(पी), 602(पी), 616(पी), 617 से 624, 625(पी), 626, 627(पी), 628 से 633, 634(पी), 635(पी), 636 से 644, 645(पी), 646(पी), 647(पी), 648, 649, 650, 651(पी), 653(पी), 654(पी), 655(पी), 656(पी), 664(पी), 665(पी), 666(पी), 667(पी), 674(पी), 675(पी), 676(पी), 708(पी), 761, 762, 764(पी), 765, 766, 767, 768, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780 और 781।

सीमा वर्णन :

ए-बी साइन हुआरती नदी की भागल के-हीय साइन (जो लोहारा और गिरिबास ग्रामों की भागल: सामान्य सीमा है) के साथ-साथ जाती है।

बी-सी साइन ग्राम लोहारा की प्लाट सं० 708, 524, 528, 527, 550, 551, 553, 552, 545, 602, 600, 590, 625, 616, 676, 675, 674, 627 634, 635, 667, 666, 665, 645, 646, 645, 846, 647,

651, 653, 654, 655, 656, 764 से गुजरती है, फिर गरेरियाडीह और कथौनिया ग्रामों की भागल: सामान्य सीमा के साथ-साथ भागल प्लाट सं० 156 के साथ-साथ प्लाट सं० 1950 और 154 से गुजरती है और फिर ग्राम गरेरियाडीह की प्लाट सं० 157 से गुजरती है।

सी-डी साइन प्लाट सं० 157, 440 की सामान्य सीमा के साथ-साथ फिर ग्राम गरेरियाडीह की प्लाट सं० 445, 457, 456, 455, 454, 453, 544, 547, 548, 552, 405, 404, 376, 381 और 258 से होकर जाती है।

डी-ई साइन ग्राम गरेरियाडीह का प्लाट सं० 258, 257, 256, 206, 1948, 319 से, फिर प्लाट सं० 32, की भागल: पश्चिमी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं० 564, 450, 441, 438, 437, 436, 435, 397, 587, 310, 331, 321 से फिर लोहान्डी ग्राम की प्लाट सं० 326 और 343 से होकर जाती है।

ई-एक साइन ग्राम लोहान्डी की प्लाट सं० 343, 355, 343, 356, 358, 359 और 360 से होकर जाती है।

एक-जी साइन लोहान्डी और पण्डवा ग्रामों की भागल: सामान्य सीमा के साथ-साथ जाती है।

जी-ए साइन लोहारा और पण्डवा ग्रामों के साथ सामान्य सीमा बनाती है और आरम्भिक बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[सं० 19(43)/77-सी० एल०]

आर० एस० शिवाजी, उप सचिव

S.O. 3437.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. No. 849 dated the 2nd March, 1977, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 780.00 acres (approximately) or 315.65 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in 692.74 acres (approximately) or 280.34 hectares (approximately) out of said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 692.74 acres (approximately) or 280.34 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto;

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Palamau (Daltongunj), Bihar, or at the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or at the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar);

3. The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Coal Act.

SCHEDULE
LOHARI BLOCK
DALTONGANJ-HUTAR COALFIELD
Palamau (Bihar)
Drg. No. Rev/24/77
dated 7-6-1977
(Showing lands to be acquired)

All Rights

Serial No.	Village	Thana Number	District	Area	Remarks
1.	Gareriadih	Patan	195	Palamau	Part
2.	Lohandi	-do-	197	-do-	-do-
3.	Lohanra	-do-	199	-do-	-do-

Total area 692.74 acres (approx).
or 280.34 hectares (approx).

Plot numbers to be acquired in village Gareriadih:—

1 to 153, 154(P), 156, 157(P), 158 to 205, 206(P), 207 to 255, 256(P), 257 (P), 258(P), 319 (P), 376 (P), 377, 378, 379, 380, 381(P), 382 to 403, 404(P), 405(P), 406 to 428, 445(P), 446 to 452, 453 (P), 454(P), 455 (P), 456(P), 457 (P), 544(P), 545, 546, 547(P), 548(P), 552(P), 1943, 1944, 1947, 1948(P), 1949 and 1950 (P).

Plot numbers to be acquired in village Lohandi:—

310(P), 321(P), 326(P), 327, 328, 329, 330, 331(P), 332 to 342, 343(P), 344 to 354, 355(P), 356(P), 358(P), 359(P), 360(P), 361 to 396, 397(P), 435(P), 436(P), 437(P), 438(P), 441(P), 442 to 449, 450(P), 564(P), 566, 587 (P) 588, one un-numbered plot surrounded by plot no. 448 of village Lohandi and plot no. 1947 of village Gareriadih.

Plot numbers to be acquired in village Lohanra:—

1 to 523, 524(P), 525, 526, 527 (P), 528(P), 545(P), 550(P), 551(P), 552(P), 553(P), 554 to 598, 599(P), 600(P), 602(P), 616(P), 617 to 624, 625 (P), 626, 627 (P), 628 to 633, 634 (P), 635 (P), 636 to 644, 645 (P), 646 (P), 647 (P), 648, 649, 650, 651(P), 653(P), 654(P), 655(P), 656(P), 664(P), 665(P), 666(P), 667(P), 674(P), 675(P), 676(P), 708(P), 761, 762, 764(P), 765, 766, 767, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780 and 781.

Boundary description:—

- A—B Line passes along the part central line of Durgawati River (which forms part common boundary of villages Lohanra and Garikhas.
- B—C Line passes through plot Nos. 708, 524, 528, 527, 550, 551, 553, 552, 545, 602, 600, 599, 625, 616, 676, 675, 674, 627, 634, 635, 667, 666, 665, 645, 664, 645, 646, 647, 651, 653, 654, 655, 656, 764, of village Lohanra, then passes through plot no. 1950 and 154, along Southern boundary of plot no. 156, along part common boundary of villages Gareriadih and Kathautia, then through plot no. 157 of village Gareriadih.
- C—D Line passes along the common boundary of plot nos. 157, 440, the through plot nos. 445, 457, 456, 455, 454, 453, 544, 547, 548, 552, 405, 404, 376, 381, and 258 of village Gareriadih.
- D—E Line passes through plot nos. 258, 257, 256, 206, 1948, 319 of village Gareriadih, then through plot

- 450, 441, 438, 437, 436, 435, 397, 587, 310, 331, 321, along the part western boundary of plot no. 321, through plot nos. 326 and 343 of village Lohandi.
- E—F Line passes through plot nos. 343, 355, 343, 356, 358, 359, and 360 of village Lohandi.
- F—G Line passes along the part common boundary of villages Lohandi and Pandwa.
- G—A Line froms common boundary with the villages of Lohanra and Pandwa and meets at starting point 'A'.

[File No. 19(43)/77-C. L.]

R. S. SHIVANI, Dy. Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर, 1977

कां० प्र० 3438.—यतः कतिपय उपान्तरण, जिन्हें केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित क्षेत्रों के सम्बन्ध में दिल्ली की बृहत् योजना में करने की प्रत्यापना करती है, दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अनुसरण में, सूचना सं० एफ० 20(5)/76-यू०० दिनांक 17 जुलाई, 1976 के साथ उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) द्वारा यथाप्रपेक्षित, प्रकाशित किए गए थे, जिसमें आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे।

और यतः केन्द्रीय सरकार ने निम्नलिखित क्षेत्र के सम्बन्ध में आक्षेपों/सुझावों पर विचार करने के बाव दिल्ली की बृहत् योजना में निम्नलिखित संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11(क) की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली की बृहत् योजना तथा क्षेत्रीय विकास योजना में भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित उपान्तरण करती है, अर्थात्:—

“बजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक उपयोग (छोटा-मोटा उत्पादन) के लिए निविष्ट भूमि में से 0.52 हेक्टेयर (1.3 एकड़) आकार के क्षेत्र को बचल कर चमड़े के सामान के लिए ‘प्लीटिड फैक्टरीज’ कर दिया गया है।”

(सं० के० 12016/13/74-यू००बी०-1(ए))

हरिराम गोयल, धवर सचिव

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 11th October, 1977

S.O. 3438.—Whereas certain modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the areas mentioned hereunder, were published with Notice No. F. 20(5)/76-MP, dated 17th July, 1976 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions as required by sub-section (3) of section 11-A of the said Act, within thirty days from the date of the said notice;

And whereas the Central Government after considering the objections and suggestions with regard to the said modification mentioned hereunder, have decided to modify the Master Plan for Delhi;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modification in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of

publication of this notification in the Gazette of India, namely :—

MODIFICATION :

"An area measuring 0.52 hectares (1.3 acres) out of the land, earmarked for 'industrial use' (Light Manufacturing) in Wazirpur Industrial Area is changed to 'flatted factories' for leather goods."

[No. K-12016/13/74-UDI(A)]

H. R. GOEL, Under Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 1977

क्रां.सं. 3439.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि ब्रिटिश स्कूल सोसायटी को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

डिप्लोमेटिक एन्क्लेव एरिया, चणकयपुरी, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं. 22 और 23, साइट सं. 7 को अधिसूचना सं. एस०ओ० 1810, दिनांक 20-7-74 के अनुसार एल०डी०ओ० प्लान सं. 2485/1 में दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 1.647 एकड़ भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर : ब्रिटिश स्कूल

दक्षिण : प्लॉट नं. 21 और 24

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

[सं० एस० एण्ड एस० 33(1)/74/ए०एस०ओ० (1) 715-17]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 17th October, 1977

S.O. 3439.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the Schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India, New Delhi for further transfer to the British School Society, Delhi.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 1.647 acres, situated in Diplomatic Enclave area in Chankayapuri, New Delhi, bearing Plot No. 22 & 23 Site No. 7 partly of Notification No. S.O. 1810 dated 20-7-1974 Under Section 22 of Sub-Section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the plan L.D.O. No. 2485/1.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : British School.

South : Plot No. 21 & 24.

East : By Road.

West : By Road.

[No. S&S 33(1)/74-ASO(I)/715-17]

क्रां. सं. 3440.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार,

नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि नर्सरी स्कूल के लिये माउथ दिल्ली एजुकेशन सोसायटी को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

सैक्टर 7, पार० के० पुरम, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं. 1 साइट सं. 76 को अधिसूचना सं. एस०ओ० 4719, दिनांक 21-8-75 के अनुसार एल०डी०ओ० प्लान सं. 2340-ए में दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 0.38 एकड़/0.1537 हेक्टेयर भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

[सं० एस० एण्ड एस० 33(10)/77/ए०एस०ओ० (1)/709/11]

S.O. 3440.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the land described in the Schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India, New Delhi for further transfer to the South Delhi Education Society for Nursery School.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 0.38 acre situated in Sector-VII, R. K. Puram, New Delhi, bearing plot No. 0.1537 Hectare/Site No. 76 Full of Notification No. S.O. 4719 dated. 21-8-1975 under section 22 of Sub-Section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the Plan L.D.O. No. 2340-A.

The above piece of land is bounded as follows :—

North : By Road.

South : By Road.

West : By Road.

East : By Road.

[No. S&S 33(10)77-ASO(I)/709-11]

क्रां.सं. 3441.—दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार ने भूमि एवं विकास कार्यालय, निर्माण एवं आवास और शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन नीचे दी गई अनुसूची में निर्धारित भूमि के निपटान हेतु दिल्ली विकास प्राधिकरण को नियुक्त किया और अब यह भूमि दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी बनाने हेतु दिल्ली लाइब्रेरी बोर्ड को स्थानान्तरित की जाती है।

अनुसूची

सैक्टर 2, पार० के० पुरम, नई दिल्ली में स्थित भूखण्ड सं. 1 साइट सं. 56 को अधिसूचना सं. एस०ओ० 4719, दिनांक 21-8-75 के अनुसार एल०डी०ओ० प्लान सं. 3291 में दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 22 की उपधारा (4) के अन्तर्गत लगभग 1367.46 वर्ग गज (1143.374 वर्ग मीटर) भूमि के भाग को दिखाया गया है।

उपर्युक्त भूमि की सीमा का विवरण इस प्रकार है :—

उत्तर : खाली जगह

दक्षिण : सड़क

पूर्व : सरकारी क्वार्टर

पश्चिम : सड़क और नाला

[सं० एस० एण्ड एस० 33(12)/77 ए०एस०ओ० (1)/71214]

कृष्ण प्रताप, सचिव

S.O. 3441.—In pursuance of the provisions of Sub-Section (4) of Section 22 of the Delhi Development Act, 1957 the Delhi Development Authority has replaced at the disposal of the Central Government the Land described in the schedule below for placing it at the disposal of the Land & Development Office, Ministry of Works & Housing & Urban Development, Government of India New Delhi for further transfer to the DELHI LIBRARY BROAD FOR CONSTRUCTION OF DELHI PUBLIC LIBRARY.

SCHEDULE

Piece of land measuring about 1367.46 sq. yds. 1143.374 sq. mtrs. situated in Sector-II, R. K. Puram, New Delhi, bearing

Plot No./Site No. 56 partly of Notification No. 4719 dated 21-8-1975 under section 22 of Sub-Section (4) of D.D. Act, 1957 shown in the plan L.D.O. No. 3291.

The above piece of land is bounded as follows :-

North.—Open land.
South.—By Road.
East.—Government Quarters.
West.—By Road & Nallah.

[No. S&S 33(12)77/-ASO(I)/712-14]

KRISHNA PARTAP, Secy.

भूमि मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1977

क्रा० प्रा० 3442.—इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद श्री टी० एन० सिंगाराबेसु, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के समक्ष सम्बन्धित है;

और उक्त श्री सिंगाराबेसु की सेवाएं अब उपलब्ध नहीं हैं;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 33ख की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री के० सेलवरत्नम होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास में होगा और उक्त श्री टी० एन० सिंगाराबेसु, पीठासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पास अनिर्णीत पड़े उक्त विवाद से संबन्धित कार्यवाहियों को वापस लेती है और उक्त कार्यवाहियों के निपटान के लिए उक्त अधिकरण को इस निदेश के साथ हस्तान्तरित करती है कि उक्त अधिकरण और प्रागे की कार्यवाही उस प्रक्रम से करेगा जिसपर वह उसे हस्तान्तरित की जाए, तथा विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा—

अनुसूची

क्रम संख्या	विवाद संख्या	सम्बन्ध	विवाद के पक्षकारों का नाम
1	2	3	4
1.	आई० डी० संख्या 14/75	आदेश संख्या एल० 12011/14-75-एल० आर० III, तारीख 26/2/75	डी इंडियन बैंक, मद्रास और उनके कर्मकार ।
2.	आई० डी० संख्या 66/75	आदेश संख्या एल० 29011/95/75 डी० ओ० III (बी), तारीख 11/8/75	सेमसे इंडिया सीमेंट लिमिटेड, शंकरनगर और उनके कर्मकार ।
3.	आई० डी० संख्या 18/76	आदेश संख्या एल० 29011/132/75 डी० III (बी), तारीख 27/2/76	ग्रालमबावी लाइम स्टोन माइन्स एण्ड छेसीनाब सीमेंट कार्पोरेशन, पुलियूर और उनके कर्मकार ।
4.	आई० डी० संख्या 56/76	आदेश संख्या एल० 33012/2/76 डी० II (ए), तारीख 27/10/76	मद्रास स्टीलकोर्स एसोसिएशन, मद्रास-1 और उनके कर्मकार ।
5.	आई० डी० संख्या 57/76	आदेश संख्या एल० 33011/2 एल० 12011/34/76 डी० II (ए) तारीख 30-10-76	इंडियन ओवरसीज बैंक, मद्रास और उनके कर्मकार ।
6.	आई० डी० संख्या 62/76	आदेश संख्या एल० 33011/2/76 डी० II (ए) तारीख 3/12/76	सेमसे पी० देवाराजुलू नायडू एण्ड सन, मद्रास और उनके कर्मकार ।
7.	आई० डी० संख्या 64/76	आदेश संख्या एल० 11011/8/75 डी० II (बी) तारीख 8/12/76	इंडियन एयर लाइन्स, मद्रास और उनके कर्मकार ।
8.	आई० डी० संख्या 65/76	आदेश संख्या एल० 12011/20/76 डी० II (ए) तारीख 10/12/76	इंडियन बैंक, मद्रास और उनके कर्मकार ।
9.	आई० डी० संख्या 66/76	आदेश संख्या एल० 33012/4/76 डी० II (ए), तारीख 23/12/76	मद्रास स्टीलकोर्स एसोसिएशन, मद्रास तथा उनके कर्मकार ।

1	2	3	4
10. आई० डी० संख्या 1/77	आदेश संख्या एल० 12012/165/76 डी II(ए) तारीख 24/12/76	कैथोलिक सीरियम बैंक लिमिटेड, त्रिचूर और उनके कर्मकार।	
11. आई० डी० संख्या 2/77	आदेश संख्या एल० 35012/2/76 डी० II(ए) तारीख 24/12/76	मैसर्स पी० देवराजालू विजयशिविंग एण्ड कम्पनी हाउस, कोचीन और उनके कर्मकार।	
12. आई० डी० संख्या 10/77	आदेश संख्या एल० 33012/1/72 पी० एण्ड डी/सी० राम० टी०/डी० II (ए) तारीख 28/1/77	मैसर्स पी० देवराजालू नायडू एण्ड सन, मद्रास और उनके कर्मकार।	
13. आई० डी० संख्या 11/77	आदेश संख्या एल० 12012/25/76 डी० II(ए) तारीख 29/1/77	स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मद्रास तथा उनके कर्मकार।	
14. आई० डी० संख्या 12/77	आदेश संख्या एल० 33012/5/76 डी० II(ए) तारीख 1/2/1977	मैसर्स पी० देवराजालू नायडू एण्ड सन, मद्रास और उनके कर्मकार।	
15. आई० डी० संख्या 22/77	आदेश संख्या एल० 29012/11/77 डी० III(बी) तारीख 16/4/77	श्री धार० बेन्काटानमम्, रेजिगं कन्ट्रैक्टर आफ पोमकुमार मैगनेसाइट माहल्स और उनके कर्मकार।	
16. आई० डी० संख्या 25/77	आदेश संख्या एल० 12011/6/77 डी० II(ए) तारीख 21/4/77	इंडियन बैंक मद्रास, और उनके कर्मकार।	
17. आई० डी० संख्या 29/77	आदेश संख्या एल० 33012/1/77 डी० IV(ए) तारीख 19/5/77	मद्रास स्टीविशोर्स एसोसिएशन और उनके कर्मकार।	
18. आई० डी० संख्या 30/77	आदेश संख्या एल० 29011/34/76 डी० III(बी०) तारीख 17/5/77	मैसर्स एसोनीएटेड सीमेन्ट कारपोरेशन कम्पनी लिमिटेड माधुष्काराय और उनके कर्मकार।	

[संख्या एल० 23025/2/77-डी० IV-बी]

भूपेन्द्र नाथ, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 30th August, 1977

S.O. 3442.—Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before Shri T.N. Singaravelu, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras ;

And whereas the services of the said Shri Singaravelu are no longer available ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and sub-section (1) of Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. Selvaratnam shall be the Presiding Officer with headquarters at Madras and withdraws the proceedings in relation to the said dispute pending before the said Shri T.N. Singaravelu, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings from the stage at which it is transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

Sl. No.	Dispute No.	Reference	Name of the parties to the dispute
(1)	(2)	(3)	(4)
1. I.D. No. 14/75	Order No. L. 12011/14/74-LR. III, dt. 26-2-75.	The Indian Bank, Madras and their workmen.	
2. I.D. No. 66/75—	Order No. L. 29011/95/75/D.O. III. (B), dt. 11-8-75.	M/s. India Cements Ltd., Sankarnagar and their workmen.	
3. I.D. No. 18/76—	Order No. L. 29011/132/75-D. III(B), dt. 27-2-76.	Alambadi Lime Stone Mines and Chettinad Cement Corporation, Puliur & their workmen.	
4. I.D. No. 56/76—	Order No. L. 33012(2)/76 D. IV(A), dt. 30-10-76.	Madras Stevedores Association, Madras-1 and their workmen.	

1	2	3	4
5. I.D. No. 57/76—	Order No. L. 12011/34/76-D. IIA, dt. 30-10-76.	Indian Overseas Bank, Madras and their workmen.	
6. I.D. No. 62/76—	Order No. L. 33011(2)/76, D. IV A, dt. 3-12-76.	M/s. P. Devarajooloo Naidu & Son, Madras & their workmen.	
7. I.D. No. 64/76—	Order No. L. 11011(8)/75-D. IIB, dt. 8-12-76.	Indian Airlines, Madras and their workmen.	
8. I.D. No. 65/76—	Order No. L. 12011/20/76-D. IIA, dt. 10-12-76.	Indian Bank, Madras and their workmen.	
9. I.D. No. 66/76—	Order No. L. 33012(4)/76-D.IV(A), dt. 23-12-76.	Madras Stevedores Association, Madras and their workmen.	
10. I.D. No. 1/77—	Order F. No. L. 12012/165/76-D. II(A), dt. 24-12-76.	Catholic Syrian Bank Ltd., Trichur and their workmen.	
11. I.D. No. 2/77—	Order No. L. 35012(2)/76-D. IVA., dt. 24-12-76.	M/s. P. Devarajaloo Vijaya Shipping and Clearing House, Cochin and their workmen.	
12. I.D. No. 10/77—	Order No. L. 33012(1)/72-P & D/CHT/D.IV (A), dt. 28-1-77.	M/s. P. Devarajaloo Naidu and Son, Madras and their workmen.	
13. I.D. No. 11/77—	Order No. L. 12011/25/76-D. IIA, dt. 29-1-77.	State Bank of India, Madras and their workmen.	
14. I.D. No. 12/77—	Order No. L. 33012(5)/76-D. IVA, dt. 1-2-1977	M/s. P. Devarajooloo Naidu and Son, Madras and their workmen.	
15. I.D. No. 22/77—	Order No. L.29012/11/77-D. IIIB, dt. 16-4-77.	Shri R. Venkatachalam, Raising Contractor of Ponkumar Magnesite Mines and their workmen.	
16. I.D. No. 25/77—	Order No. L. 12011/6/77-D. II-A, dt. 21-4-77.	Indian Bank, Madras and their workmen.	
17. I.D. No. 29/77—	Order No. L. 33012(1)/77-D IV (A), dt. 19-5-77.	Madras Stevedores Association and their workmen.	
18. I.D. No. 30/77—	Order No. L. 29011/34/76-D. IIIB, dt. 17-5-77.	M/s. Associated Cement Corporation Companies Ltd., Madukkara and their workmen.	

[No. L-23025(2)/77-D-IV(B)].

BHUPENDRA NATH, Desk Officer.

New Delhi, the 18th October, 1977

Bombay, dated the 30th September, 1977

AWARD

The Government of India, in the Ministry of Labour acting under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication by its Order No. L-36012/6/73-P&D, dated 27-2-1974 :—

"Whether Shrimati Veronica D'Souza, Owner of launch "William" Vasco-da-Gama (Goa), is justified in terminating the services of the workmen Shri Ramachandra Digambar Sawant, Launch Khalasi ? If not, to what relief is the workman entitled and from what date ?"

On behalf of the workmen the Goa Dock Labour Union has filed a statement of claim stating that the workman herein was engaged as a Khalasi by Smt. Veronica D'Souza on her launch "William". He claims to have worked on that Launch for a continuous period of one year ending with the date of termination of his service on 12-8-1973. The workman complains that his services were orally terminated on 12-8-1973 without assigning any reason whatsoever or serving any notice of termination. He addressed the letter dated 16-8-1973 to the owner to reinstate him in service with full back wages and with continuity of service. Thereafter the Goa Dock Labour Union representing the workman addressed a letter dated 11-9-1973 to the Assistant Labour Commissioner (Central), Vasco-da-Gama requesting him to intervene in the matter. The ALC(C), Vasco-da-Gama took up the matter in conciliation and issued notices to both the parties to appear before him. The parties accordingly appeared before the Conciliation Officer but the efforts at conciliation failed. On submission of the Failure of

S.O. 3443.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947, (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the Shrimati Veronica D'Souza, Owner of Launch "William", Vasco-da-Gama (Goa) and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th October, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Camp—Panaji

Reference No.CGIT-2/7 of 1974

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Shrimati Veronica D'Souza, owner of launch "William", Vasco-da-Gama (Goa).

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employers—No appearance.

For the Workmen—Shri Mohan Nair, General Secretary, Goa Dock Labour Union, Vasco-da-Gama.

INDUSTRY : Port and Docks STATE : Goa, Daman & Diu.

Conciliation report dated 7-11-1973, the Government of India referred the dispute to this Tribunal. The workman prays for reinstatement with continuity of service with back wages on the ground that the termination of his service was illegal.

The Launch Owner filed a written statement stating that the workman was engaged by her for the first time on 1-3-1973 on a temporary basis. As the workman was rendered surplus to the requirement of the management she had no other alternative but to terminate his services with effect from 12-8-1973 on which date all his dues were settled in full. She submits that she could not reply the letter written by the workman complaining of illegal termination of service for want of his correct address. She submits that before the Assistant Labour Commissioner (C), Vasco da Gama she submitted that the workman should be called upon to substantiate his case but the Union and the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco da Gama failed to produce the workman. Therefore the conciliation proceedings ended in failure. She submits that as the services of the workman were found to be surplus he had to be discharged and that her action was perfectly justified. She prays that this reference may be rejected for the foregoing reasons.

The Goa Dock Labour Union filed a rejoinder to this written statement of the management denying the averment that the workman was engaged for the first time on 1-3-1973 on the Launch "William". They reiterated the averment that by the date of discharge viz. 12-8-1973 the workman had put in one year's continuous service. They further allege that the discharge of the workman from service is by way of victimisation.

The owner filed a rejoinder to the rejoinder filed by the workman denying the averments made therein.

The notice of hearing date at Panaji on 19-9-1977 was served on the party on 9-9-1977. On 19-9-1977 the Owner or her counsel was not present. The matter was therefore adjourned to 22-9-1977 to give the party another opportunity of appearing before this Tribunal. As she did not attend on 22-9-1977 the case was heard ex-parte.

In support of his case the workman examined himself as WW-1. He spoke to the various averments made in the course of his statement of claim. According to him, he was getting Rs. 130/- per month as salary and Rs. 40/- on an average as night trip allowance at the rate of Rs. 2/- per trip. He further stated that after his services were terminated by the Owner he has been earning his livelihood by fishing. He declares that he did not want reinstatement in service in view of the fact the relations between him and the employer are very much strained. He prays for payment of adequate compensation for wrongful termination of his service. He complains that he was not given the pay scale as per the terms of the Award given by the Arbitrator Shri F. C. R. Machado. He prays that he may be paid the difference in wages between the rate payable under the Machado award and the wages actually paid to him.

The points that arise for consideration are :—

- (1) Whether the termination of the services of the workman Shri Ramachandra Digambara Sawant, Launch Khalasi is justified ?
- (2) If not to what relief is he entitled to ?

Point 1 :

The workman alleges that his services were terminated with effect from 12-8-1973 orally without assigning any reason whatsoever. He also submits that by the date of termination of his service, he had put in a continuous period of not less than one year's service under the owner Smt. Veronica D'Souza. The owner in her written statement contends that the workman was employed for the first time on her Launch "William" on 1-3-1973 and not earlier as contended by the workman. She also submits that as this workman was found surplus he had to be discharged from service. According to her the certificate issued by the Captain of the Port fixed the crew strength at four only. The workman herein being the fifth she found him to be

surplus and removed him from service. In the absence of any evidence forthcoming from the owner in the shape of a letter of appointment or muster roll, her contention that she engaged the workman herein for the first time on 1-3-1973 on her Launch "William" cannot be accepted. The evidence of the workman that he was working on the Launch for a period of one year has to be accepted. Regarding the next contention that the workman herein was found surplus every Launch must be having a Khalasi. There is no evidence to show how many Khalasis were there on the Launch "William" besides WW-1 by the date 12-8-1973 and on what basis she happened to discharge the workman herein and not the other Khalasis. That is whether on the principle of "last come first go" or for the reason she found his services unsatisfactory. In the absence of such evidence it must be held that the termination of the services of the workman herein without assigning any reason whatsoever cannot be considered to be justified.

Point 1 held against the owner and in favour of the workman

Point 2 :

In view of the above finding it follows that the workman is entitled to some relief. Before the Assistant Labour Commissioner (C) Vasco-da-Gama and in the claim statement before this Tribunal the workman prayed for reinstatement. During the course of his evidence he preferred compensation in lieu of reinstatement, in view of the strained relations between him and the owner of the Launch. As the workman was in the owner's service only for one year I feel that payment of four months wages will be adequate compensation inclusive of retrenchment compensation and notice pay. Shri Mohan Nair, for the workman contends that the workman is entitled to compensation at 50 per cent of the wages from the date of termination till the date of reference. I do agree. The workman in the course of his evidence stated that on the date of termination of his service, he was being paid Rs. 130/- per month besides Rs. 40/- per month on an average at the rate of Rs. 2/- per trip as Night Trip Allowance. On this basis he will be entitled to a round figure of Rs. 700/-.

The workman in the course of his evidence stated he is entitled to difference in wages between the rates at which he is entitled to as per the Award of the Arbitrator Shri F. C. R. Machado and at the rate he was actually paid. He did not claim this relief before the Conciliation Officer i.e. Assistant Labour Commissioner (C), Vasco-da-Gama, or in his statement of claim. In the circumstances this relief cannot be granted.

Point 2 found accordingly.

In the result this reference is answered as follows :—

- (1) The termination of the services of the workman Shri Ramachandra Digambara Sawant, Launch Khalasi by Smt. Veronica D'Souza, Owner of Launch "William" is not justified.
- (2) The workman Shri Ramachandra Digambara Sawant is entitled to claim a sum of Rs. 700/- representing four months wages by way of compensation which is inclusive of notice pay and retrenchment compensation, for wrongful termination of his services.

P. RAMAKRISHNA, Presiding Officer

[No. L-36012(6)/73-P&D/D.IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer

S.O. 3444.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kharkharce Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Maheshpur, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th October, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 61 of 1977

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

[Ministry's Order No. L-20012/273/75-DIII(A), Dated 25-5-1976]

PARTIES :

Employers in relation to Kharkharee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kharkharee, Distt. Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. P. Singh, the representative of the management.

For the Workman—Shri I. D. Lall, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal
Dhanbad, the 1st October, 1977

AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act referred the following dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal-Labour Court (No. 2), Dhanbad, by its Order No. L-20012/273/75-DIII(A) dated 25-5-1976, namely, whether keeping in view the nature of duties performed by Shri Shaligram Mishra, the action of the management of Kharkharee Colliery in not placing him in Grade II (Clerical) as per recommendations of the Central Wage Board for Coal Mining Industry is justified; If not, to what relief is he entitled and from what date ?

2. The reference was received by transfer from Tribunal No. 2 in this Tribunal on March 22, 1977 under the order of the Government of India, Ministry of Labour, No. S-11025 (1)77-(1)/D. IV(B) dated 22-2-1977.

3. The Management and the Vice-President of the Bihar Colliery Kamgar Union filed a settlement on September 26, 1977 whereby they have composed their difference and dispute amicably. The settlement is signed by R. K. Yashroy, the General Manager and by R. N. Singh, Vice-President of the Union and their signatures thereon have been verified by Sri I. D. Lall, learned counsel for the Union and by S. P. Singh, the representative of the management. The Settlement is Annexure I.

4. Award is given in accordance with the Settlement which will form part of the award.

KUNJ BEHARI SRIVASTAVA, Presiding Officer

ANNEXURE I

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
(INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.)

In Reference No. 61 of 1977, New Reference No. 24/76 old.

Employers in relation to Kharkharee Colliery of M/s Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kharkharee, Distt. Dhanbad.

AND

Their workmen.

Joint petition for compromise settlement

The humble petitioners, on behalf of the parties above-named most respectfully beg to state :—

1. That the parties agree that Shri Saligram Mishra would be designated as Dispensary Clerk and would be paid starting

basic of Clerical Grade-III wages i.e. Rs. 330 basic per month effective from the day he is working as Dispensary Clerk.

2. That Shri Saligram Mishra would be paid difference of clerical Grade-II wages for the period he had worked as Attendance Clerk.

3. That the arrear payment arising in terms of Item No. 281 of settlement would be made available to Shri Saligram Mishra within one month from the date of filing the settlement.

4. It is agreed that parties shall have no further claim whatsoever against each other in this account and the present dispute stands finally and fully resolved as a result of this settlement.

The humble petitioners pray that Hon'ble tribunal may be pleased to accept the settlement and pass an award in terms thereof.

FOR MANAGEMENT

(R. K. YASHROY),

General Manager

FOR WORKMAN

(R. N. SINGH),

Vice President B.C.K.U)

Dated : 26-9-1977

KUNJ BEHARI SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-20012/273/75-D. III(A)]

New Delhi, the 24th October, 1977

S.O. 3445.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ganhoodih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad and their workmen which was received by the Central Government on the 7th October, 1977.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 3) AT DHANBAD.

Reference No. 8 of 1976

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ganhoodih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad.

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the Employers—Shri G. Prasad, Advocate.

On behalf of the Workman—Shri B. K. Lath, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 28th September, 1977

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, (hereinafter called the Act) by the Government of India, Ministry of Labour under Order No. L-20012/178/75-D. IIIA, dated, the 20th January, 1976. The schedule of reference is given below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Ganhoodih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office, Jharia, District Dhanbad in dismissing the services of Shri P. D. Rai, Munshi with effect from 4th July, 1975 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?"

2. The dismissal of Shri P. D. Rai, Munshi of Ganhoodih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, with effect from 4th July, 1975, is for adjudication.

3. The management raised preliminary point regarding the fairness and propriety of the domestic enquiry conducted against the concerned workman and that point was decided on 9-5-77 wherein it was found that the enquiry had been quite just and proper and the principles of natural justice had been followed throughout. At present we are concerned only with the quantum of punishment under Section 11A of the Act.

4. Demand was made by the United Coal Workers Union and the same Union raised the industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central), Dhanbad-II when conciliation proceeding started. On its failure a report was submitted on 30th August, 1975, to the Government of India when the present reference was made.

5. I need not repeat the case of the parties concerning the domestic enquiry as that matter now is concluded. Over and above the same, it is said on behalf of the workman that representations were made orally as well as in writing which were refused by the management.

6. It is contended that action of the management is invalid as the dismissal letter has been issued after more than six months of the enquiry report. It is further said that the concerned workman was kept under suspension for more than 9 days which was in gross violation of the certified Standing Orders and it indicates victimisation. Contention further is that the punishment is disproportionate to the act of misconduct.

7. On behalf of the employers it is said that there was no element of victimisation in the entire transaction and there was no evidence of any unfair labour practice by the management. The order of dismissal was on account of serious misconduct which was satisfactorily established. As the position stands, the punishment is quite proper and it does not require any interference by the Tribunal.

8. Although in the domestic enquiry the workman had examined himself Shri B. K. Lath, Advocate, appearing on his behalf was very much insistent to examine him again. In fact there was no scope for his examination here, even then it was permitted so that the workman may not have any grievance that his evidence had been shut. But I will consider his evidence only to the extent of his allegation regarding victimization and certainly those statements will also be taken into consideration which are relevant for our purpose having been taken in cross-examination.

9. Shri Lath also insisted to examine Shri S. K. Rai, a trade unionist. This witness was not summoned by the workman during the domestic enquiry. I will consider his evidence also only on the point of victimization and nothing else.

10. The management has filed all those documents which were produced before the Enquiry Officer during the course of enquiry and which were marked as Exts. by that Officer. This perhaps has been done to meet my observation in the order that documents relied upon by the Enquiry Officer had not been produced in the Tribunal.

11. Ext. 20, report of the preliminary enquiry which was conducted by Shri Y. P. Keshari whereafter charge sheet were issued, was produced before the Enquiry Officer but not here. This point was urged before me in the course of arguments on the preliminary point and I had mentioned therein that it was not necessary to produce that paper in the Tribunal and the enquiry report could not be said to be vitiated on that ground unless it was found that the delinquent workman had no occasion to cross-examine the witness with respect to that paper. Shri Keshari was examined before the Enquiry Officer and there was enough opportunity to the delinquent workman to cross-examine him with respect to it. That being the position, now at the final stage it is not open to the concerned workman to take any exception to it, particularly when I find that the enquiry report in pursuance of which he had been dismissed did not rely solely on that report. Therefore, non-filing of that report here even at present cannot be a ground of complaint. On this point I may refer to the case of Fire Stone Tyre & Rubber Co. Ltd. vs. their workman reported in 1967 (2) L.L.J. 715.

12. Learned Advocate for the workman has contended that although there were two charge-sheets, Ext. M-1 and M-3 dated 23-1-75 and 3-2-75, respectively, there was a joint enquiry and both the charge sheets are vague. His contention is that in such a circumstance if the management conducted the replies Ext. M-2 dated 21-1-75 and Ext. M-4 dated 6-2-75 unsatisfactory it can very well be said that they could not have done so validly.

13. In this connection he has further contended that there is no mention in the chargesheet that the delinquent workman was in collusion with the Bill Clerk but the Enquiry Officer has said that he was so.

14. Preceding further in his argument he has submitted that no notice had been served on the delinquent workman regarding the enquiry with regard to the second charge-sheet and, therefore, the Enquiry Officer had no right to conduct the enquiry.

15. All these points had been raised before me during the hearing on the preliminary point and I had given my findings. In paragraph 6 of my order I had considered the two charge-sheets Ext. M-1 and Ext. M-3 and their respective replies, Ext. M-2 and Ext. M-4. In paragraph 13, I had said that in the charge-sheet given to the delinquent workman all necessary particulars had been mentioned and in paragraph 6 I had further said that relevant clauses of the certified Standing Orders also had been given there and materials which were enough to enable him to meet the charges levelled against him. In paragraph 8 I had considered about the notice and I had said that the Enquiry Officer had given notice to him, and if it was not on record of the Tribunal, that by itself could not be fatal. I had said further that when he was present on each and every date of the enquiry it was enough to show that he had notice and, therefore, no prejudice was caused to him.

16. Then I find that Shri Rai has stated in his evidence here that in both the charge-sheets allegations were similar and he has no paper to show that he had requested the management to hold enquiry separately. If there was no such request and charges were of similar nature, two separate enquiries were not called for and it cannot be said that any prejudice has been caused to him. Therefore, as the position stands the Enquiry Officer was justified in holding joint enquiry for the two charges.

17. Arguments of Shri Lath regarding the absence in the charge-sheet of collusion is based on misconception regarding the statement of Shri Y. P. Keshari before the Enquiry Officer. He has contended that if he found no cutting or over-writing in the Munshi's report the same must have been done by the Bill Clerk and according to him this should have been included in the charge-sheet. In view of my order on the preliminary point it is not at all necessary to consider it but to dispel any doubt in the mind of Shri Lath I would refer to the statement of Shri Keshari wherein an answer to a question he had said that he had circled the figures in the Munshi's report and except the same that there were no over-writing or cutting anywhere else. The first Charge-sheet was with respect to over-reporting of tubs and the second was concerning false booking of tubs. They were the main charges against him and evidence was led to substantiate the same. Overwriting and cutting were only one aspect of the matter and not the sole one. Therefore, if over-writing and cutting were not detected it cannot be said that the report is perverse.

18. The Enquiry Officer in his report has mentioned about the over-writing and cutting in the bills and not in the Munshi's raising report and the same has nothing to do with the charges which were issued to the concerned workman. Therefore, the argument has no leg to stand.

19. Shri Lath has contended that materials before the Enquiry Officer were not enough to justify his conclusion that there was over-reporting of tubs in the weeks ending as mentioned in Ext. M-1 and false booking of tubs in the names of miners who were absent as mentioned in the chargesheet Ext. M-3. The Munshi raising reports which are on record will show the over-reporting and those reports are with respect to weeks ending 7-12-74, 14-12-74, 21-12-74 and 11-1-75. Attendance Registers which are also on record with respect to weeks ending 11-1-75, 7-12-74, 14-12-74 and 21-12-74 will show that although the miners were absent

tubs were booked in their names. Faquira Mochi, Rasid Mian, Redar Das, Annudh Singh, Nawab Mia, Latti Mudi, Tuli Mondal, Jagdish Bhuan, Tuli Sao and Bishun Sao are the miners who were absent but the concerned workman booked tubs in their name as a result of which in the wage-sheets which are on records wages were noted in their name. Therefore, it cannot be said that materials were inadequate for the Enquiry Officer to arrive at a conclusion of fraud and misappropriation. When there were documents to prove the charges, it was not necessary to examine these miners with respect to whom there were over-reporting and false booking of tubs. Their examination was not at all necessary in the circumstance.

20. To me it appears that the criticism made by Shri B. K. Lath are not at all justified and I having found that the enquiry was just and proper it was not open to him to raise these points at the time when the hearing was only regarding the quantum of punishment. There are several cases in which the sanctity to be attached to the domestic enquiry had been considered by their Lordships of the Supreme Court and they have laid down the scope of interference by the Tribunal. In the case of Hind Construction and Engineer Co. Ltd. Vs. workmen reported in 1965(II) L.L.J. 462 this point was raised and disposed of by their Lordship and they also gave their opinion on this point in the case of Tata Oil Mills and Others Ltd. Vs. their workmen reported Balipara Tea Estate Vs. workmen reported in Vol. 5 S.C.L.J. 2999 and to the case of Sri Anamol and Stamping Works Ltd. Vs. their workmen reported in 1963 (II) L.L.J. 3674. They have laid down that where there is a proper enquiry the Tribunal would not be entitled to consider the propriety or correctness of the conclusion reached by the Enquiry Officer. The Tribunal can interfere only when there is lack of bonafide, there is victimization and unfair labour practice or if there is basic error on point of fact and the finding is perverse. It can also interfere when natural justice is violated and the procedure adopted by the Enquiry Officer is so perverted as to be no enquiry at all. If none of these is established finding is binding. In the instant case I have already come to the conclusion that the enquiry was fair and proper and the principles of natural justice had been followed. Nothing has been shown that there is lack of bonafide on the part of the management. So far victimization is concerned WW-1 has stated that he is an active member of the Union and as he refused to detain miners after the shift that annoyed the management. He has also refused to issue measurement slips to the miners on the ground that it was no part of his duties. But I find that there is no material to show that he was an active member of the Union. Even if he was a member that did not give him a licence to commit misconduct. No paper has been produced to show that any complaint was made to the management regarding the detention of miners after the shift was over and similarly there is nothing to indicate that he refused to issue the measurement slips and that it was no part of his duty. In the evidence of WW-2 there is nothing to the effect that he has been victimised. According to Shri Lath the fact that order of suspension was not lifted after 9 days was enough to indicate victimization. That by itself will not establish victimization in the absence of any substantial material on the point. As to why suspension was not lifted cannot be a matter of speculation and question should have been put to the management witness to explain it. Then there is no material on the point that the concerned workman ever took any step for the lifting of suspension and for the payment of wages. Therefore there is no materials for a conclusion that there was victimization of the concerned workman by the management and that there was any sort of unfair labour practice.

21. I have already found that there is no error in the report of the enquiry and on point of fact finding is not perverse.

22. That being the position, I do not find it possible to interfere with the finding of the Enquiry Officer and to hold otherwise on the basis of the arguments raised by Shri Lath.

23. Let us now take up the question of quantum of punishment. In the case of East India Hotel and their workmen reported in Vol. II S.C.I.J. 291, their Lordships laid down the principles that once the misconduct is proved punishment imposed cannot be interfered with except in cases where it is harsh and oppressive. In the instant case the delinquent

workman has been found guilty of very serious misconduct and I do not think the punishment of dismissal inflicted upon him is disproportionate to the misconduct committed. Any lesser punishment could not have been adequate in the circumstances. By no stretch of reasoning it can be said to be harsh and oppressive. Similarly, if there has been delay in awarding the punishment that cannot be a ground to set aside the order. In this connection I may refer to the case of Municipal Corporation, Greater Bombay and B.R.S.T. Workers reported in Vol. 10 S.C.L.J. 27.

23. As the position stands there is no material for interference under Section 11A of the Act and I find that the action of the management of Ganhoodh Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Jharja, District Dhanbad in dismissing the services of Shri P. D. Rai, Munshi, with effect from 4th July, 1975, is justified and he is entitled to no relief.

This is my award.

S. R. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/178/75-D. III. A]

S.H.S. IYER, Desk Officer

New Delhi, the 28th October, 1977

S.O. 3446.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Gujarat in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Amreli and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th October, 1977.

BEFORE SHRI R. C. ISRANI, PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

Reference (IT-C) No. 7 of 1976

ADJUDICATION

BETWEEN

Punjab National Bank, Amreli. First Party.

AND

The workmen employed under it. Second Party.

In the matter termination of services of Shri D. K. Maru.

AWARD

This is a reference made by the Government of India under the provisions of Section 7A read with clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, vide the Ministry of Labour's Order No. S.O. dated 1st September, 1976, in respect of an industrial dispute which has arisen between the parties viz. the Punjab National Bank, Amreli and the workmen employed under it. The dispute was at first referred for adjudication to the Industrial Tribunal (c) consisting of Shri M. U. Shah but thereafter vide the Government of India, Ministry of Labour's Order No. S.O. dated 27-8-1977, the reference has been transferred to this Tribunal.

2. The dispute as it appears from the schedule attached to the original order under which this reference has been made, relates to the demand which is as under :—

"Whether the action of the management of the Punjab National Bank, Amreli (Distt. Amreli) in terminating the services of Shri D. K. Maru, Peon with effect from 18-7-75 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

3. Before this reference could be heard on its merits and finally decided, it is gratifying to note that the parties have arrived at an amicable settlement. In this connection the Manager of the Bank, presented the application Ex. 6 on 30th August, 1977 and along with that application he also presented the settlement Ex. 7. This settlement is signed by

the Regional Manager of the Punjab National Bank and on behalf of the Union representing the workmen in general and the concerned workman in particular, the settlement has been signed by the General Secretary of the Union. I have gone through the terms of the settlement and have also scrutinised them against the background of the demand covered by reference. On such scrutiny, I am of the opinion that the settlement is quite fair and just and it is also in the interest of the concerned workman. There would, therefore, be no difficulty in recording that settlement.

4. It is, therefore, hereby directed that the award in this reference be made in terms of the settlement Ex. 7 which is appended hereto as Annexure "A".

R. C. ISRANI, Presiding Officer

M. P. BAROT, Secretary,

Ahmedabad, 30th September, 1977.

ANNEXURE "A"

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD.

Reference ITC No. 7/76

BETWEEN

The Management of Punjab National Bank, Regional Manager's Office; Gujarat Region, Ahmedabad—Employer.

AND

Its workmen represented by Gujarat Bank workers, Union, Rajkot—Opposite Party.

The parties to the above dispute beg to submit as under :—

1. That the following dispute has been referred for adjudication to this Hon'ble Tribunal.

"Whether the action of the management of Punjab National Bank, Ameril (Distt. Ameril) in terminating the services of Shri D. K. Maru, Peon, with effect from 10-7-1975, is justified; If not, to what relief is the workman entitled?"

2. That the parties to the dispute have already filed their written statement of claim.

3. That the matter has been discussed mutually between the parties and it has been decided to compromise the same on the following terms and conditions :—

(a) That Shri D. K. Maru shall be appointed as a probationer in the subordinate cadre with composite designation in the next available vacancy of sub-staff in any of the bank's offices in Gujarat, preferably in Saurashtra.

(b) That Shri Maru shall not be entitled for any wages or any other benefit for the temporary service put in by him.

(c) That this is in full and final settlement of all the demands of the employee as well as the Union in respect of temporary service put in by him.

It is prayed that a 'No Dispute Award' be passed accordingly.

For Gujarat Bank Workers Union

Sd/-

General Secretary

For Punjab National Bank.

Sd/-

Regional Manager

R. C. ISRANI, Presiding Officer.

[F. No. L-12012/70/76-D. II.A]

JAGDISH PRASAD, Under Secy.

निरत मंत्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 14 अप्रैल, 1977

आय-कर

कां.प्रा. 3447.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "आर्मी ग्रुप इन्शुरन्स स्कीम फंड" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1721/फा.सं. 197/22/76-प्रा.कं. (ए. 1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue & Banking

(Revenue Wing)

New Delhi, the 14th April, 1977

INCOME TAX

S.O. 3447.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Army Group Insurance Scheme Fund" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1721/F. No. 197/22/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 26 मई, 1977

कां.प्रा. 3448.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "बिरला शिक्षा त्रुस्ट पिलानि" को निर्धारण वर्ष 1973-74 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1781/फा. सं. 197/6/76-प्रा.कं. (ए. 1)]

New Delhi, the 26th May, 1977

S.O. 3448.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Birla Education Trust, Pilani" for the purposes of the said section for and from the assessment year(s) 1973-74.

[No. 1781/F. No. 197/6/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 6 जून, 1977

कां.प्रा. 3449.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड इण्डिया, बाम्बे' को निर्धारण वर्ष 1969-70 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1810/फा. सं. 197/21/77-प्रा.कं. (ए. 1)]

New Delhi, the 6th June, 1977

S.O. 3449.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'World Wildlife Fund India, Bombay' for the purpose of the said section for and from the assessment year 1969-70.

[No. 1810/F. No. 197/21/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 9 जून, 1977

कां.प्रा. 3450.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री सम्स्थानम चाउल्ट्री, पीठापुरम" का निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1813/कां.सं. 197/153/76-प्रां.कं. (ए० 1)]

New Delhi, the 9th June, 1977

S.O. 3450.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Sri Samsthanam Choultry, Pithapuram' for the purpose of the said section for and from the assessment year 1975-76.

[No. 1813/F. No. 197/153/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 13 जून, 1977

कां.प्रा. 3451.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "कन्स्यूमर गाइडन्स सोसाइटी आफ इण्डिया, बम्बई" को निर्धारण वर्ष 1970-71 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1814/कां.सं. 197/14/77-प्रां.कं. (ए० 1)]

New Delhi, the 13th June, 1977

S.O. 3451.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Consumer Guidance Society of India, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1970-71.

[No. 1816/F. No. 197/14/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 25 जून, 1977

कां.प्रा. 3452.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "मध्य प्रदेश राज्य जल प्रदूषण निवारण और नियंत्रण बोर्ड, भोपाल" को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उम वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं. 1833/कां.सं. 197/138/76-प्रां.कं. (ए० 1)]

New Delhi, the 25th June, 1977

S.O. 3452.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "M.P. State Prevention & Control of Water Pollution Board of Bhopal" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1833/F. No. 197/138/76-IT(AI)]

कां.प्रा. 3453.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सेक्टर फारस्ट्री आफ इक्वलिपिंग सोसाइटीज, दिल्ली" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1831/कां.सं. 197/167/76-प्रां.कं. (ए० 1)]

S.O. 3453.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Centre for the Study of Developing Societies" Delhi, for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1834/F. No. 197/167/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 30 जून, 1977

कां.प्रा. 3454.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इण्डियन सेक्शन, थियोसोफिकल सोसाइटी, वाराणसी का निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1841/कां.सं. 197/32/77-प्रां.कं. (ए० 1)]

New Delhi, the 30th June, 1977

S.O. 3454.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Indian Section, The Theosophical Society, Varanasi" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1844/F. No. 197/32/77-IT(AI)]

कां.प्रा. 3455.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "थियोसोफिकल सोसाइटी, अदियार" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1845/कां.सं. 197/69/77-प्रां.कं. (ए० 1)]

S.O. 3455.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Theosophical Society, Adyar" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1977-78.

[No. 1845/F. No. 197/69/77-IT(AI)]

कां.प्रा. 3456.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'एनी बेसेन्ट ट्रस्ट, मुम्बई' को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ के लिए निर्धारण वर्ष 1978-79 के लिए तथा उम वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं. 1846/कां.सं. 197/54/77-प्रां.कं. (ए० 1)]

S.O. 3456.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Annie Besant Trust, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1978-79.

[No. 1846/F. No. 197/54/77-IT(AI)]

कां.प्रा. 3457.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "नेशनल स्पायरशिप कौंसिल बम्बई" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1848/कां.सं. 197/3/77-प्रां.कं. (ए० 1)]

S.O. 3457.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "National Sponsorship Council, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1848/F. No. 197/3 77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 1977

कां० 3458—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (2-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इण्डियन स्पॉन्सरशिप कमिटी, मुम्बई" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1876/फा०सं० 197/175/76-आ०क० (ए० 1)]

New Delhi, the 16th July, 1977

S.O. 3458.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India Sponsorship Committee, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 1876/F. No. 197/175/76-IT(AI)]

कां० 3459—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "जे० डी० टी० इस्लाम थारफनेज कमिटी, कोझीकोड" को निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1877/फा०सं० 197/81/77-आ०क० (ए० 1)]

S.O. 3459.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "J.D.T. Islam Orphanage Committee, Kozhikode" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977-78.

[No. 1877/F. No. 197/81/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1977

कां० 3460—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "द नेशनल स्कूल फॉर ब्लाइंड (राष्ट्रीय नेत्रहीन संगठन)" को निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1884/फा०सं० 197/44/77-आ०क० (ए० 1)]

New Delhi, the 21st July, 1977

S.O. 3460.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The National Association for the Blind" for the purposes of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77.

[No. 1884/F. No. 197/44 77-IT(AI)]

कां० 3461—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "पॉन्डिचेरी पुनिम पधिविनिता स्कीम पॉन्डिचेरी" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1887/फा०सं० 197/139/76-आ०क० (ए० 1)]

S.O. 3461.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Pondichery Police Superannuation Scheme, Pondicherry" for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1887/F. No. 197/139/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1977

कां० 3462—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इण्डियन डेली कारपोरेशन" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1892/फा०सं० 197/102/77-आ०क० (ए० 1)]

New Delhi, the 26th July, 1977

S.O. 3462.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Daily Corporation" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1892/F. No. 197/102/77-IT(AI)]

शुद्धि-पत्र

कां० 3463—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (2-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपनी अधिसूचना संख्या 1846 (फा०सं० 197/54/77 आई०टी० (ए० 1) तारीख 30-6-77 में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् —

"एनी बेसेन्ट ट्रस्ट, मुम्बई"

के स्थान पर,

"एनी बेसेन्ट ट्रस्ट, मद्रास"

पढ़ें।

[सं० 1893/फा०सं० 197/54/76-आ०क० (ए० 1)]

CORRIGENDUM

S.O. 3463.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby amends its Notification No. 1886 (F. No. 197/54/77-IT(AI)) dated 30-6-77 as below :—

For "The Annie Besant Trust, Bombay".

Read "The Annie Besant Trust, Madras".

[No. 1893/F. No. 197/54/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1977

कां० 3464—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित निधियों को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए अधिसूचित करती है, अर्थात् —

(1) सैनिक अधिकारी उपकर निधि,

(2) सैनिक केन्द्रीय कल्याण निधि।

[सं० 1915/फा०सं० 197/71/77 आई०टी० (ए० 1)]

New Delhi, the 3rd August, 1977

S.O. 3464.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the following funds for the purposes of the said section for and from the assessment year(s) 1976-77:—

“(i) Army Officers' Benevolent Fund, (ii) Army Central Welfare Fund.”

[No. 1915/F. No. 197/71/77-IT(AI)]

क्रा० प्रा० 3465.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “समरितन सोसाइटी, पलाई” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1972-73 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1920/फा० सं० 197/33/76-प्रा० क० (ए० 1)]

नई दिल्ली, 4 अगस्त 1977

New Delhi, the 4th August, 1977

S.O. 3465.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Samaritan Society, Palai” for the purposes of the said section for and from the assessment year 1972-73.

[No. 1920/F. No. 197/33/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1977

क्रा० प्रा० 3466.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “नेशनल फाउण्डेशन फॉर टीचर्स वेलफेयर, नई दिल्ली” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1924/फा० सं० 197/181/76-प्रा० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 11th August, 1977

S.O. 3466.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “National Foundation for Teachers Welfare New Delhi” for the purpose of the said section for and from the assessment year 1976-77.

[No. 1924/F. No. 197/181/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1977

क्रा० प्रा० 3467.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “एशियन इंस्टीट्यूट फॉर ररल डेवलपमेंट, बंगलूर” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1944/फा० सं० 197/173/76-प्रा० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 29th August, 1977

S.O. 3467.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Asian Institute for Rural Development Bangalore” for the purposes of the said section and from the assessment year 1977-78.

[No. 1944/F. No. 197/173/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1977

क्रा० प्रा० 3468.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “साफेर्स वेलफेयर फण्ड सोसाइटी, बम्बई” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1958/फा० सं० 197/55/77-प्रा० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 5th September, 1977

S.O. 3468.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Seafarers Welfare Fund Society, Bombay” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1958/F. No. 197/55/77-IT(AI)]

क्रा० प्रा० 3469.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “एम ओ एस चिल्ड्रन विलेज सोसिटी इण्डिया, नई दिल्ली” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 से 1979-80 तक के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1960/फा० सं० 197/95/77-प्रा० क० (ए० 1)]

S.O. 3469.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “SOS Children Village of India, New Delhi” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1976-77 to 1979-80.

[No. 1960/F. No. 197/95/77-IT(AI)]

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1977

क्रा० प्रा० 3470.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “कैंसर फाउण्डेशन, दिल्ली” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1976-77 और 1977-78 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1963/फा० सं० 197/185/76-प्रा० क० (ए० 1)]

New Delhi, the 12th September, 1977

S.O. 3470.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Cancer Foundation, Delhi” for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1976-77 and 1977-78.

[No. 1963/F. No. 197/185/76-IT(AI)]

क्रा० प्रा० 3471.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बाम्बे” को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1964/फा० सं० 197/160/76-प्रा० क० (ए० 1)]

S.O. 3471.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Asiatic Society of Bombay” for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1964/F. No. 197/160/76-IT(AI)]

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1977

नई दिल्ली, 18 जून, 1977

क्रा० आ० 3472.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "नौ सेना अधिकारी—पत्नी संगठन, नई दिल्ली" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1980/फा० सं० 197/53/77-आ० क० (ए1)]

New Delhi, the 20th September, 1977

S.O. 3472.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Naval Officers' Wives Association, New Delhi" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1975-76.

[No. 1980/F. No. 197/53/77-IT(AI)]

क्रा० आ० 3473.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "महाराष्ट्र राज्य महिला परिषद् मुम्बई" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1977-78 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1983/फा० सं० 197/84/77-आ० क० (ए1)]

S.O. 3473.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Maharashtra State Women's Council, Bombay" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1977.

[No. 1983/F. No. 197/84/77-IT(AI)]

क्रा० आ० 3474.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "सीमेन्स बेसफेयर एसोसिएशन, कलकत्ता" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1971-72 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1986/फा० सं० 197/82/77-आ० क० (ए1)]

S.O. 3474.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Seamen's Welfare Association, Calcutta" for the purpose of the said section for and from the assessment year(s) 1971-72.

[No. 1986/F. No. 197/82/77-IT(AI)]

क्रा० आ० 3475.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "इण्डियन इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली" को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए निर्धारण वर्ष 1975-76 और 1976-77 के लिए तथा उस वर्ष से अधिसूचित करती है।

[सं० 1987/फा० सं० 197/63/77-आ० क० (ए1)]

एम० शास्त्री, अवर सचिव

S.O. 3475.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "India International Centre, New Delhi" for the purpose of the said section for the assessment years 1975-76 and 1976-77.

[No. 1987/F. No. 197/63/77-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

क्रा० आ० 3476.—केन्द्रीय सरकार आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "केरल टोडडी वर्कर्स वेल्फेयर फंड बोर्ड त्रिवेन्द्रम" को निर्धारण वर्ष 1970-71 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1828/फा० सं० 197/162/76-आ० क० (ए1)]

जे०पी०शर्मा अवर सचिव (एम०शास्त्री०)

New Delhi, the 18th June, 1977

S.O. 3476.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kerala Toddy Workers' Welfare Fund Board, Trivandrum" for the purpose of the said section for and from assessment year 1970-71.

[No. 1828/F. No. 197/162/76-JT(AI)]

J. P. SHARMA, Dy. Secy.

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 31 अक्तूबर 1977

स्टाम्प

क्रा० आ० 3477.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 20 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 20 अगस्त 1977 को भारत के राजपत्र के भाग-iii, खण्ड के 3 उप खण्ड(iii) के पृष्ठ 2798 पर प्रकाशित, भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 26 जुलाई 1977 की अधिसूचना सं० 17/स्टाम्प/फा० सं० 34/377 बि० क० (वा० आ० सं० 2592) को अधिकारित करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा स्टाम्प शल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिए, बीजे की मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट विदेशी मुद्रा में सम्मतिर्जन के लिए धिनियम की दर उसके स्तम्भ (3) में तत्सम्बन्धी प्रतिशतों में विहित करती है।

सारणी

क्रम संख्या	विदेशी मुद्रा	100 ग० के समतुल्य विदेशी मुद्रा के धिनियम की दर
1	2	3
1.	आस्ट्रियन शिलिंग	187
2.	आस्ट्रेलियन डालर }	10.16
3.	बेल्जियम फ्रैंक	402
4.	कनाडियन डालर	12.11
5.	डेनिश क्रोनर	69.70
6.	डुसो मार्क	26.30
7.	डच गिल्डर	27.90
8.	फ्रैंच फ्रैंक	55.60
9.	हंगरी काग डालर	52.70

1	2	3
10.	इस्टालियन लीरा	9990
11.	जापानी येन	3010
12.	मलयेजियन डालर	27.70
13.	नार्वेजियन क्रोनर	62.20
14.	पौंड स्टर्लिंग	6.5475
15.	स्वीडिश क्रोनर	54.70
16.	स्विस फ्रैंक	26.70
17.	अमरीकी डालर	11.39

[सं० 33/स्टाम्प का० सं० 33/3/77-वि० क०]

एम० डी० रामस्वामी, अवर सचिव

(Department of Revenue)

New Delhi, 31st October, 1977

STAMPS

S.O.3477.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 20 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899) and in supersession of the Notification of Govt. of India in the Department of Revenue No. 17/Stamp/F.No. 33/3/77-ST (S.O. No. 2592) dated the 26th July, 1977 published at page 2798 of the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 20th August, 1977 the Central Government hereby prescribes in column (3) of the Table below the rate of exchange for the conversion of the foreign currency specified in the corresponding entry in column (2) thereof into the currency of India for the purpose of calculating stamp duty.

TABLE

S. No.	Foreign currency	Rate of exchange of foreign currency equivalent to Rs. 100
1	2	3
1.	Australian Schillings	187
2.	Australian Dollars	10.16
3.	Belgian Francs	402
4.	Canadian Dollars	12.11
5.	Danish Kroners	69.70
6.	Deutsche Marks	26.30
7.	Dutch Guilders	27.90
8.	French Francs	55.60
9.	Hong Kong Dollars	52.70
10.	Italian Lire	9990
11.	Japanese Yen	3010
12.	Malaysian Dollars	27.70
13.	Norwegian Kroners	62.20
14.	Pound Sterling	6.5475
15.	Swedish Kroners	54.70
16.	Swiss Francs	26.70
17.	U.S.A. Dollars	11.39

[No. 33/Stamp/F. No. 33/3/77-ST]
S. D. RAMASWAMY, Under Secy.

बाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर, 1977

का०आ० 3478.—केन्द्रीय सरकार, नारियल जटा के निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1972 के नियम 8 के अनुसरण में, भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०आ० 1388, तारीख 3 जून, 1972 को अधिकांश करने हुए, नीचे दी गई नारणी के स्तम्भ 2 में वर्णित व्यक्तियों को, उसके स्तम्भ (1) की तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में निविष्ट निर्यात निरीक्षण अधिकरण के विनिश्चय के विरुद्ध उक्त नियमों के अधीन अपीलों की सुनवाई के प्रयोजन के लिए विशेषज्ञों के पैनल के रूप में नियुक्त करती है :

परन्तु जहाँ उक्त पैनल का कोई सदस्य किसी अपील की विषय-वस्तु में वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है वहाँ वह उस अपील से सम्बन्धित कार्य-वाहियों में भाग नहीं लेगा।

नारणी

प्राधिकारी जिसके निर्णय के विशेषज्ञों के जिस पैनल को अपील की जा सकेगी
विरुद्ध अपील की जा सकेगी उसमें सम्मिलित व्यक्ति

1	2
1. अधिकरण, कोचीन	1. अध्यक्ष कयर बोर्ड पदेन अध्यक्ष
	2. प्रबन्ध निदेशक, अलप्पी कं० मद्रस लि०, अलप्पी।
	3. मुख्य कार्यपालक, मै० एस- पिनवाल एण्ड कम्पनी (ट्रा) लि०, अलप्पी
	4. अध्यक्ष, ट्रावनकोर, सेंटम ग्रीन मैटिंग संघ, अलप्पी।
	5. निदेशक, मै० चरणकण्ठ कयर सैन्थु० (प्रा०) लि०, शेरा- तल्लई।
	6. महाप्रबन्धक, हिन्दुस्तान कयर, कलाबूर।
	7. संयुक्त निदेशक (टैक्स), पदेन निर्यात निरीक्षण परिषद्, कलकत्ता।
	8. संयुक्त निदेशक, निर्यात संयोजक निरीक्षण परिषद्, कोचीन

[सं० 6(14)/71 नि०नि० तथा नि०उ०]

के० बी० बालसुब्रह्मण्यम, उप निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 29th October, 1977

S.O.3478.—In pursuance of rule 8 of the Export of Coir Matings (Inspection) Rules, 1972 the Central Government in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 1388 dated the 3rd June, 1972 hereby appoints the persons mentioned in column 2 of the Table below as the Panel of Experts for the purpose of hearing appeals under the said rules against the decision of the Export Inspection Agency mentioned in the corresponding entry in column 1 thereof :

Provided that where member of any of the said panel is personally interested in the subject matter of any appeal he shall not take part in the proceedings relating to that appeal.

THE TABLE

Authority against whose decision appeal lies.	Persons Experts	constituting the panel of to which appeal lies.
1	2	
1. Agency, Cochin	1. Chairman, Coir Board—Ex-officio Chairman.	
	2. Managing Director, Alleppey Co. Ltd., Alleppey—Member	
	3. Chief Executive, M/s. Aspinwall & Co. (Trav) Ltd.—Alleppey Member	

1	2
	4. President, Travancore, Mats & Mattings Association, Alleppey— Member
	5. Director, M/s. Charankathu Coir Mfg. (P) Ltd., Shertallai—Member
	6. General Manager, Hindustan Kalavoor—Member
	7. Joint Director (Tex), Export Inspection Council, Cal- cutta. Ex-officio
	8. Joint Director, Export Inspection Council, Cochin. Convener

[No. 6/14/71-EI&EP].

K. V. BALASUBRAMINAM, Dy. Director

